

www.arabic.uz

طارق

*25 сериялик "Ториқ" номли мультфильмнинг арабча
матни ва унинг таржимаси*

Таржимон:
Анвар Аҳмад

Тошкент:
2010

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

١

الدرس الأول

- ١ - طَارِق: مَنْ أَنْتَ؟
- ٢ - الْجَيِّ: أَنَا جَيِّ، وَأَنْتَ، مَنْ أَنْتَ؟
- ٣ - طَارِق: أَنَا طَارِق.
- ٤ - الْجَيِّ: طَارِق
- ٥ - طَارِق: نَعَمْ. طَارِقُ شُكْرِي... مَنْ أَيْنَ أَنْتَ يَا جَيِّ؟
- ٦ - الْجَيِّ: مِنْ هُنَا.
- ٧ - طَارِق: مِنْ هَذَا الْمِصْبَاحِ؟
- ٨ - الْجَيِّ: نَعَمْ مِنْ... هَذَا الْقَانُوسِ.
- ٩ - طَارِق: مِنْ الْمِصْبَاحِ أَوْ مِنَ الْقَانُوسِ؟
- ١٠ - الْجَيِّ: الْمِصْبَاحُ هُوَ الْقَانُوسُ.
- ١١ - طَارِق: أَنْتَ كَبِيرٌ وَالْقَانُوسُ صَغِيرٌ.
- ١٢ - نُور: يَا طَارِقُ!
- ١٣ - الْجَيِّ: هَلْ هِيَ أَحْتُكَ؟
- ١٤ - طَارِق: لَأ. هِيَ أُمِّي.
- ١٥ - نُور: هَيَّا يَا طَارِقُ. بَابَا فِي عُرْفَةِ الْجُلُوسِ.
- ١٦ - طَارِق: نَعَمْ يَا مَامَا.
- ١٧ - عِصَام: أَيْنَ الْحَقِيبَةُ؟
- ١٨ - أَمِين: حَقِيبَتِي أَوْ حَقِيبَتُكَ؟
- ١٩ - عِصَام: حَقِيبَتُكَ.

- ٢٠ - آمين: حَقِيبَتِي هُنَا.
- ٢١ - عِصَام: طَيِّب. وَأَيْنَ الْمُسَجَّلَةُ؟
- ٢٢ - آمين: الْمُسَجَّلَةُ هُنَا.
- ٢٣ - عِصَام: وَالْمِصْبَاحُ؟
- ٢٤ - آمين: وَالْمِصْبَاحُ هُنَا أَيْضًا.
- ٢٥ - عِصَام: وَالْحَرِيطَةُ؟
- ٢٦ - آمين: هِيَ هُنَا أَيْضًا.
- ٢٧ - عِصَام: وَجَوَازُ السَّفَرِ؟
- ٢٨ - آمين: هُوَ هُنَا كَذَلِكَ.
- ٢٩ - عِصَام: وَالْبِطَاقَةُ الْبَنْكِيَّةُ؟
- ٣٠ - آمين: هِيَ هُنَا.
- ٣١ - عِصَام: وَكُرَّاسُكَ؟
- ٣٢ - آمين: الْكُرَّاسُ فِي الْحَقِيبَةِ كَذَلِكَ.
- ٣٣ - عِصَام: طَيِّب... يَا آمين، هَذِهِ نُور، زَوْجَتِي.
- ٣٤ - آمين: تَشْرَفْنَا يَا سَيِّدَةَ نُور.
- ٣٥ - نُور: مَرَحَبًا يَا سَيِّدَ آمين.
- ٣٦ - عِصَام: وَهَذَا طَارِق، ابْنِي.
- ٣٧ - آمين: أَهلاً وَسَهلاً يَا طَارِقَ كَيْفَ حَالُكَ؟
- ٣٨ - طَارِق: أَنَا بِخَيْرٍ. شُكْرًا.
- ٣٩ - عِصَام: أَيْنَ التَّدَكُّرَةُ يَا آمين؟
- ٤٠ - آمين: التَّدَكُّرَةُ
- ٤١ - عِصَام: هُنَاكَ، هُنَاكَ! فِي الْجَيْبِ. يَا آمين، يَا آمين!...
- ٤٢ - نُور: أَلْتَأَكْسِي هُنَا يَا عِصَام.
- ٤٣ - عِصَام: طَيِّب... وَأَيْنَ الْكَامِيرَا؟

٤٤ - ريم: هَلْ الكاميرا هي آلة التصوير؟

٤٥ - عِصَام: نَعَمْ.

٤٦ - ريم: هِيَ هُنَا.

٤٧ - عِصَام: وَهَذِهِ ريم، ابنتي.

٤٨ - أمين: أَنْتِ مُصَوِّرَةٌ مُتَمَارَةٌ يَا ريمُ.

БИРИНЧИ ДАРС

1. Ториқ: Сен кимсан?
2. Жин: Мен жинман. Сенчи? Сен кимсан?
3. Ториқ: Мен Ториқман.
4. Жин: Ториқ?
5. Ториқ: Ҳа Ториқ Шукрий... Эй жин! Сен қаердансан?
6. Жин: Шу ерданман.
7. Ториқ: Мана шу чироқданми?
8. Жин: Ҳа... мана бу фонусдан?
9. Ториқ: Чироқданми? Ёки фонусданми?
10. Жин: Чироқ фонус дегани.
11. Ториқ: Сен катта, фонус эса кичик-ку?
12. Нур: Эй Ториқ!
13. Жин: Бу синглингми?
14. Ториқ: Йўқ у онам.
15. Нур: Кел эй Ториқ, отанг меҳмонхонада.
16. Ториқ: Хўп бўлади онажон.
17. Исом: Сумка қаерда?
18. Амин: Сумкамми ёки сумкангми?
19. Исом: Сумканг.
20. Амин: Сумкам бу ерда.
21. Исом: Яхши, магнитофон қаерда?
22. Амин: Магнитофон шу ерда.

23. Исом: Чирокчи?
24. Амин: Чирок ҳам шу ерда.
25. Исом: Харитачи?
26. Амин: У ҳам шу ерда.
27. Исом: Паспортчи?
28. Амин: У ҳам шу ерда.
29. Исом: Банк карточкасичи?
30. Амин: У ҳам шу ерда.
31. Исом: Дафтарингчи?
32. Амин: Дафтар ҳам сумкада?
33. Исом: Яхши эй Амин! Бу хотиним Нур.
34. Амин: Биз сиздан хурсандмиз эй Нур хоним.
35. Нур: Хуш келибсиз эй жаноб Амин.
36. Исом: Бу Торик, менинг ўғлим.
37. Амин: Хуш келибсан эй Торик, аҳволинг қандай?
38. Торик: Мен яхшиман, раҳмат.
39. Исом: Эй Амин! билет қаерда?
40. Амин: Билет?!
41. Исом: У ерда, у ерда! Чўнтакда. Эй Амин, эй Амин!...
42. Нур: Эй Исом! Такси бу ерда.
43. Исом: Яхши, камера қаерда?
44. Рим: Камера дегани фотоаппаратми?
45. Исом: Ҳа.
46. Рим: У у ерда.
47. Исом: Бу қизим Рим.
48. Амин: Эй Рим! Сен моҳир суратчисан.

- ١ - نور: ألو!
- ٢ - عَصَام: صَبَّاحِ الْخَيْرِ يَا نُور.
- ٣ - نُور: عَصَام! كَيْفَ حَالُكَ؟
- ٤ - عَصَام: بِخَيْرٍ. الْحَمْدُ لِلَّهِ، وَأَنْتِ؟
- ٥ - نُور: الْحَمْدُ لِلَّهِ. أَيْنَ أَنْتِ؟
- ٦ - عَصَام: أَنَا فِي الْمَدِينَةِ الْمُنَوَّرَةِ، فِي الْفُنْدُقِ.
- ٧ - نُور: مُمْتَاز! ... هَا هُوَ طَارِقُ.
- ٨ - طَارِقُ: بَابَا!
- ٩ - عَصَام: كَيْفَ الْحَالُ يَا طَارِقُ!
- ١٠ - طَارِقُ: أَنَا بِخَيْرٍ. هَلِ الْمَدِينَةُ الْمُنَوَّرَةُ هِيَ مَدِينَةُ الرَّسُولِ؟
- ١١ - عَصَام: نَعَمْ، أَنْتِ تَلْمِذٌ جَيِّدٌ يَا طَارِقُ.
- ١٢ - طَارِقُ: شُكْرًا يَا بَابَا. بَابَا هَا هِيَ رَيْمُ.
- ١٣ - رَيْمُ: بَابَا! وَأَنَا... بَابَا، هَلِ أَنَا تَلْمِذَةٌ جَيِّدَةٌ أَيْضًا؟
- ١٤ - عَصَام: نَعَمْ يَا حَبِيبَتِي.
- ١٥ - رَيْمُ: أَيْنَ السَّيِّدِ أَمِينِ؟
- ١٦ - عَصَام: هُوَ فِي الْعُرْفَةِ.
- ١٧ - رَيْمُ: آه. إِلَى اللَّقَاءِ يَا بَابَا.
- ١٨ - عَصَام: إِلَى اللَّقَاءِ يَا رَيْمُ.
- [.....]
- ١٩ - عَصَام: مَا هَذَا؟
- ٢٠ - أَمِينُ: هَذَا دَلِيلُ الْمَدِينَةِ الْمُنَوَّرَةِ
- ٢١ - عَصَام: لَا. هَذَا دَلِيلُ جَدَّةٍ.
- ٢٢ - أَمِينُ: آسِيفُ.
- ٢٣ - عَصَام: آسِيفُ، آسِيفُ، أَيْنَ دَلِيلُ الْمَدِينَةِ الْمُنَوَّرَةِ؟

٢٤ - آمين: فِي الْعُرْفَةِ.

٢٥ - عِصَام: أَيْنَ فِي الْعُرْفَةِ؟

٢٦ - آمين: فِي الْحَقِيْبَةِ.

[.....]

٢٧ - آمين: هَذِهِ مَدِينَةٌ جَمِيْلَةٌ

٢٨ - عِصَام: نَعَمْ. وَمُهْمَةٌ أَيْضًا.

٢٩ - آمين: ذَلِكَ الْحَيُّ الْجَدِيدُ.

٣٠ - عِصَام: أَيْنَ؟

٣١ - آمين: هُنَاكَ.

٣٢ - عِصَام وَمَسْجِدُ الرَّسُولِ اللَّهِ (صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ) أَيْنَ هُوَ؟

٣٣ - آمين: هُنَاكَ، فِي الْحَيِّ الْقَدِيمِ.

[.....]

(إِلَى نُورٍ وَطَارِقٍ وَرِيمٍ)

السَّلَامُ عَلَيْكُمْ... أَنَا فِي الْمَدِينَةِ الْمُنَوَّرَةِ، وَهَذِهِ صُورَةُ مَسْجِدِ الرَّسُولِ (صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ)

[.....]

٣٤ - هَذِهِ خَرِيْطَةُ السَّعُوْدِيَّةِ.

٣٥ - رِيْم: السَّعُوْدِيَّةُ!؟

٣٦ - طَارِق: نَعَمْ. بَابًا وَالسَّيِّدِ آمِينَ فِي السَّعُوْدِيَّةِ.

٣٧ - رِيْم: لَا بَابًا فِي الْمَدِينَةِ الْمُنَوَّرَةِ.

٣٨ - طَارِق: وَالْمَدِينَةُ الْمُنَوَّرَةُ فِي السَّعُوْدِيَّةِ... هُنَا

ИККИНЧИ ДАРС

1. Нур: Алло!
2. Исом: Хайрли тонг! эй Нур.
3. Нур: Исом аҳволинг қандай?

4. Исом: Яхши, Аллоҳга ҳамд бўлсин, сенчи?
5. Нур: Аллоҳга ҳамд бўлсин. Сен қаердасан?
6. Исом: Мен Мадинаи мунавварадаги меҳмонхонадаман.
7. Нур: Аъло!... ана у Торик.
8. Торик: Ота!
9. Исом: Аҳволинг қандай эй Торик?
10. Торик: Мен яхшиман, Мадинаи мунаввара Расулуллоҳни (с.а.в.) шаҳарларими?
11. Исом: Ҳа, эй Торик сен яхши ўқувчисан.
12. Торик: Раҳмат эй отажон, мана Рим.
13. Рим: Ота, мен....ота. Мен ҳам яхши ўқувчиманми?
14. Исом: Ҳа эй маҳбубам.
15. Рим: Жаноб Амин қаерда?
16. Исом: У хонада.
17. Рим: Оҳ. Эй отажон кўришгунча.
18. Исом: Эй Рим кўришгунча
[.....]
19. Исом: Бу нима?
20. Амин: Бу Мадинаи мунаввара йўл кўрсаткичими?
21. Йўк, бу Жидда йўл кўрсаткичи.
22. Амин: Афсус.
23. Исом: Афсус, афсус. Мадинаи мунаввара йўл кўрсаткичи қаерда?
24. Амин: Хонада.
25. Исом: Хонани қаерида?
26. Амин: Сумкада.
[.....]
27. Амин: Бу чиройли шаҳар.
28. Исом: Ҳа Мадина муҳим шаҳарлардан.
29. Амин: Бу янги маҳалла.
30. Исом: Қаерда?
31. Амин: у ерда.

32. Исом: Расулуллоҳ (с.а.в.)нинг масжидлари қаерда?

33. Амин: у ерда, эски маҳаллада.

[.....]

Нур, Ториқ ва Рим! Ассалому алайкум... Мен Мадинаи мунавварадаман, мана бу Расулуллоҳ (с.а.в.) масжидларининг суратидир.

[.....]

34. Ториқ: Бу Саудиянинг харитасидир.

35. Рим: Саудия?!

36. Ториқ: Ҳа. отам ва жаноб Амин саудияда.

37. Рим: Йўқ отам Мадинаи мунавварада.

38. Ториқ: Мадинаи мунаввара Саудияда... шу ерда.

۳

الدَّرْسُ الثَّالِثُ

۱ - عَصَامُ: عَفْوًا!

۲ - يَاسِينَ: لَا عَلَيْكَ... صُورَةٌ جَمِيلَةٌ.

۳ - عَصَامُ: نَعَمْ. دُونَ شَيْءٍ.

۴ - يَاسِينَ: هَلْ أَنْتَ أَجَنَبِيٌّ؟

۵ - عَصَامُ: نَعَمْ.

۶ - يَاسِينَ: مِنْ أَيْنَ أَنْتَ؟

۷ - عَصَامُ: أَنَا مِنَ الْأُرْدُنِّ، وَأَنْتَ؟

۸ - يَاسِينَ: أَنَا مِنْ هُنَا. أَنَا سَعُودِيٌّ إِسْمِي يَاسِينَ.

۹ - عَصَامُ: تَشَرَّفْنَا، وَأَنَا عَصَامُ.

۱۰ - يَاسِينَ: أَهْلًا وَسَهْلًا هَلْ أَنْتَ وَحَدَّكَ هُنَا؟

- ١١ - عَصَامُ: لَا لَسْتُ وَخَدِي. أَنَا مَعَ صَدِيقِي.
- ١٢ - يَاسِينَ: أَيْنَ هُوَ؟
- ١٣ - عَصَامُ: هُنَاكَ... يَا أَمِينَ، تَعَالِ مِنْ فَضْلِكَ!
- ١٤ - يَاسِينَ: هَلْ ذَاكَ صَدِيقُكَ؟
- ١٥ - عَصَامُ: نَعَمْ... الْأَخِ أَمِينَ، هُوَ أَرْدُنِي أَيْضًا.
- ١٦ - يَاسِينَ: مَرَحَبًا يَا أَمِينَ، اسْمِي يَاسِينَ.
- ١٧ - أَمِينَ: تَشَرَّفْنَا يَا يَاسِينَ.
- ١٨ - يَاسِينَ: مَرَحَبًا بِكُمَا فِي السَّعُودِيَّةِ.
- ١٩ - أَمِينَ: شُكْرًا.
- ٢٠ - يَا يَاسِينَ! هَلْ أَنْتَ مُرَشِدٌ؟
- ٢١ - يَاسِينَ: لَا. وَلَكِنْ... لَمْ لَا؟! هَيَّا بِنَا.
- ٢٢ - أَمِينَ: إِلَى أَيْنَ؟
- ٢٣ - يَاسِينَ: إِلَى الْمِينَاءِ. إِلَى السُّوقِ... هَذِهِ مَدِينَةٌ مُهِمَّةٌ.
- [.....]
- ٢٤ - أَمِينَ: هَلْ هُنَاكَ مَطْعَمٌ فِي هَذَا الشَّارِعِ؟
- ٢٥ - يَاسِينَ: نَعَمْ. هُنَاكَ.
- ٢٦ - أَمِينَ: وَمَا مِهْنَتُكَ يَا يَاسِينَ؟
- ٢٧ - يَاسِينَ: أَنَا مُهَنْدِسٌ وَمُدِيرٌ شَرِكَةٍ.
- ٢٨ - أَمِينَ: شَرِكَةٌ؟!؟
- ٢٩ - يَاسِينَ: نَعَمْ شَرِكَةٌ نَفِطٍ فِي الدَّمَامِ.
- ٣٠ - النَّادِلُ: عَفْوًا... الْقَهْوَةُ، الشَّايُ وَالْمَاءُ.
- ٣١ - يَاسِينَ: سُكَّر. يَا أَمِينَ؟
- ٣٢ - أَمِينَ: لَا شُكْرًا.
- ٣٣ - يَاسِينَ: عَصَامُ؟

۳۴ - عَصَام: نَعَمْ، مِنْ فَضْلِكَ.

۳۵ - أَمِين: وَأَيْنَ الدَّمَامُ؟

۳۶ - يَاسِينَ: هَذِهِ خَرِيطَةُ الْمَمْلَكَةِ الْعَرَبِيَّةِ السُّعُودِيَّةِ هُنَا جَدَّةٌ وَهُنَا الدَّمَامُ، تَقْرِيْبًا.

۳۷ - عَصَام: وَكَيْفَ تَذْهَبُ مِنْ هُنَا إِلَى هُنَاكَ؟

۳۸ - يَاسِينَ: بِالطَّائِرَةِ.

УЧИНЧИ ДАРС

1. Исом: Узр.
2. Ёсин: Ҳечқиси йўқ, чиройли сурат.
3. Исом: Ҳа, шубҳасиз.
4. Ёсин: Сен чет элликмисан?
5. Исом: Ҳа!
6. Ёсин: Сен қаердансан?
7. Исом: Мен Иорданиядан, сенчи?
8. Ёсин: Мен бу ерликман, мен Саудияликман, исмим Ёсин.
9. Исом: Биз сендан жуда хурсандмиз. Менинг исмим Исом.
10. Ёсин: Хуш келибсиз, сиз бу ерда бир ўзингмисан?
11. Исом: Йўқ, бир ўзим эмасман, дўстим билан биргаман.
12. Ёсин: У қаерда?
13. Исом: У шу ерда, эй Амин, марҳамат қилиб келгин.
14. Ёсин: Шу дўстингми?
15. Исом: Ҳа жаноб Амин, у ҳам Иорданиялик.
16. Ёсин: Хуш келибсиз эй Амин, исмим Ёсин.
17. Амин: Бизни хурсанд қилдингиз эй Ёсин.
18. Ёсин: Саудияга хуш келибсиз.
19. Амин: Раҳмат
20. Амин: Эй Ёсин! Сен йўл кўрсатувчимисан?

21. Ёсин: Йўқ, лекин нима учун йўқ экан, қани юрингларчи?
22. Амин: Қаерга?
23. Ёсин: Порт ва бозорга, бу шаҳар аҳамиятлидир.
[.....]
24. Амин: Бу кўчада ошхона борми?
25. Ёсин: Ҳа ана у ерда.
26. Амин: Эй Ёсин касбинг нима?
27. Ёсин: Мен муҳандис ва ширкат бошлиғиман.
28. Амин: Ширкат?
29. Ёсин: Ҳа Даммом шаҳридаги нефт ширкатида.
30. Хизматкор: Кечирасиз! Кофе, чой ёки сув келтирайми?
31. Ёсин: Шакар эй Амин?
32. Амин: Йўқ раҳмат.
33. Ёсин: Исом?
34. Исом: Ҳа! Марҳамат.
35. Амин: Даммом қаерда?
36. Ёсин: Бу Саудия араб подшоҳлигининг харитасидир.
Бу ер Жидда шаҳридир. Ва мана бу ер тахминан Даммом шаҳридир.
37. Исом: Бу ердан у ерга қандай борилади?
38. Ёсин: Самалётда.

٤

الدَّرْسُ الرَّابِعُ

- ١ - أمين: أنتَ مُهَنْدِسٌ وَمُدِيرُ شَرِكَةِ طَيَّارَانِ.
- ٢ - ياسين: الهَنْدَسَةُ مِهْنَتِي وَالطَّيْرَانُ هَوَايَتِي.
- ٣ - أمين: هَلْ هَذِهِ طَائِرَتُكَ؟

- ٤ - نَعَمْ. هِيَ طَائِرَتِي وَطَائِرَةُ أُسْرَتِي.
- ٥ - عِصَام: وَهَلْ تَسْكُنُ مَعَ أُسْرَتِكَ؟
- ٦ - يَاسِينَ: أُسْرَتِي كَبِيرَةٌ وَأَنَا أُسْكُنُ مَعَ زَوْجَتِي وَابْنَتِي جَمِيلَةً وَابْنَتِي فَاطِمَةَ وَابْنَتِي صَبَاحَ فَقَطُّ.
- ٧ - أَمِينَ: فَقَطُّ!؟
- ٨ - يَاسِينَ: نَعَمْ. إِنِّي عُمُرٌ يَسْكُنُ وَيَعْمَلُ فِي الْبَحْرَيْنِ، هُوَ مُهَنْدِسٌ أَيْضًا، وَعَلَاءُ الدِّينِ طَيِّبٌ فِي الْكُوَيْتِ وَهُوَ مُتَزَوِّجٌ، وَعَلِيٌّ طَالِبٌ فِي لَنْدُن. هُوَ يَدْرُسُ عِلْمَ الْأَحْيَاءِ وَهُوَ عَازِبٌ.
- ٩ - عِصَام: هَذِهِ أُسْرَةٌ كَبِيرَةٌ فِعْلًا.
- ١٠ - يَاسِينَ: نَعَمْ. هَذِهِ صُورَةٌ عَلَيَّ فِي ...
- ١١ - أَمِينَ: مَاذَا يَخْدُثُ؟
- ١٢ - يَاسِينَ: لَا شَيْءَ. لَا وَفُودَ فِي الطَّائِرَةِ.
- ١٣ - أَمِينَ: لَا وَفُودَ فِي الطَّائِرَةِ هُوَ لَا شَيْءَ!!!؟ هَلْ أَنْتَ تَمْرُحُ؟
- ١٤ - يَاسِينَ: لَا، وَاللَّهِ.
- ١٥ - أَمِينَ: يَا لَطِيفُ! يَا لَطِيفُ! ...
- [.....]
- ١٦ - يَاسِينَ: هَلْ أَنْتَ بَحِيرٌ يَا أَمِينُ؟
- ١٧ - أَمِينَ: نَعَمْ.
- ١٨ - يَاسِينَ: وَأَنْتَ يَا عِصَامُ؟
- ١٩ - عِصَام: لَا بَأْسَ. وَأَنْتَ؟
- ٢٠ - يَاسِينَ: الْحَمْدُ لِلَّهِ. الْحَمْدُ لِلَّهِ.
- [.....]
- ٢١ - أَمِينَ: أَيْنَ نَحْنُ الْآنَ؟
- ٢٢ - يَاسِينَ: نَحْنُ فِي وَسْطِ الصَّحْرَاءِ.
- ٢٣ - أَمِينَ: وَإِلَى أَيْنَ نَذْهَبُ إِلَى الْيَمِينِ، إِلَى الْيَسَارِ، إِلَى الْأَمَامِ... مَا ذَاكَ؟
- ٢٤ - عِصَام: أَيْنَ؟

- ۲۵ - أمين: هُنَاكَ.
- ۲۶ - ياسين: تِلْكَ قَافِلَةٌ جَمَالٍ. هَيَّا بِنَا!
- [.....]
- ۲۷ - طارق: مِنْ أَيْنَ هَذِهِ الصُّورَةُ؟
- ۲۸ - نور: مِنْ صَحْرَاءِ الدَّمَامِ.
- ۲۹ - طارق: وَأَيْنَ صَحْرَاءِ الدَّمَامِ؟
- ۳۰ - نور: هَاتِ خَرِيطَةَ السَّعُودِيَّةِ.
- ۳۱ - طارق: هَا هِيَ.
- ۳۲ - نور: الدَّمَامُ... أَنْظُرْ! صَحْرَاءُ الدَّمَامِ... هُنَا.
- ۳۳ - ريم: هَذَا بَابَا. وَهَذَا الرَّجُلُ الْمَوْسَخُ، مَنْ هُوَ؟
- ۳۴ - طارق: أَيْنَ؟
- ۳۵ - ريم: فَوْقَ الْجَمَلِ.
- ۳۶ - نور: ذَلِكَ أَمِين.
- ۳۷ - ريم: أَنْظُرْ كَيْفَ يَزْكَبُ يَا طَارِقُ.
- ۳۸ - طارق: يَزْكَبُ بِالْمَقْلُوبِ.
- ۳۹ - ريم: هَذِهِ صُورَةٌ مُضْحِكَةٌ.

تۇرتинчи дарс

1. أمين: Сен муҳандис, ширкат ва тайёрагоҳ бошлиғимисан?
2. Ёсин: Муҳандислик касбим, учувчилик ишқибозлигим.
3. أمين: Бу сени самалётингми?
4. Ёсин: Ҳа бу менинг ва оиламни самалёти.
5. أمين: Оиланг билан турасанми?
6. Ёсин: Оилам катта. Мен хотиним, қизим Жамила, қизим Фотима ва қизим Сабоҳ билан яшайман.

7. Амин: Фақат фақат?
8. Ёсин: Ҳа, ўғлим Умар Баҳрайнда яшайди ва ишлайди. У ҳам муҳандис. Алоуддин Қувайтда табиб, оилали. Али Лондонда студент. У биология фани бўйича таҳсил олади, уйланмаган.
9. Исом: Ҳақиқатда бу оила катта экан.
10. Ёсин: Ҳа бу Алинингдаги сурати.
11. Амин: Нима бўляпти?
12. Ёсин: Ҳеч нарса, фақат самалёт ёқилғиси йўқ.
13. Амин: Самалётда ёқилғи йўқлиги ҳеч нарса эмасми? Сен мазаҳ қиляпсанми?
14. Ёсин: Йўқ, Аллоҳ номи билан қасам ичаман.
15. Амин: Ё Латиф, Ё Латиф.
[.....]
16. Ёсин: Эй Амин сен яхшимисан?
17. Амин: Ҳа.
18. Ёсин: Сенчи эй Исом?
19. Исом: Ҳечқиси йўқ. Сенчи?
20. Ёсин: Алҳамдулиллаҳ, Алҳамдулиллаҳ.
[.....]
21. Амин: Ҳозир биз қаердамиз?
22. Ёсин: Биз саҳро ўртасидамиз.
23. Амин: Қайси томонга борамиз, ўнгами, чапгами, олдингами?.....қаерга?
24. Исом: Қаерга?
25. Амин: у ерга.
26. Ёсин: Бу туялар карвони, қани кетдик.
[.....]
27. Торик: Бу сурат қаердан (жўнатилган).
28. Нур: Даммом саҳросидан.
29. Торик: Даммом саҳроси қаерда?
30. Нур: Саудия харитасини келтир.

31. Торик: Мана у.
32. Нур: Даммом.... Қарагин! Даммом саҳроси...бу ерда.
33. Рим: Бу отам, мана бу ифлос, кир киши ўзи ким?
34. Торик: Қаерда?
35. Рим: Туя устида?
36. Нур: Бу Аминку?
37. Рим: Қарагин эй Торик! У қандай минмоқда?
38. Торик: У тескари миниб олган.
39. Рим. Бу кулгили сурат.

۵

الدَّرْسُ الْخَامِسُ

- ۱ - عَصَامُ: هَا نَحْنُ فِي الْحَيِّ الْقَدِيمِ.
- ۲ - أَمِينُ: هَذَا حَيٌّ مُزْدَحِمٌ.
- ۳ - عَصَامُ: دُونَ شَلِكٍ.
- ۴ - أَمِينُ: وَأَيْنَ دُكَّانُ صَدِيقِكَ؟
- ۵ - عَصَامُ: هَذَا رَقْمٌ تِسْعَةٌ، وَهَذَا أَحَدٌ عَشَرَ، الثَّلَاثُ عَشَرَ هُنَا.
- ۶ - عَصَامُ: السَّلَامُ عَلَيْكُمْ.
- ۷ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: وَعَلَيْكُمْ السَّلَامُ.
- ۸ - عَصَامُ: السَّيِّدُ رِضْوَانٌ مِنْ فَضْلِكَ.
- ۹ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: السَّيِّدُ رِضْوَانٌ لَا يَعْمَلُ هُنَا الْآنَ.
- ۱۰ - عَصَامُ: وَأَيْنَ هُوَ؟
- ۱۱ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: هُوَ يَعْمَلُ فِي دُكَّانٍ آخَرَ.
- ۱۲ - عَصَامُ: وَأَيْنَ هَذَا الدُّكَّانُ؟
- ۱۳ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: هُوَ دُكَّانٌ كَبِيرٌ قُرْبَ الْمَسْجِدِ الْأَقْصَى.

- ١٤ - عِصَامُ: وَكَيْفَ أَذْهَبُ إِلَى هُنَاكَ؟
- ١٥ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: إِذْهَبْ إِلَى الْيَمِينِ، وَفِي مُنْتَصَفِ الشَّارِعِ إِلَى الْيَسَارِ، هُنَاكَ دُكَّانُ السَّيِّدِ رِضْوَانَ، جَانِبَ الْبَنْكِ.
- ١٦ - عِصَامُ: شُكْرًا جَزِيلًا.
- ١٧ - صَاحِبُ الدُّكَّانِ: عَفْوًا.
- ١٨ - عِصَامُ: هَيَّا بِنَا يَا أَمِينَ.
- [.....]
- ١٩ - عِصَامُ: رِضْوَانَ.
- ٢٠ - رِضْوَانَ: عِصَامُ! كَيْفَ الْحَالُ؟
- ٢١ - عِصَامُ: بِخَيْرٍ. الْحَمْدُ لِلَّهِ. وَأَنْتَ كَيْفَ حَالُكَ؟
- ٢٢ - رِضْوَانَ: الْحَمْدُ لِلَّهِ. تَفَضَّلْ، تَفَضَّلْ، مَرَحَبًا.
- ٢٣ - عِصَامُ: هَذَا أَمِينَ.
- ٢٤ - رِضْوَانَ: أَهْلًا وَسَهْلًا.
- ٢٥ - أَمِينَ: تَشْرَفْنَا.
- ٢٦ - رِضْوَانَ: كَيْفَ حَالُ الْعَائِلَةِ؟
- ٢٧ - عِصَامُ: هِيَ بِخَيْرٍ أَيْضًا.
- ٢٨ - رِضْوَانَ: الْحَمْدُ لِلَّهِ... هَلْ تَشْرَبُ شَيْئًا؟
- ٢٩ - عِصَامُ: لَمْ لَا؟! شَايَا مِنْ فَضْلِكَ.
- ٣٠ - رِضْوَانَ: وَأَنْتَ يَا أَمِينَ؟
- ٣١ - أَمِينَ: أَنَا أَيْضًا.
- ٣٢ - رِضْوَانَ: حَاضِرٌ...
- ٣٣ - عِصَامُ: يَا رِضْوَانَ، هَلْ عِنْدَكَ سَجَّادَةٌ صَغِيرَةٌ؟
- ٣٤ - رِضْوَانَ: طَبَعًا... مَا رَأَيْتُكَ فِي هَذِهِ؟
- ٣٥ - عِصَامُ: هِيَ جَمِيلَةٌ جِدًّا. مَا تَمْنَّهَا؟

۳۶ - رِضْوَان: لَا، وَاللَّهِ. هِيَ هَدِيَّةٌ مِنْ صَدِيقٍ إِلَى صَدِيقٍ، وَأَنْتَ صَدِيقِي أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟

۳۷ - عِصَام: أَنْتَ عَلَى حَقِّ. بَارَكَ اللَّهُ فِيكَ.

۳۸ - أَمِين: أَنْظُرْ يَا عِصَامُ! مَا رَأَيْكَ فِي هَذَا الْفَانُوسِ؟

۳۹ - عِصَام: هُوَ فَانُوسٌ جَمِيلٌ جِدًّا.

۴۰ - أَمِين: نَعَمْ. أَنْتَ عَلَى حَقِّ.

[.....]

۴۱ - طَارِقُ: يَرْكَبُ عَلَاءُ الدِّينِ سَجَّادَةً، وَتَطِيرُ السَّجَّادَةُ مِنْ سَمَاءِ الْهِنْدِ إِلَى سَمَاءِ الصِّينِ...

[.....]

۴۲ - طَارِقُ: مَا ذَاكَ يَا مَامَا؟

۴۳ - نور: هَذِهِ سَجَّادَةٌ.

۴۴ - رِيم: سَجَّادَةٌ؟! هَلْ تَطِيرُ؟

۴۵ - طَارِقُ: أَنْظُرِي يَا رِيم. تِلْكَ مَدِينَةُ الْقُدْسِ.

۴۶ - رِيم: وَأَيْنَ بَابَا وَالسَّيِّدِ أَمِين؟

БЕШИНЧИ ДАРС

1. Исом: Биз қадимий маҳалладамиз.
2. Амин: Бу тиқилинч маҳалла экан.
3. Исом: Шак шубҳасиз.
4. Амин: Дўстингни дўкони қаерда?
5. Исом: Бу тўққиз рақами, бу ерда ўн бир, бу ерда ўн учинчи.
6. Исом: Ассалому алайкум.
7. Дўкон эгаси: Ва алайкум ассалом, марҳабо.
8. Исом: Жаноб Ризвон марҳамат.
9. Дўкон эгаси: Жаноб Ризвон ҳозир бу ерда ишламайди.
10. Исом: У қаерда?
11. Дўкон эгаси: У бошқа дўконда ишлайди.
12. Исом: У дўкон қаерда?

13. Дўкон эгаси: Ақсо масжиди яқинидаги катта дўкон.
14. Исом: У ерга қандай бораман.
15. Дўкон эгаси: Ўнгга юр, кўчани ярмида чапга бурилсан. У ерда банкни ёнида жаноб Ризвонни дўкони.
16. Исом: Катта раҳмат.
17. Дўкон эгаси: арзимаиди.
18. Исом: Эй Амин кетдик.
- [.....]
19. Исом: Ризвон
20. Ризвон: Исом! Аҳволинг қандай?
21. Исом: Яхши Алҳамдулиллаҳ. Сенинг аҳволинг қандай?
22. Ризвон: Алҳамдулиллаҳ. Марҳамат қилинг, марҳамат қилинг, марҳабо.
23. Исом: Бу Амин.
24. Ризвон: Хуш келибсиз.
25. Амин: Бизни жуда хурсанд қилдингиз.
26. Ризвон: Оилангиз аҳволи қандай?
27. Исом: Яхши.
28. Ризвон: Алҳамдулиллаҳ... бирор нарса ичасанми?
29. Исом: Йўқ демайман! Марҳамат қилиб чой (тайёрланг)
30. Ризвон: Сенчи эй Амин?
31. Амин: Мен ҳам.
32. Ризвон: Ҳозир...
33. Исом: Эй Ризвон, сенда кичик жойнамоз борми?
34. Ризвон: Албатта... Бу ҳақда фикринг қандай?
35. Исом: У жуда чиройли. Нархи қандай?
36. Ризвон: Йўқ Аллоҳ номига қасам. У дўстдан дўстга совғадир. Сен дўстимсан шундоқ эмасми?
37. Исом: Сен ҳақсан, Аллоҳ сенга барака ато қилсин.
38. Амин: Эй Исом қара! Мана бу чирокқа фикринг қандай?
39. Исом: Бу жуда чиройли чирок.
40. Амин: Ҳа сен ҳақсан.

[.....]

41. Торик: Алоуддин гиламчани миниб олиб Ҳинд осмонидан Хитой осмонига учиб бормоқда.

[.....]

42. Торик: Эй онажон бу нима?

43. Нур: Бу гиламча.

44. Рим: Гиламча!? У учади ми?

45. Торик: Қарагин эй Рим. Мана бу Қуддус шаҳри.

46. Рим: Отам ва жаноб Амин қаерда?

٦

الدرس السادس

١ - أمين: عَجِيبٌ، أليس كذلك؟! ... نحنُ أمامَ التاريخِ.

٢ - عصام: رائعٌ!

٣ - المرشدُ: ما مهنتُكما؟

٤ - عصام: نحنُ صحفيّانِ.

٥ - المرشدُ: هل تَعْمَلانِ في صحيفَةٍ؟

٦ - عصام: نعم.

٧ - المرشدُ: ومن أين أنتمما؟

٨ - عصام: نحنُ منَ عمانِ.

٩ - المرشدُ: وماذا تَعْمَلانِ في القاهرة؟

١٠ - عصام: نحنُ نَعُدُّ استطلاعاتًا.

١١ - المرشدُ: استطلاعاتًا.

١٢ - عصام: نعم. نريدُ أن نكتبَ كتابًا.

١٣ - أمين: أنظرُ يا عصام!

- ١٤ - عِصَام: مَاذَا؟
- ١٥ - أَمِين: الْكِتَابَةُ الْهَيْرُوعْلِيْفِيَّةُ.
- ١٦ - عِصَام: هَلْ تَفْهَمُ شَيْئًا؟
- ١٧ - أَمِين: لَا، لَا أَفْهَمُ شَيْئًا.
- ١٨ - الْمُرْشِدُ: هَذَا كَلْبٌ، وَهَذِهِ حَيَّةٌ، وَهَذَا طَائِرٌ، وَهَذَا بَابٌ.
- ١٩ - أَمِين: مِنْ فَضْلِكَ أُرِيدُ أَنْ أَكْتُبَ هَذَا.
- ٢٠ - عِصَام: وَأَنَا أُرِيدُ أَنْ أُصَوِّرَ الْكِتَابَةَ.
- ٢١ - الْمُرْشِدُ: تَفَضَّلَا.
- ٢٢ - أَمِين: مَاذَا خَلَفَ هَذَا الْبَابِ؟
- ٢٣ - الْمُرْشِدُ: هُنَاكَ قَاعَةٌ.
- ٢٤ - أَمِين: أُرِيدُ أَنْ أَدْخُلَ إِلَى هَذِهِ الْقَاعَةِ.
- ٢٥ - عِصَام: وَأَنَا أَيْضًا.
- ٢٦ - الْمُرْشِدُ: أَنَا آسِفٌ. أَنَا لَا أَدْخُلُ إِلَى هُنَاكَ أَبَدًا.
- ٢٧ - عِصَام: لَمْ لَا، أَنَا أُرِيدُ أَنْ أَزُورَ هَذِهِ الْقَاعَةَ وَصَدِيقِي أَيْضًا.
- ٢٨ - الْمُرْشِدُ: لَا، هَذَا مُسْتَحِيلٌ!
- [.....]
- ٢٩ - طَارِق: مِنْ فَضْلِكَ يَا جَيِّ.
- ٣٠ - الْجَيِّ: هَلْ أَنْتَ مَجْنُونٌ؟
- ٣١ - طَارِق: لَا، أَنَا لَسْتُ مَجْنُونًا، أُرِيدُ أَنْ أَزُورَ هَذِهِ الْقَاعَةَ فَقَطُّ.
- ٣٢ - الْجَيِّ: هَذَا مُسْتَحِيلٌ.
- ٣٣ - طَارِق: أَرْجُوكَ.
- ٣٤ - الْجَيِّ: هَذَا مُسْتَحِيلٌ.
- ٣٥ - طَارِق: هَذَا أَمْرٌ يَا جَيِّ.
- ٣٦ - الْجَيِّ: أَمْرِي لِلَّهِ. أَدْخُلْ.

- ۳۷ - طَارِقٌ: يَا جِيّ!
- ۳۸ - الْجِيّ: مَاذَا تُرِيدُ الْآنَ؟
- ۳۹ - طَارِقٌ: أُرِيدُ أَنْ أُخْرِجَ.
- ۴۰ - الْجِيّ: مَاذَا تَقُولُ؟
- ۴۱ - طَارِقٌ: أُرِيدُ أَنْ أُخْرِجَ.
- ۴۲ - الْجِيّ: وَلِمَاذَا تُرِيدُ أَنْ تُخْرِجَ؟
- ۴۳ - طَارِقٌ: أَنَا خَائِفٌ.
- ۴۴ - الْجِيّ: خَائِفٌ؟! أَنْتَ خَائِفٌ?!
- ۴۵ - طَارِقٌ: نَعَمْ. أَرْجُوكَ يَا جِيّ.
- ۴۶ - الْجِيّ: طَيِّبٌ. أُخْرِجْ.
- [.....]
- ۴۷ - نور: مَاذَا تَفْعَلُ يَا طَارِقٌ؟
- ۴۸ - طَارِقٌ: لَا شَيْءَ. أَنْظُرْ إِلَى صُورَةِ الْهَرَمِ.
- ۴۹ - نور: وَالتَّمْرَيْنِ؟
- ۵۰ - طَارِقٌ: التَّمْرَيْنِ?!
- ۵۱ - نور: نَعَمْ. هَذَا التَّمْرَيْنِ يَا طَارِقُ!

ОЛТИНЧИ ДАРС

1. Амин: Ажойиб, шундай эмасми!? Биз тарих олдидамиз.
2. Исом: Ажойиб!
3. Йўл кўрсатувчи: Касбингиз нима?
4. Исом: Бизлар мухбирлармиз.
5. Йўл кўрсатувчи: Газетада ишлайсизларми?
6. Исом: Ҳа.
7. Йўл кўрсатувчи: Сизлар қаердансизлар?

8. Исом: Биз Аммонданмиз.
9. Йўл кўрсатувчи: Қоҳирада нима қиляпсиз?
10. Исом: Бизлар изланишга тайёргарлик кўряпмиз.
11. Йўл кўрсатувчи: Изланиш.
12. Исом: Ҳа, биз китоб ёзишни хоҳлаймиз.
13. Амин: Қарагин эй Исом!
14. Исом: Нима?
15. Амин: Иероглифлар ёзуви.
16. Исом: Ҳеч нарса тушуняпсанми?
17. Амин: Йўқ. Ҳеч нарса тушунмаяпман.
18. Йўл кўрсатувчи: Бу ит, бу илон, бу қуш ва бу эшик.
19. Амин: Марҳамат мен буни ёзишни хоҳлайман.
20. Амин: Мен эса ёзувни суратга туширишни хоҳлайман.
21. Йўл кўрсатувчи: Марҳамат қилинглари.
22. Амин: Бу эшик ортида нима бор?
23. Йўл кўрсатувчи: у ерда зал.
24. Амин: Бу залга киришни хоҳлайман.
25. Исом: Мен ҳам.
26. Йўл кўрсатувчи: Афсус мен у ерга ҳеч ҳам кира олмайман.
27. Исом: Нима учун йўқ экан, мен бу зални зиёрат қилишни хоҳлайман ва дўстим ҳам.
28. Йўл кўрсатувчи: Йўқ бу мумкин эмас.
[.....]
29. Торик: Эй жин марҳамат қил.
30. Жин: Сен жиннимисан?
31. Торик: Йўқ мен жинни эмасман, фақат бу залга киришни хоҳлайман.
32. Жин: Бу мумкин эмас.
33. Торик: Илтимос.
34. Жин: Бу мумкин эмас.
35. Торик: Бу буйруқ эй жин.
36. Жин: Буйруғим Аллоҳ учун. Кир.

37. Ториқ: Эй жин!
 38. Жин: Ҳозир нима хоҳлайсан?
 39. Ториқ: Чикмоқчиман.
 40. Жин: Нима деяпсан?
 41. Ториқ: Чикмоқчиман.
 42. Жин: Нима учун чиқишни хоҳлайсан.
 43. Ториқ: Мен қўрқаяпман.
 44. Жин: Қўрқаяпман? Сен қўрқаяпсанми!?
 45. Ториқ: Ҳа илтимос эй жин.
 46. Жин: Яхши чиқ.
 [.....]
 47. Нур: Эй Ториқ нима қиляпсан?
 48. Ториқ: Ҳеч нарса. Эҳром суратига қара.
 49. Нур: Машқ?
 50. Ториқ: Машқ!?
 51. Нур: Ҳа. Эй Ториқ! Бу машқ.

۷

الدرس السابع

- ۱ - ريم: مَاذَا تَفْعَلُ يَا طَارِقُ؟
 ۲ - طَارِق: أُرَتِّبُ الصُّوَرَ فِي الْأَلْبُومِ.
 أَنْظُرِي هَذَا "أَبُو الْهَوْلِ"
 ۳ - ريم: مَاذَا؟ أَبُو مَنْ؟
 ۴ - طَارِق: لَا يَا ريم: هُوَ لَيْسَ أَبًا.
 إِسْمُهُ "أَبُو الْهَوْلِ"
 ۵ - ريم: أُرِيدُ وَرَقَةً. هَلْ عِنْدَكَ وَرَقَةٌ؟

- ٦ - طَارِق: نَعَمْ. خُذِي وَرَقَةً.
- ٧ - ريم: وَأُرِيدُ قَلَمًا أَيْضًا.
- ٨ - طَارِق: لِمَاذَا تُرِيدِينَ قَلَمًا؟
- ٩ - ريم: لِأَرْسِمَ.
- ١٠ - طَارِق: هَلْ تُرِيدِينَ أَنْ تَرَسِمِي هَرَمًا.
- ١١ - ريم: لَا أَفْضِلُ أَنْ أَرْسِمَ جَمَلًا.
- ١٢ - طَارِق: خُذِي الْقَلَمَ. وَالآنَ دَعِينِي. أُرِيدُ أَنْ أُلْصِقَ الصُّورَ فِي الْأَلْبُومِ.
- ١٣ - ريم: يَا طَارِق!
- ١٤ - طَارِق: وَالآنَ مَاذَا تُرِيدِينَ؟
- ١٥ - ريم: مَا اسْمُ هَذَا؟
- ١٦ - طَارِق: ذَلِكَ سَنَامٌ.
- ١٧ - نور: أَنْتُمَا مَاذَا تَفْعَلَانِ؟
- ١٨ - طَارِق: أَنَا أَرْتَبُ الْأَلْبُومَ.
- ١٩ - ريم: وَأَنَا أَرْسِمُ جَمَلًا.
- ٢٠ - نور: هَيَّا بِنَا جَمِيعًا إِلَى عُرْفَةِ الْجُلُوسِ.
- ٢١ - طَارِق: لِمَاذَا؟ أَنَا مُرْتَاخٌ هُنَا.
- ٢٢ - ريم: وَأَنَا أَيْضًا.
- ٢٣ - نور: أَنْظُرَا مَنْ فِي عُرْفَةِ الْجُلُوسِ.
- ٢٤ - طَارِق: جَدِّي!
- ٢٥ - ريم: جَدِّي!
- ٢٦ - الجُدُّ: ريم، طَارِق! كَيْفَ حَالُكُمَا؟ اجْلِسَا جَانِبِي.
- ٢٧ - نور: هَلْ تُرِيدُونَ شَيْئًا؟
- ٢٨ - ريم: أَنَا أَفْضِلُ عَصِيرًا يَا مَامَا.
- ٢٩ - الجُدُّ: مَا هَذَا الْكِتَابُ يَا طَارِق؟

- ۳۰ - طَارِق: هَذَا لَيْسَ كِتَابًا. هَذَا الْيَوْمُ.
- ۳۱ - الْجَدُّ: آه! عَفْوًا.
- ۳۲ - طَارِق: أَنْظُرْ يَا جَدِّي. أَنْظُرْ هَذَا "أَبُو الْهَوْلِ"
- ۳۳ - رِيْم: هُوَ لَيْسَ أَبًا. اسْمُهُ "أَبُو الْهَوْلِ"
- ۳۴ - الْجَدُّ: أَجَلْ، أَنْتِ عَلَيَّ حَقٌّ.
- ۳۵ - طَارِق: وَهَذَا جَامِعُ الْأَزْهَرِ... وَهَذَا نَهْرُ النَّيْلِ، الْأَهْرَامُ... الْقَاهِرَةُ...
- [.....]
- ۳۶ - أَمِين: أَلُو!
- ۳۷ - النَّاشِرُ: ...
- ۳۸ - أَمِين: يَا عِصَامُ... النَّاشِرُ.
- ۳۹ - النَّاشِرُ: ...
- ۴۰ - عِصَام: نَحْنُ فِي مَطَارِ الْقَاهِرَةِ.
- ۴۱ - النَّاشِرُ: ...
- ۴۲ - عِصَام: إِلَى تُونِسَ.
- ۴۳ - النَّاشِرُ: ...
- ۴۴ - عِصَام: لِرِيَاةِ صَدِيقِي هُنَاكَ.
- ۴۵ - النَّاشِرُ: ...
- ۴۶ - عِصَام: لَا، هُوَ صَدِيقُ أَمِينِ.
- ۴۷ - النَّاشِرُ: ...
- ۴۸ - عِصَام: شُكْرًا. إِلَى اللَّقَاءِ.

ЕТТИНЧИ ДАРС

1. Рим: Эй Торик нима қиялпсан?
2. Торик: Албомдаги суратларни тартибга солялпман. Қарагин бу «Сфинкс».

3. Рим: Нима дединг? Сфинкс...?
4. Торик: Йўқ эй Рим, у Сфинкс (ота) эмас. Унинг исми Сфинкс.
5. Рим: Менга варақ керак, сенда варақ борми?
6. Торик: Ҳа, варақни ол.
7. Рим: Қаламни ҳам хоҳлайман.
8. Торик: Нима учун қаламни хоҳлайсан.
9. Рим: Расм чизиш учун.
10. Торик: Эҳром расмини чизишни хоҳлайсанми?
11. Рим: Йўқ туя чизишни хоҳлайман.
12. Торик: Қаламни олгинда, мени тинч қўй. Мен албомга суратлар ёпиштиришни хоҳлайман.
13. Рим: Эй Торик!
14. Торик: Ҳозир нима хоҳлайсан?
15. Рим: Бунинг исми нима?
16. Торик: Бу ўркак.
17. Нур: Нима қияпсизлар?
18. Торик: Мен албомни тартибга соляпман.
19. Рим: Мен туя расмини чизмоқчиман.
20. Нур: Қани келинглари, барчамиз меҳмонхонага борамиз.
21. Торик: Нима учун? Мен бу ерда ҳам роҳатланиб турибман.
22. Рим: Мен ҳам.
23. Нур: Қаранглари меҳмонхонада ким?
24. Торик: Бобом!
25. Рим: Бобом!
26. Бобо: Рим, Торик! Аҳволларингиз қандай? Ёнимга ўтиринглари.
27. Нур: Чой хоҳлайсизларми?
28. Рим: Мен шарбатни афзал кўраман эй она!
29. Бобо: Эй Торик, бу қандай китоб?
30. Торик: Бу китоб эмас, бу албом.
31. Бобо: Оҳ! Узр.

32. Торик: Қаранг эй бобо. Қаранг бу Сфинкс.
 33. Рим: Бу ота эмас, унинг исми Сфинксдир.
 34. Бобо: Сен ҳақсан.
 35. Торик: Бу Азҳар университети...бу ердан нил дарёси, эҳром...Қоҳира...
 [.....]
 36. Амин: Алло!
 37. Ношир: ...
 38. Амин: Эй Исом...Ношир.
 39. Ношир...
 40. Исом: Биз Қоҳира тайёрагоҳидамиз.
 41. Ношир: ...
 42. Исом: Тунисга.
 43. Ношир: ...
 44. Исом: У ердаги дўстни зиёратига.
 45. Ношир: ...
 46. Исом: Йўқ. У Аминни дўсти.
 47. Ношир: ...
 48. Исом: Раҳмат. Кўришгунча.

۸

الدرس الثامن

- ۱ - يوسف: مَرَحَبًا، أَهْلًا وَسَهْلًا نَفَضًا أُدْخَلًا.
 ۲ - أمين: كَيْفَ حَالُكَ يَا يُوسُفُ؟
 ۳ - يوسف: أَنَا عَلَى أَحْسَنِ مَا يُرَامُ، الْحَمْدُ لِلَّهِ.
 ۴ - أمين: أَقَدِّمُ لَكَ زَمِيلِي وَصَدِيقِي عِصَامَ.
 ۵ - يوسف: أَنَا سَعِيدٌ بِمَعْرِفَتِكَ.
 ۶ - عصام: وَأَنَا أَيْضًا سَعِيدٌ بِمَعْرِفَتِكَ.

- ٧ - يوسف: اِجْلِسَا مِنْ فَضْلِكُمَا. الْبَيْتُ بَيْنَكُمَا.
- ٨ - عصام: صَدِيقُكَ رَجُلٌ طَيِّبٌ.
- ٩ - أمين: أَنْتَ عَلَيَّ حَقٌّ.
- ١٠ - عَصَام: وَعِنْدَهُ بَيْتٌ جَمِيلٌ.
- ١١ - أمين: نَعَمْ، ذَوْقُهُ سَلِيمٌ.
- ١٢ - يوسف: تَفَضَّلَا كَأْسُ شَايٍ.
- ١٣ - أمين: مَا أَخْبَارُكَ يَا يُوسُفُ؟
- ١٤ - يوسف: أَعْمَلُ فِي جَامِعَةِ الرِّيُّونَةِ... هَيَّا بِنَا إِلَى عُرْفَةِ الْآلَاتِ.
- ١٥ - عصام: رَائِعٌ هَذِهِ مَجْمُوعَةٌ مُهِمَّةٌ.
- ١٦ - يوسف: عِنْدِي صَدِيقٌ مُوسِيقِيٌّ فِي فَاسٍ، وَأَحْيَانًا يُرْسِلُ لِي آلَةً أَوْ شَرِيطًا وَالآنَ هَيَّا بِنَا إِلَى قَاعَةِ الْجُلُوسِ وَعِنْدِي هُنَاكَ مُوسِيقَى أُنْدَلَسِيَّةٌ مُتَّازَةٌ.
- ١٧ - عصام: يَا أَمِينُ، هَلْ نَذْهَبُ إِلَى الْفُنْدُقِ؟ أُرِيدُ أَنْ أُنَامَ.
- ١٨ - أمين: طَيِّبٌ هَيَّا بِنَا!
- ١٩ - عصام: شُكْرًا جَزِيلًا يَا يُوسُفُ.
- ٢٠ - أمين: نَعَمْ شُكْرًا جَزِيلًا.
- ٢١ - يوسف: الْعَفْوُ. مَرَحَبًا بِكُمَا دَائِمًا. هَذَا عُنْوَانُ صَدِيقِي فِي فَاسٍ.
- ٢٢ - أمين: إِلَى اللَّقَاءِ.
- ٢٣ - يوسف: مَعَ السَّلَامَةِ.
- [.....]
- ٢٤ - عصام: مَسَاءُ الْحَيْرِ يَا نُورَ.
- ٢٥ - نور: مَسَاءُ النُّورِ، كَيْفَ الْحَالُ؟
- ٢٦ - عصام: عَلَيَّ أَحْسَنُ حَالٍ أَيْنَ رِيمَ وَطَارِقَ؟
- ٢٧ - نور: هُمَا نَائِمَانِ.
- ٢٨ - عصام: آه... طَبْعًا، غَدًا سَأُرْسِلُ لَكَ طَرْدًا.

۲۹ - نور: طَرَدًا!

۳۰ - عصام: نَعَمْ. طَرَدًا فِيهِ صُورٌ.

۳۱ - نور: طَارِقٌ سَعِيدٌ بِصُورِ مِصْرَ. أَيْنَ أَنْتُمْ الْآنَ؟

۳۲ - عصام: نَحْنُ فِي تُونِسَ. أَنَا وَأَمِينٌ فِي مَطْعَمٍ. الْآنَ سَنَذْهَبُ إِلَى الْفُنْدُقِ.

۳۳ - نور: طَيِّبٌ.

عصام: إِلَى اللَّقَاءِ يَا نُوْرُ.

۳۵ - نور: لَيْلَةٌ سَعِيدَةٌ.

САККИЗИНЧИ ДАРС

1. Юсуф: Марҳабо, хуш келибсиз, марҳамат киринглар.
2. Амин: Аҳволинг қандай эй Юсуф?
3. Юсуф: Мен кўнгилдагидек яхшиман, Алҳамдулиллаҳ.
4. Амин: Сенга ҳамкасбим ва дўстим Исомни таништираман.
5. Юсуф: Мен танишганимдан бахтиёрман.
6. Исом: Мен ҳам сен билан танишганимдан хурсандман.
7. Юсуф: Марҳамат, ўтиринглар, уй сизларни ҳам уйингиздир.
8. Исом: Дўстинг яхши киши экан.
9. Амин: Сен ҳақсан.
10. Исом: Уни чиройли уйи бор.
11. Амин: Ҳа, унинг диди яхши.
12. Юсуф: Марҳамат қилинглар, бир пиёла чой.
13. Амин: Эй Юсуф қандай хабарлар бор?
14. Юсуф: Зайтуна университетидеда ишлайман, кетдик асбоб-ускуналар хонасига борамиз.
15. Исом: Ажойиб! Бу мажмуъа муҳимдир.
16. Юсуф: Фас шаҳрида менинг мусиқачи бир дўстим бор. Гоҳида менга чолғу асбоб ёки касеталар жўнатади. Ҳозир меҳмонхонага борамиз, у ерда Андалусча мумтоз мусиқа бор.

17. Исом: Эй Амин, меҳмонхонага борамизми? Мен ухлашни хоҳлайман.
18. Амин: Яхши кетдик!
19. Исом: Эй Юсуф катта раҳмат.
20. Амин: Ҳа, катта раҳмат.
21. Юсуф: Афв этинг, тез-тез (келиб турунглари), мархабо бу Фасдаги дўстимни адреси.
22. Амин: Кўришгунча.
23. Юсуф: Хайр, саломат бўлинг.
[.....]
24. Исом: Тунингиз хайрли бўлсин эй Нур.
25. Нур: Хайрли тун, аҳволингиз қандай?
26. Исом: Яхши қолинг. Рим ва Ториқ қаерда?
27. Нур: Икковлари ухлашмоқда.
28. Исом: Оҳ...албатта эртага сенга посилка юбораман.
29. Нур: Посилка!
30. Исом: Ҳа. Сурати бор посилка.
31. Нур: Ториқ Миср сурати билан ўзини бахтиёр ҳис қилмоқда. Ҳозир сизлар қаердасизлар?
32. Исом: Биз Тунисдамиз. Мен ва Амин ошхонадамиз. Ҳозир меҳмонхонага борамиз.
33. Нур: Яхши.
34. Исом: Кўришгунча эй Нур.
35. Нур: Хайрли кеч.

۹

الدرس التاسع

۱ - أمين: سَنَنْتَظِرُ صَدِيقَ يُوْسُفَ هُنَا.

- ٢ - عصام: هَلْ أَنْتَ مُتَأَكِّدُ مِنْ مَكَانِ الْمَوْعِدِ؟
- ٣ - أمين: نَعَمْ.
- ٤ - عصام: وَكَيْفَ سَنَعْرِفُهُ بَيْنَ كُلِّ النَّاسِ؟
- ٥ - أمين: لَا أَدْرِي.
- ٦ - عصام: أَلَا تَعْرِفُهُ؟
- ٧ - أمين: كَلَّا. أَنَا لَا أَعْرِفُهُ شَخْصِيًّا...
- ٨ - عصام: وَأَنَا لَا أَعْرِفُهُ أَيْضًا.
- ٩ - مُحْسِن: عَفْوًا، هَلْ أَنْتُمَا أَرْدُنِيَانِ؟
- ١٠ - أمين: نَعَمْ.
- ١١ - مُحْسِن: عِنْدِي هُنَا مَوْعِدٌ مَعَ رَجُلَيْنِ أَرْدُنِيَيْنِ. هَلْ أَنْتُمَا عَصَامُ وَأَمِينُ؟
- ١٢ - أمين: أَجَلْ، أَنَا أَمِينُ وَهَذَا عَصَامُ.
- ١٣ - محسن: فُرْصَةٌ صَعِيدَةٌ. إِسْمِي مُحْسِنٌ. مُحْسِنُ الْفَهْرِيِّ.
- ١٤ - إِذَنْ، أَنْتَ صَدِيقُ يَوْسُفَ.
- ١٥ - مُحْسِن: نَعَمْ. أَنَا صَدِيقُهُ وَصَدِيقُكُمْ الْآنَ. مَرْحَبًا بِكُمْ فِي مَدِينَةِ فَاسٍ.
- ١٦ - عصام: شُكْرًا عَلَى تَرْحِيبِكَ يَا مُحْسِنَ. نَحْنُ نَوَدُّ أَنْ نَرُورَ هَذِهِ الْمَدِينَةَ لِنُعَدَّ اسْتِطْلَاعًا. هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ تُسَاعِدَنَا؟
- ١٧ - مُحْسِن: أَنَا رَهْنُ إِشَارَتِكُمَا، أَنْتُمَا فِي الْعَاصِمَةِ الْعِلْمِيَّةِ وَهَذَا الْمَكَانُ هُوَ جَامِعَةُ الْقَرْوِيِّينَ، رَمَزُ الْمَدِينَةِ.
- ١٨ - عصام: مَنْ أَسَّسَ كُلَّ هَذَا؟
- ١٩ - مُحْسِن: أَسَّسَهُ رَجُلٌ وَامْرَأَةٌ. الرَّجُلُ هُوَ الْمَوْلَى إِدْرِيسُ. وَهُوَ الَّذِي أَسَّسَ مَدِينَةَ فَاسٍ.
- ٢٠ - أمين: وَالْمَرْأَةُ هِيَ فَاطِمَةُ الْفَهْرِيَّةُ، أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟
- ٢١ - مُحْسِن: بَلَى. وَهِيَ الَّتِي أَسَّسَتْ جَامِعَةَ الْقَرْوِيِّينَ.
- ٢٢ - عصام: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ أَلْتَقِطَ صُورًا دُونَ عَائِقِ.
- ٢٣ - مُحْسِن: سَأَطْلُبُ الْإِذْنَ.

[.....]

۲۴ - مُحْسِن: مَاذَا تُرِيدُ أَنْ تُصَوِّرَ؟

۲۵ - عصام: النَّافُورَةُ، الصَّوْمَعَةُ، السَّتْفُ، الحُطُّ.

۲۶ - مُحْسِن: نَعَمْ. تَفَضَّلْ.

۲۷ - آمِن: هَلْ ضَرِيحُ الْمَوْلَى إِدْرِيسَ بَعِيدٌ عَن هَذَا الْمَكَانِ؟

۲۸ - محسن: لا. هُوَ لَيْسَ بَعِيدًا. هُوَ قَرِيبٌ مِّنْ هُنَا. هَلْ تُرِيدَانِ أَنْ تَزُورَاهُ؟

۲۹ - آمِن: نعم. متى؟

۳۰ - مُحْسِن: بَعْدَ صَلَاةِ الظُّهْرِ مَثَلًا، مَا رَأَيْكُمَا؟

۳۱ - آمِن: فِكْرَةٌ مُّمْتَازَةٌ.

تۆككىزىنچى دارس

1. Амин: Юсуфни дўстини бу ерда кутамиз.
2. Исом: Сен ваъдалашилган жойни аниқ биласанми?
3. Амин: Ҳа.
4. Исом: Барча одамларни ичидан қандай таниб оламиз.
5. Амин: Билмайсанми?
6. Исом: Уни танимайман.
7. Амин: Йўқ. Ҳеч ҳам уни танимайман.
8. Исом: Мен ҳам уни танимайман.
9. Муҳсин: Кечирасизлар, икковингиз Йорданияликмисиз?
10. Амин: Ҳа.
11. Муҳсин: Мен бу ерда Йорданиялик икки киши билан учрашишга ваъдалашган эдим. Сиз Исом ва Аминмисиз?
12. Амин: Ҳа, мен Аминман ва бу Исом.
13. Муҳсин: Бахтли онлар. Исмиим Муҳсин яъни, Муҳсин ал-Фихрий.
14. Исом: Демак сен Юсуфнинг дўстисан.

15. Муҳсин: Ҳа, мен унинг дўстиман ва сизлар ҳам ҳозир дўстларимсиз. Фас шаҳрига хуш келибсизлар.
16. Исом: Эй Муҳсин, табригинг учун раҳмат. Биз бу шаҳарни тадқиқот мақсадида зиёрат қилишни хоҳлаймиз. Бизга ёрдам бера оласанми?
17. Муҳсин: Хизматларингга тайёрман. Сизлар илм пойтахтидасизлар. Бу макон шаҳар рамзи бўлган Қаравийлар университетидир.
18. Исом: Бунга ким асос солган.
19. Муҳсин: Бир эркак ва бир аёл. У киши Фас шаҳрига асос солган Идрис жаноблари.
20. Амин: Аёл эса Фотима Фихрийя, шундай эмасми?
21. Муҳсин: Тўғри, шу аёл Қаравийлар университетига асос солган.
22. Исом: Муаммосиз суратга туширишим мумкинми?
23. Муҳсин: Ҳозир рухсат сўрайман.
[.....]
24. Муҳсин: Нимани суратга туширишни хоҳлайсан?
25. Фаввора, хужра, шифт ва хат ёзувини.
26. Муҳсин: Ҳа марҳамат.
27. Амин: Мавло Идрисни мақбаралари бу ердан узоқми?
28. Муҳсин: Йўқ. У узоқ эмас, бу ердан яқин. Икковингиз зиёрат қилишни хоҳлайсизларми?
29. Амин: Ҳа, қачон?
30. Муҳсин: Масалан пешин намозидан кейин, фикрингиз қандай?
31. Амин: Зўр фикр.

- ١ - أمين: فاس عاصمةً تَارِيخِيَّةٌ، وَهَذِهِ عَاصِمَةٌ تَارِيخِيَّةٌ أُخْرَى.
- ٢ - عِصَام: مَنْ أَسَّسَهَا؟ أَنَا لَا أَذْكَرُ اسْمَهُ.
- ٣ - أمين: أَسَّسَهَا يُوسُفُ بْنُ تَاشَفَيْنَ.
- ٤ - عِصَام: فِعْلًا. يُوسُفُ بْنُ تَاشَفَيْنَ أَسَّسَ مَرَآكِشَ. عِنْدَهَا اسْمٌ آخَرٌ أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟
- ٥ - أمين: بَلَى. إِسْمُهَا مَرَآكِشُ الْحُمُرَاءِ، أَوْ عَاصِمَةُ الْجَنُوبِ.
- ٦ - عِصَام: وَلِمَاذَا هَذَا الْإِسْمُ؟
- ٧ - أمين: الْحُمُرَاءُ؟ لِأَنَّ لَوْنَهَا أَحْمَرٌ.
- ٨ - عِصَام: آه!... طَبَعًا. هَلِ الصَّحْرَاءُ قَرِيبَةٌ مِنْ هُنَا؟
- ٩ - أمين: نَعَمْ: الصَّحْرَاءُ لَيْسَتْ بَعِيدَةً. فِي الْوَاقِعِ، مَرَآكِشُ وَاحَةٌ ضَخْمَةٌ شَمَالَ الصَّحْرَاءِ.
- ١٠ - عِصَام: أَنْتَ مُرْشِدٌ مُتَمَازٌ يَا أَمِينَ. أَنْتَ تَعْرِفُ كُلَّ شَيْءٍ.
- ١١ - أمين: لَا. وَاللَّهِ. كُلُّ شَيْءٍ فِي الدَّلِيلِ.
- ١٢ - عِصَام: أَنْظُرْ، تِلْكَ صَوْمَعَةُ الْكُتَيْبَةِ. سَأَلْتَقِطُ صُورَةً.
- ١٣ - أمين: هَلْ أَنْتَ فِي حَاجَةٍ إِلَى مُسَاعَدَةٍ؟
- ١٤ - عِصَام: لَا. لَسْتُ فِي حَاجَةٍ إِلَى مُسَاعَدَةٍ. شُكْرًا.
- ١٥ - أمين: مَاذَا يَجْرِي هُنَاكَ؟
- ١٦ - عِصَام: لَا أَذْرِي.
- ١٧ - أمين: رُبَّمَا هِيَ سَاحَةٌ "جَامِعِ الْفِنَاءِ".
- ١٨ - عِصَام: هِيَ سَاحَةٌ "جَامِعِ الْفِنَاءِ" فِعْلًا.
- ١٩ - أمين: أَنْتَ عَلَى حَقٍّ. هَذِهِ سَاحَةٌ مُزْدَحِمَةٌ.
- ٢٠ - عِصَام: هُنَا طَعَامٌ وَشَرَابٌ وَلِيَاسٌ وَبَائِعُونَ وَمُرْشِدُونَ... هُنَا كُلُّ شَيْءٍ.
- ٢١ - أمين: أَنَا عَطْشَانٌ. هَلْ تُرِيدُ أَنْ تَتَنَاوَلَ عَصِيرَ بُرْتُقَالٍ؟
- ٢٢ - عِصَام: لِمَ لَا؟ هَذِهِ فِكْرَةٌ رَائِعَةٌ. أَنَا عَطْشَانٌ أَيْضًا.
- ٢٣ - أمين: هَيَّا نُشَاهِدُ تِلْكَ الْحَلَقَةَ.

- ۲۴ - الْقَصَّاص: كَانَ فِي سَالِفِ الزَّمَانِ ...
- ۲۵ - عِصَام: الْمُسَجَّلَةُ يَا أَمِينَ. الْمُسَجَّلَةُ، بِسُرْعَةٍ!
- ۲۶ - أَمِينَ: هَلْ تُرِيدُ أَنْ أُسَجِّلَ الْقِصَّةَ؟
- ۲۷ - عِصَام: نَعَمْ. سَأُصَوِّرُ الْحَلْقَةَ، وَأَنْتَ عَلَيكَ أَنْ تُسَجِّلَ الْقِصَّةَ فِي شَرِيحٍ لِأُرْسِلَهُ إِلَى الْبَيْتِ.
- ۲۸ - أَمِينَ: إِلَى عَمَّانَ؟
- ۲۹ - عِصَام: طَبْعًا!
- ۳۰ - طَارِق: مَا رَأَيْتُكَ فِي هَذَيْنِ الْحُقُوفَيْنِ يَا جَدِّي!
- ۳۱ - الْجُدُّ: هُمَا جَمِيلَانِ جِدًّا. مِنْ أَيْنَ لَكَ هَذَا؟
- ۳۲ - طَارِق: مِنَ الْمَغْرِبِ. فِي الْمَغْرِبِ الْحُفُّ هُوَ الْبَلْعَةُ.
- ۳۳ - الْجُدُّ: هَلْ عِنْدَكَ صَدِيقٌ هُنَاكَ؟
- ۳۴ - طَارِق: لَا، لَيْسَ عِنْدِي صَدِيقٌ فِي الْمَغْرِبِ... أَنْظُرْ. أَنْظُرْ... هَذَا نَائِي مِنْ تُونُسَ، وَهَذَا نَصٌّ مِنْ فَاسَ، وَهَذِهِ بَطَاقَةٌ بَرِيدِيَّةٌ مِنْ مَرَاكَشَ.
- ۳۵ - الْجُدُّ: وَأَيْنَ تُوجَدُ فَاسَ وَمَرَاكَشَ؟
- ۳۶ - طَارِق: فَاسَ تُوجَدُ فِي شِمَالِ الْمَغْرِبِ، هُنَا وَمَرَاكَشَ هُنَا، فِي الْجَنُوبِ.
- ۳۷ - الْجُدُّ: وَأَيْنَ أَبُوكَ وَصَدِيقُهُ؟
- ۳۸ - طَارِق: هُمَا مَعًا فِي الطَّرِيقِ إِلَى الْأَنْدَلُسِ.

ЎНИНЧИ ДАРС

1. Амин: Фас шаҳри тарихий пойтахтдир. Бу яна бошқа тарихий пойтахтдир.
2. Исом: Уни ким таъсис қилган, исмини эслай олмаяпман.
3. Амин: Уни Юсуф ибн Тошафин.
4. Исом: Ҳақиқатда. Юсуф ибн Тошафин Марокашни таъсис этган. Унинг бошқа исми ҳам бор, шундай эмасми?
5. Амин: Исми Марокаш ал-Ҳамро ёки жануб пойтахти.
6. Исом: Нима учун бундай исм?

7. Амин: Ҳамро? Чунки унинг ранги қизил.
8. Исом: Оҳ!... ҳақиқатда. Сахро бу ердан яқинми?
9. Амин: Ҳа сахро узок эмас. Ҳақиқатда Марокаш сахро шимолидаги улкан воҳадир.
10. Исом: Сен зўр йўлбошчи экансан эй Амин. Сен ҳамма нарсани билар экансан.
11. Амин: Йўқ, Аллоҳ номига қасам. Буларнинг ҳар бири йўл кўрсаткичида бор.
12. Исом: Қарагин, мана бу китобфуруш кулбаси экан, мен уни суратга тушираман.
13. Амин: Сен ёрдамга муҳтожмисан.
14. Исом: Йўқ, ёрдамга муҳтож эмасман. Раҳмат.
15. Амин: У ерда нима бўлмоқда?
16. Исом: Билмайман.
17. Амин: Эҳтимол «Фино масжиди»нинг майдони бўлса керак.
18. Исом: Ҳақиқатда «Фино масжиди»нинг майдони.
19. Амин: Сен ҳақсан. Бу майдон тикилинчдир.
20. Исом: Бу ерда овқат, ичимлик, кийим, сотувчилар ва йўл кўрсатувчилар...куйингки, барча нарса бордир.
21. Амин: Мен чанқадим. Апелсин шарбатини ичишни хоҳлайсанми?
22. Исом: Нима учун йўқ экан? Бу ажойиб фикр, мен ҳам чанқоқман.
23. Амин: Кел, мана бу ҳалқаларни томоша қиламиз.
24. Қиссачи: Қадим замонларда бўлган эди...
25. Исом: Магнитофон эй Амин. Магнитофон, тезроқ!
26. Амин: Қиссани ёзиб олишимни хоҳлайсанми?
27. Исом: Ҳа, ҳалқани суратга тушираман. Сен ушбу қиссани уйга юбориш учун касетага ёзиб олгин.
28. Амин. Уммонгами?
29. Исом: Албатта!

30. Торик: Эй бобожон! Мана бу икки маҳсига фикрингиз қандай?
31. Бобо: Иккови жуда чиройли экан. Сенга қаердан келди?
32. Торик: Мағрибдан. Мағрибда маҳсини, этик дейилади.
33. Бобо: Ўша ерда дўстинг борми?
34. Торик: Йўқ, Марокашда дўстим йўқ...Қаранг. Қаранг...Бу най Тунисдан ва бу текст Фас шаҳридан ва мана бу почта откриткаси Марокашдан.
35. Бобо: Фас ва Марокаш шаҳри қаерда?
36. Торик: Фас шаҳри Мағриб шимоли, яъни мана бу ерда. Марокаш эса жанубда яъни мана бу ерда.
37. Бобо: Отанг ва дўсти қаерда?
38. Торик: Икковлари бирга, Андалус йўлида кетишмоқда.

۱۱

الدرس الحادي عشر

- ۱ - عَصَامُ: فِيمَ تُفَكِّرُ يَا أَمِينَ؟
- ۲ - أَمِينَ: أَفَكِّرُ فِي إِقَامَتِنَا فِي فَاسٍ وَمَرَكَشٍ وَإِشْبِيلِيَّةِ. عِنْدِي ذِكْرِيَّاتٌ جَمِيلَةٌ.
- ۳ - عَصَامُ: وَحَصَلْنَا عَلَى صُورٍ رَائِعَةٍ وَمَعْلُومَاتٍ مُهِمَّةٍ.
- ۴ - أَمِينَ: عَلَى فِكْرَةٍ! أَتَذَكِّرُ الْكُتُبِيَّةَ؟
- ۵ - عَصَامُ: كَيْفَ لَا؟! أَذَكَّرُهَا جَيِّدًا. لِمَاذَا؟
- ۶ - أَمِينَ: لِأَنَّهَا تُشْبِهُ الْخَيْرِ الدَا.
- ۷ - عَصَامُ: أَنْتَ عَلَى حَقٍّ، كَانَتْهُمَا تَوَآمَانٍ.
- ۸ - إِبْرَاهِيمُ: عَفْوًا هَلْ أَنْتُمْ مَعْرَبِيَّانِ؟
- ۹ - عَصَامُ: لَا، لَسْنَا مَعْرَبِيَّيْنِ، نَحْنُ أَرْدُنِيَّانِ.
- ۱۰ - إِبْرَاهِيمُ: آه!... مِنَ الْأَرْدُنِ.

- ١١ - عِصَام: أَهْلًا. أَنَا عِصَام وَهَذَا أَمِين.
- ١٢ - أَمِين: مَرْحَبًا.
- ١٣ - إِبْرَاهِيم: هَلْ أَنْتُمْ فِي عُطْلَةٍ هُنَا؟
- ١٤ - عِصَام: لَا، نَحْنُ هُنَا لِإِعْدَادِ اسْتِطْلَاعِ.
- ١٥ - أَمِين: نَعَمْ. نَحْنُ نَوُدُّ أَنْ نَكْتُبَ كِتَابًا فِي مَوْضُوعِ الْأَنْدُلُسِ!
- ١٦ - إِبْرَاهِيم: فِي مَوْضُوعِ الْأَنْدُلُسِ!
- ١٧ - عِصَام: تَمَامًا.
- ١٨ - إِبْرَاهِيم: هَذَا مَوْضُوعٌ مُهِمٌّ، هَلْ أَنْتُمْ تَعْمَلَانِ وَحَدُكُمَا؟
- ١٩ - عِصَام: نَعَمْ.
- ٢٠ - إِبْرَاهِيم: هَلْ أَنْتُمْ فِي حَاجَةٍ إِلَى مُسَاعَدَةٍ؟ أَنَا أَعْرِفُ بَلَدِي جَيِّدًا.
- ٢١ - عِصَام: بَلَدُكَ!؟ هَلْ أَنْتِ إِسْبَانِيَّةٌ؟
- ٢٢ - إِبْرَاهِيم: إِسْبَانِيَّةٌ وَأَنْدَلُسِيَّةٌ.
- ٢٣ - عِصَام: وَتَتَكَلَّمُ الْعَرَبِيَّةَ جَيِّدًا؟
- ٢٤ - إِبْرَاهِيم: أَتَكَلَّمُهَا لِأَنِّي مُسْلِمٌ وَلَاأَنِّي أَدْرِسُهَا.
- ٢٥ - عِصَام: أَيْنَ؟
- ٢٦ - إِبْرَاهِيم: فِي جَامِعَةِ غَرْنَاطَةَ.
- ٢٧ - عِصَام: حَظُّنَا سَعِيدٌ. نَحْنُ فِي حَاجَةٍ إِلَى مُسَاعَدَتِكَ دُونَ شِكِّ.
- ٢٨ - إِبْرَاهِيم: بِكُلِّ سُرُورٍ. مَاذَا تُرِيدَانِ أَنْ تَعْرِفَا؟
- ٢٩ - أَمِين: تَارِيخِ الْأَنْدُلُسِ مَثَلًا.
- ٣٠ - إِبْرَاهِيم: هُنَا عَاشَ الْمُسْلِمُ وَالْمَسِيحِيُّ وَالْيَهُودِيُّ جَنبًا إِلَى جَنبٍ بِسَلَامٍ.
- ٣١ - أَمِين: عَفْوًا هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ أُسَجِّلَ؟
- ٣٢ - إِبْرَاهِيم: لَا عَلَيْكَ، تَفَضَّلْ... أَنْتَحَتِ هَذِهِ الْبِلَادُ عُلَمَاءَ وَشُعْرَاءَ وَأَطِبَّاءَ وَفَلَّاسِفَةً وَغَيْرَ ذَلِكَ.
- ٣٣ - نَحْنُ نَوُدُّ أَنْ نَزُورَ الْحُمُرَاءَ.
- ٣٤ - إِبْرَاهِيم: الْحُمُرَاءُ! قَصْرُ بَنِي نَصْرٍ وَرَمَزُ غَرْنَاطَةَ وَالْأَنْدُلُسِ...

فِكْرَةٌ رَائِعَةٌ! يَجِبُ أَنْ تَزُورَا قُرْطُبَةَ أَيْضًا.

۳۵ - عِصَام: هَلْ تُرَافِقُنَا؟

۳۶ - إِبْرَاهِيم: لَمْ لَا؟ بِكُلِّ سُرُورٍ.

ЎН БИРИНЧИ ДАРС

1. Исом: Эй Амин нимани ўйлаяпсан?
2. Амин: Фас, Марокаш ва Ишбилийяда яшаганимизни ўйлаяпман. Гўзал хотиралар.
3. Исом: Ажойиб суратлар ва муҳим маълумотларни қўлга киритдик.
4. Амин: Дарвоқеъ китобфурушни эслайсанми?
5. Исом: Нима учун эсламас эканман!? Уни яхши эслайман. Нима эди?
6. Амин: Чунки у, Хиролдага ўхшар эканда.
7. Исом: Сен ҳақсан. Улар гўёки игизаклар.
8. Иброҳим: Кечирасизлар икковингиз Мағрибликмисиз?
9. Исом: Мағриблик эмасмиз, бизлар иорданияликмиз.
10. Иброҳим: Оҳ!... Иорданияданми?
11. Исом: Хуш келибсиз. Мен Исом ва бу Амин.
12. Амин: Марҳабо.
13. Иброҳим: Сизлар бу ерда таътилдамисизлар?
14. Исом: Йўқ, бизлар бу ерда тадқиқот-изланишларга тайёргарлигида (юрибмиз).
15. Амин: Ҳа бизлар Андалус мавзусида бир китоб ёзмоқчимиз.
16. Иброҳим: Андалус мавзусидами?
17. Исом: Албатта.
18. Иброҳим: Бу муҳим мавзу. Икковингиз бирга ишлайсизми?
19. Исом: Ҳа.

20. Иброҳим: Сизлар ёрдамга муҳтожмисизлар? Мен ўз шахримни яхши биламан.
21. Исом: Шаҳрингми!? Сен Испанияликмисан?
22. Иброҳим: Испаниялик ва Андалусиялик.
23. Исом: Араб тилини яхши гапирар экансан.
24. Иброҳим: Ҳа гапираман, чунки мен мусулмонман ва (араб тилидан) дарс бераман.
25. Исом: Қаерда?
26. Иброҳим: Фарнота университетиди.
27. Исом: Насибали эканмиз, биз шаксиз-шубҳасиз ёрдамингга муҳтожмиз.
28. Иброҳим: Мамнуният билан, сизлар нима нарсани билишни хоҳлайсизлар?
29. Амин: Андалус тарихини.
30. Иброҳим: Бу ерда мусулмон, христиан ва яхудийлар ёнма-ён, тинч-тотувликда яшашган.
31. Амин: Кечирасиз, бу нарсаларни ёзиб олишим мумкинми?
32. Иброҳим: Ҳечқиси йўқ, марҳамат қилиб...кўчиринг. Бу шаҳарлар кўплаб уламо, шоирлар, табиблар, файласуфлар ва бундан бошқа (кишиларни) етиштириб чиқарган.
33. Исом: Бизлар Ҳамрони зиёрат қилишни хоҳлаймиз.
34. Иброҳим: Ҳамро! У Бани Насрни қасри ҳамда Фарнота ва Андалус рамзидир...Ажойиб фикр! Қуртубани ҳам зиёрат қилишингиз шарт.
35. Исом: Бизга ҳамроҳ бўласанми?
36. Иброҳим: Нимага йўқ дер эканман, мамнуният билан ҳамроҳ бўламан.

- ١ - عَصَام: كَفَى نَوْمًا يَا أَمِينَ! حَانَ وَقْتُ الْعَمَلِ. اسْتَيْقِظْ!
- ٢ - أَمِينَ: أَيْنَ نَحْنُ الْآنَ؟
- ٣ - إِبْرَاهِيم: فِي مُتَّصِفِ الطَّرِيقِ بَيْنَ غَرْنَاطَةَ وَقُرْطُبَةَ.
- ٤ - عَصَام: خُذْ كُرَّاسَكَ يَا أَمِينَ.
- ٥ - أَمِينَ: حَاضِر.
- ٦ - إِبْرَاهِيم: هَلْ أَنْتَ مُسْتَعِدٌّ؟
- ٧ - أَمِينَ: نَعَمْ. تَفَضَّلْ.
- ٨ - إِبْرَاهِيم: أَوَّلًا، الْفِينِيقِيِّونَ هُمُ الَّذِينَ أَسَّسُوا قُرْطُبَةَ. بَعْدَ الْفِينِيقِيِّينَ وَصَلَ الرُّومَانُ. وَأَخِيرًا، مَعَ الْمُسْلِمِينَ أَصْبَحَتْ قُرْطُبَةُ عَاصِمَةَ الْأُمُويِّينَ.
- ٩ - أَمِينَ: وَكَيْفَ عَاشَ الْمُسْلِمُونَ هُنَا؟
- ١٠ - كَمَا قُلْتُمْ لَكُمْ، عَاشُوا مَعَ الْمَسِيحِيِّينَ وَالْيَهُودِ فِي مَدِينَةِ مُزْدَهَرَةَ.
- ١١ - عَصَام: أَنَا أَفْهَمُ. وَلَكِنْ، بِمَاذَا عَاشَ النَّاسُ هُنَا فِي ذَلِكَ الْوَقْتِ؟
- ١٢ - إِبْرَاهِيم: عَاشُوا بِالصَّنَاعَةِ وَالزَّرَاعَةِ وَالتِّجَارَةِ. كَانَتْ قُرْطُبَةُ مَرْكَزًا إِقْتِصَادِيًّا مُهِمًّا.
- ١٣ - عَصَام: وَمَا هِيَ الصَّنَاعَةُ الَّتِي كَانَتْ فِي قُرْطُبَةَ؟
- ١٤ - إِبْرَاهِيم: صِنَاعَةُ الْحَرِيرِ وَالْوَرَقِ وَالْجِلْدِ وَالْحَدَفِ مَثَلًا.
- ١٥ - أَمِينَ: وَمَاذَا تَقُولُ لَنَا عَنِ الْحَيَاةِ الثَّقَافِيَّةِ؟
- ١٦ - إِبْرَاهِيم: كَانَتْ قُرْطُبَةُ مَدِينَةَ الشِّعْرِ وَالْفَلَسَفَةِ وَالطِّبِّ وَالْهَنْدَسَةِ وَالْمُوسِيقَى. جَاءَ النَّاسُ إِلَى قُرْطُبَةَ مِنْ كُلِّ مَكَانٍ لِيَدْرُسُوا.
- ١٧ - أَمِينَ: مُفِيدٌ جِدًّا!
- ١٨ - عَصَام: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ نَزُورَ الْقَصْرَ؟
- ١٩ - إِبْرَاهِيم: طَبَعًا. سَنَبْدَأُ بِنِزَارَةِ الْمَسْجِدِ.
- ٢٠ - عَصَام: كَمَا تُرِيدُ.
- ٢١ - أَمِينَ: كَمْ عَمُودًا وَكَمْ قَوْسًا هُنَا.
- ٢٢ - إِبْرَاهِيم: نَعَمْ. كُلُّ الْمَسْجِدِ هَكَذَا.

٢٣ - عَصَام: هَلْ تُرِيدُ أَنْ تُعَدَّ الْأَعْمِدَةَ يَا أَمِين؟

[.....]

٢٤ - طَارِق: مِائَةٌ وَوَّاحِدٌ وَعِشْرُونَ، مِائَةٌ وَائْتَانِ وَعِشْرُونَ...

٢٥ - رِيم: أَنَا لَا أُرِيدُ أَنْ أَعُدَّ، أَفْضَلُ أَنْ أَلْعَبَ الْعُمَيْضَةَ.

٢٦ - طَارِق: هَيَّا! مَنْ يَعُدُّ؟

٢٧ - رِيم: أَنْتَ تَعُدُّ.

٢٨ - طَارِق: عَشْرَةٌ... عِشْرُونَ... ثَلَاثُونَ... أَرْبَعُونَ... خَمْسُونَ.

ЎН ИККИНЧИ ДАРС

1. Исом: Эй Амин! Ухлайверасанми?. Иш вақти бўлди, уйғон!
2. Амин: Биз ҳозир қаердамиз?
3. Иброҳим: Фарнота ва Қуртуба орасидаги йўлнинг ярмида.
4. Исом: Эй Амин, дафтарингни ол.
5. Амин: Ҳозир.
6. Иброҳим: Сен тайёрмисан.
7. Амин: Ҳа, марҳамат.
8. Иброҳим: Аввало, Финикийлар Қуртубани таъсис этишган. Финикийлардан кейин Румликлар етиб келишган. Охири мусулмонлар қўлига ўтиб, Умавийлар пойтахти бўлган.
9. Амин: Мусулмонлар бу ерда қандай яшаганлар.
10. Иброҳим: Икковингизга айтганимдек, улар масиҳий ва яҳудийлар билан бирга гуллаган шаҳарда яшаганлар.
11. Исом: Мен англаяпман. Лекин ўша вақтда одамлар бу ерда қандай яшаганлар?
12. Иброҳим: Улар саноат, деҳқончилик ва тижорат қилиб яшаганлар. Қуртуба муҳим иқтисодий марказ бўлган.
13. Исом: Қуртубада қандай саноат бўлган?
14. Иброҳим: Ипак, қоғоз, тери ва кулолчилик саноати бўлган.
15. Амин: Бизга маданий ҳаётдан нима айтиб бера оласан?

16. Иброҳим: Қуртубада шеър, фалсафа, тиб, муҳандислик, муסיқа шаҳри бўлган. Одамлар Қуртубага ҳар томондан ўқиш учун келишган.
17. Амин: Жуда фойдали!
18. Исом: Қасрни зиёрат қилишимиз мумкинми?
19. Иброҳим: Албатта. Масжидни зиёратидан бошлаймиз.
20. Исом: Хоҳлаганинглар.
21. Бу ерда нечта пештоқ ва устун бор!
22. Иброҳим: Ҳа, барча масжидлар мана шундай.
23. Исом: Эй Амин, устунларни санашни хоҳлайсанми?
[.....]
24. Торик: Бир юз йигирма бир, бир юз йигирма икки.....
25. Рим: Мен санашни хоҳламайман, беркинмачоқ ўйнашни афзал кўраман.
26. Торик: Қани кетдик! Ким санайди?
27. Рим: Сен санайсан.
28. Торик: Ўн....йигирма....ўттиз...қирқ...эллик.

۱۳

الدرس الثالث عشر

- ۱ - عصام: يَا لَهُ مِنْ مَشْهَدٍ خَلَّابٍ!
- ۲ - أمين: نَعَمْ. إِنَّهُ مَنْظَرٌ مُرِيحٌ. الْبَحْرُ، النَّسِيمُ... الْحَيَاةُ جَمِيلَةٌ يَا صَدِيقِي.
- ۳ - عصام: الْحَيَاةُ جَمِيلَةٌ، وَلَكِنَّ الْعَمَلَ يَنْتَظِرُنَا. مَا هُوَ بَرْنَامَجُ الْيَوْمِ؟
- ۴ - أمين: اقْتَرِحْ عَلَيَّ زِيَارَةَ آيَا صُوفِيَا الْيَوْمِ، وَبَعْدُ، يُمَكِّنُ أَنْ نَذْهَبَ إِلَى حَمَّامٍ.
- ۵ - عصام: لَمْ لَأ. وَمَاذَا أَيْضًا.
- ۶ - أمين: غَدًا يَجِبُ أَنْ نَسْتَقِظَ بَاكِرًا لِنُزُورَ جَامِعَ السُّلْطَانِ سَلِيمٍ، وَبَعْدُ، سَنُزُورُ قَصْرَ تَوْبَكَايِي. مَا

رَأْيُكَ؟

- ۷ - أنا مُوَأَفِقٌ... يَا أَمِين، مَاذَا قَرَأْتَ عَنِ إِسْطَنْبُولِ؟
- ۸ - أَمِين: قَرَأْتُ كَثِيرًا مِّنَ الْكُتُبِ، وَبَعْضَ الْمَجَلَّاتِ وَالْمَقَالَاتِ، نَحْنُ هُنَا فِي مَكَانٍ إِسْتِرَاتِيجِيٍّ بَيْنَ قَارَتَيْنِ.
- ۹ - أوروبَا وَأَسِيَا طَبَعًا.
- ۱۰ - أَمِين: أَكِيدُ! نَحْنُ فِي الْحَدِّ بَيْنَهُمَا.
- ۱۱ - يَا لَهَا مِنْ جَوْهَرَةٍ ثَمِينَةٍ!
- ۱۲ - أَمِين: لَحْظَةً، سَأَضَعُ النَّظَارَةَ.
- ۱۳ - الْحَارِسُ: حَانَ وَقْتُ الْإِعْلَاقِ... سَيِّدَاتِي وَسَادَاتِي... مِنْ فَضْلِكُمْ. حَانَتْ سَاعَةُ الْإِعْلَاقِ... شُكْرًا عَلَيَّ زِيَارَتِكُمْ.
- ۱۴ - عِصَام: هَيَّا بِنَا!
- ۱۵ - أَمِين: لَحْظَةً، نَسِيتُ نَظَارَتِي دَاخِلَ الْمَتْحَفِ. اِنْتَظِرْ هُنَا سَأَرْجِعُ حَالًا.
- ۱۶ - الْحَارِسُ: اِقْبِضُوا عَلَيَّ اللَّصِّ!
- ۱۷ - أَمِين: حَرَامِيَّ. حَرَامِيَّ!
- ۱۸ - نور: "... أَرْدُنِيَّانِ يَقْبِضَانِ عَلَيَّ سَارِقِ جَوَاهِرٍ مَشْهُورٍ..."
- ۱۹ - طَارِق: اُنْظُرِي، هَذَا بَابَا فِي صُورَةِ الصَّحِيفَةِ.
- ۲۰ - ريم: وَالسَّيِّدُ أَمِينٌ عِنْدَهُ وَرَمٌّ فِي جَبِينِهِ.
- ۲۱ - نور: لَا تَقُولِي "السَّيِّدُ أَمِينٌ" يَا رِيمَ، قُولِي "الْعَمُّ أَمِينٌ".
- ۲۲ - ريم: نَعَمْ يَا مَامَا.
- ۲۳ - طَارِق: بَابَا وَالْعَمُّ أَمِينٌ أَصْبَحَا مَشْهُورَيْنِ.
- ۲۴ - ريم: بَابَا بَطْلٌ، بَابَا بَطْلٌ، بَابَا بَطْلٌ!!!

ЎН УЧИНЧИ ДАРС

1. Исом: Оҳ ажойиб мафтункор манзара!
2. Амин: Ҳа, у роҳатбахш манзара. Денгиз, шабада...Ҳаёт гўзал эй дўстим.

3. Исом: Ҳаёт гўзал лекин иш бизни кутмоқда. Бугунги иш режаси қандай?
4. Амин: Мен сенга бугун Айя-Софияни зиёрат қилишни таклиф қиламан. Бундан кейин ҳаммомга борсак бўлади.
5. Исом: Нега йўқ экан. Ва яна нима?
6. Амин: Султон Салим масжидига зиёрат қилиш учун Эртага барвақт уйғониш керак. Ундан кейин Тубакобий қасрини зиёрат қиламиз. Фикринг қандай?
7. Исом: Мен розиман...Эй Амин, Истанбул ҳақида нималар ўқигансан?
8. Амин: Кўп китоблар, баъзи журнал ва мақолалар ўқиганман. Бизлар ҳозир икки қитъа оралигидаги аҳамиятга молик (стратегик) ўриндамиз.
9. Исом: Албатта, Оврупо ва Осиё.
10. Амин: Ҳақиқатда! Биз иккиси орасидаги чегарадамиз.
11. Исом: Қандай қимматбаҳо нарса!
12. Амин: Бир лаҳза. Кўзойнакни кўяй.
13. Қоравул: Ёпиш вақти бўлди...Жаноблар ва хонимлар...марҳамат қилиб (чиқинглар) ёпиш вақти бўлди...зиёратингиз учун раҳмат.
14. Исом: Қани кетдик!
15. Амин: Бир лаҳза, кўзойнагимни музей ичида унутиб қолдирибман. Шу ерда кутиб тур ҳозироқ қайтаман.
16. Қоравул: Ўғрини ушланглар!
17. Амин: Ўғри, ўғри!
18. Нур: «...Икки Иорданиялик машҳур гавҳар ўғрисини ушлашди...»
19. Торик: Қарагин, отам газета суратида.
20. Рим: Жаноб Аминнинг пешонасида ғурра.
21. Нур: Эй Рим «Жаноб Амин», деб айтма. (Уни ўрнига) «Амин амаки», деб айтгин.
22. Рим: Хўп бўлади эй онажон.

23. Торик: Отам ва Амин амаки машхур бўлиб кетишибди.
24. Рим: Отам қаҳрамон. Отам қаҳрамон. Отам қаҳрамон!!!

۱۴

الدرس الرابع عشر

- ۱ - هَلْ عِنْدَكُمَا مَائِدَةٌ مَحْجُوزَةٌ؟
۲ - عِصَامُ: نَعَمْ... حَجَزْنَاهَا بِاسْمِ شُكْرِي.
۳ - النَّادِلُ: السَّيِّدُ شُكْرِي... إِنَّنَا أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟
۴ - عِصَامُ: بَلَى.
۵ - النَّادِلُ: تَفْضَلًا... هَذِهِ مَائِدَتُكُمَا.
۶ - عِصَامُ: شُكْرًا.
۷ - النَّادِلُ: سَأَحْضِرُ الْقَائِمَةَ حَالًا.
۸ - أَمِينُ: كَمْ أَنَا جَائِعٌ... سَأَكُلُ كُلَّ مَا فِي الْقَائِمَةِ.
۹ - عِصَامُ: أَنْتَ تُبَالِغُ يَا أَمِينُ، كَالْعَادَةِ مَاذَا سَتَطْلُبُ؟
۱۰ - لَا أَدْرِي بِالضَّبْطِ. كُلُّ هَذَا يَبْدُو شَهِيًّا.
۱۱ - هَلْ اخْتَرْتُمَا؟
۱۲ - أَمِينُ: لَا، لَمْ نَخْتَرْ بَعْدُ.
۱۳ - النَّادِلُ: لَا عَرَابَةَ.
۱۴ - عِصَامُ: لِمَاذَا؟
۱۵ - النَّادِلُ: لِأَنَّ كُلَّ مَا عِنْدَنَا شَهِيٌّ وَلَذِيذٌ.
۱۶ - أَمِي: هَلْ هَذَا صَحِيحٌ.
۱۷ - النَّادِلُ: كَمَا تَسْمَعُ، يُمَكِّنُ أَنْ تَذُوقًا حُصًّا أَوْ كَبَابَ السَّمَكِ بِالْكَمُونِ أَوْ كُفْتَةً. عِنْدَنَا تَبُولَةٌ
أَيْضًا وَدَجَاجٌ...

- ١٨ - أمين: هل الدجاج بالتوابل حار؟
- ١٩ - النادل: هو حار قليلاً ولكنّه لذيذ جداً.
- ٢٠ - أمين: أريد دجاجاً مشويّاً بالتوابل وفلفل وكباب السمك.
- ٢١ - عصام: هل ستأكل كلَّ هذا يا أمين؟
- ٢٢ - أمين: نعم. وقليلاً من الخبز والطحينة.
- ٢٣ - عصام: ولكنَّ هذا كثير!
- ٢٤ - أمين: لا عليك، أنا جائع.
- ٢٥ - عصام: طيب، على خاطرك.
- ٢٦ - النادل: وماداً للسيد؟
- ٢٧ - عصام: سلطه بازنجان بالكزبرة.
- ٢٨ - النادل: هل تريد شيئاً آخر؟
- ٢٩ - عصام: فلفل بالخضروات.
- ٣٠ - النادل: فقط.
- ٣١ - عصام: نعم، شكرًا.
- ٣٢ - النادل: وجبتان خفيفتان.
- ٣٣ - أمين: ماداً تعني؟
- ٣٤ - النادل: لا شيء يا سيدي، لا شيء وماداً تشربان؟
- ٣٥ - عصام: ماء.
- ٣٦ - أمين: وأنا عصيراً.
- ٣٧ - عصام: لا تأكل بسرعة يا أمين، كل شيئاً فشيئاً.
- ٣٨ - النادل: هل ترغبان في فاكهة أو حلوى؟
- ٣٩ - عصام: نعم، أود أن أدوق التفاح بماء الورد. وأنت يا أمين ألا تريد حلوى؟
- ٤٠ - أمين: كلاً. شكرًا، لا أريد شيئاً، أنا شبعان.
- ٤١ - عصام: من قال سأكل كلَّ ما في القائمة؟

- ۴۲ - آمين: كَاتِبٌ مَشْهُورٌ، دُونَ شَكِّ.
 ۴۳ - عَصَام: أَلَا تُرِيدُ قَلِيلًا مِنْ هَذِهِ التُّقَاتِ؟ مَذَاقُهَا طَيِّبٌ.
 ۴۴ - آمين: كَلَّا، أَنَا فِي حِمِيَةٍ.
 ۴۵ - عَصَام: مُنْذُ مَتَى؟
 ۴۶ - آمين: مُنْذُ الْآنِ.

ЎН ТЎРТИНЧИ ДАРС

1. Хизматчи: Сизларда банд қилинган дастурхон борми?
2. Исом: Ҳа...Шукрий номидан банд қилдик.
3. Хизматчи: Жаноб Шукрий...Иккита шундай эмасми?
4. Исом: Ҳа
5. Хизматчи: Марҳамат қилинглр... Бу сизларни дастурхонингиздир.
6. Исом: Раҳмат.
7. Хизматчи: Ҳозир таомномани олиб келаман.
8. Амин: Мен жуда очман... Рўйхатдаги барча таомни еб юборгидекман.
9. Исом: Эй Амин, сен одатдагидек муболаға қилиб юборяпсан. Нима талаб қиласан?
10. Амин: Аниғини билмайман. Буларни барчаси мазали кўриняпти.
11. Хизматчи: (Овқат) танладинглрми?
12. Амин: Йўқ, ҳалигача танламадик.
13. Хизматчи: Ажабланарли жойи йўқ.
14. Исом: Нима учун?
15. Хизматчи: Чунки, биздаги барча нарса иштаҳа очувчи ва лаззатлидир.
16. Амин: Шу гап ростми?

17. Хизматкор: Эшитганингдек. Нўхот ёки зираланган балиқ кабоби ёки котлет. Бизда таббула (буғдой майдаси, петрушка ва зайтун мойи кўшиб тайёрланган овқат) ва товук...бор.
18. Амин: Зираворли товук иссиқми?
19. Хизматкор: У бироз иссиқ лекин жуда лаззатли.
20. Амин: Зиравор ва қалампирлар билан пиширилган товук ва балиқ кабобини хоҳлайман.
21. Исом: Эй Амин, буларни барчасини ейсанми?
22. Амин: Ҳа. Озгина нон ва кунжут холваси.
23. Исом: Лекин бу кўп!
24. Амин: Ҳечқиси йўқ. Мен очман.
25. Исом: Яхши. Сени хоҳишингга кўра.
26. Хизматкор: Жаноб учун нима?
27. Исом: Кашнич аралаштирилган бақлажон салати.
28. Хизматкор: Бошқа нарса хоҳлайсанми?
29. Исом: Кўкатлар солинган қалампир.
30. Хизматкор: Фақат шуми?
31. Исом: Ҳа. Раҳмат.
32. Хизматкор: Енгилгина овқат (керакми)?
33. Амин: У нимани англатади.
34. Хизматкор: Ҳеч нарса керак эмасми, ҳеч нарса эмасми? Унда нима ичасизлар.
35. Исом: Сув.
36. Амин: Мен шарбат ичаман.
37. Исом: Эй Амин тез емагин. Оз-оздан, аста секин егин.
38. Хизматкор: Мева ёки ҳолва ейишга ҳам рағбатинглар борми?
39. Исом: Ҳа. Гулоб ва олма ейишни хоҳлайман. Эй Амин, сен ҳолва хоҳлайсанми?
40. Амин: Йўқ, йўқ, раҳмат. Ҳеч нарса хоҳламайман. Мен тўқман.

41. Исом: Таомномадаги барча нарсани ейман, деб ким айтган эди?
 42. Амин: Шубҳасиз машҳур ёзувчи.
 43. Исом: Мана бу олмадан бироз ейишни хоҳлайсанми? Таъми яхши.
 44. Амин: Йўқ, йўқ. Мен парҳездаман.
 45. Исом: Қачондан бери?
 46. Амин: Шу ондан.

۱۵

الدرس الخامس عشر

- ۱ - عَصَامُ: أَنَا عَطْشَانٌ جِدًّا. سَأَطْلُبُ مَشْرُوبًا بَارِدًا.
 ۲ - أَمِينُ: وَأَنَا أَيْضًا. الطَّقْسُ حَارٌّ الْيَوْمَ.
 ۳ - عَصَامُ: إِسْمَعِ. آذَانُ الْعَصْرِ. مَا السَّاعَةُ الْآنَ؟
 ۴ - أَمِينُ: الرَّابِعَةُ إِلَّا خَمْسَ دَقَائِقَ.
 ۵ - عَصَامُ: صَوْتُ هَذَا الْمُؤَذِّنِ رَائِعٌ. أَعْطِنِي الْمُسَجَّلَةَ مِنْ فَضْلِكَ... أَنْظُرْ يَا أَمِينُ! أَنْظُرْ إِلَى ذِرَاعِي...

- ۶ - أَمِينُ: فَشَعْرِيرَةٌ!... تِلْكَ عَلَامَةُ الْإِيمَانِ.
 ۷ - سَعِيدُ: السَّلَامُ عَلَيْكُمْ.
 ۸ - (عَصَامُ+أَمِينُ): وَعَلَيْكُمْ السَّلَامُ.
 ۹ - عَصَامُ: مَرْحَبًا، وَصَلْتَ فِي الْمَوْعِدِ الْمُحَدَّدِ.
 ۱۰ - سَعِيدُ: عَادَةً لَا أَتَأَخَّرُ عَنِ الْمَوَاعِيدِ.
 ۱۱ - عَصَامُ: هَذَا أَمِينُ. هُوَ رَفِيقِي فِي السَّفَرِ.
 ۱۲ - سَعِيدُ: أَهْلًا وَسَهْلًا.

- ١٣ - عِصَام: وَهَذَا الْأُسْتَاذُ سَعِيدٌ.
- ١٤ - أَمِين: تَشْرَفْنَا. تَفَضَّلْ، اجْلِسْ.
- ١٥ - سَعِيد: شُكْرًا.
- ١٦ - أَمِين: عِصَام قَالَ لِي إِنَّكَ أُسْتَاذُ الْأَرْكِيولوجِيَا، أَوْ عِلْمِ الْأَثَارِ كَمَا نَقُولُ بِالْعَرَبِيَّةِ.
- ١٧ - سَعِيد: نَعَمْ. طَلَبَ مِنِّي مُسَاعَدَةً وَهِيَ أَنَا زُهْنُ الْإِشَارَةِ.
- ١٨ - عِصَام: شُكْرًا جَزِيلًا عَلَى كَرَمِكَ يَا سَعِيد.
- ١٩ - سَعِيد: لَا شُكْرَ عَلَيَّ وَاجِبٍ. مَاذَا زُرْتُمَا حَتَّى الْآنَ؟
- ٢٠ - بَدَأْنَا بِزِيَارَةِ السُّعُودِيَّةِ ثُمَّ تَوَجَّهْنَا نَحْوَ الْقُدْسِ ثُمَّ إِلَى بَعْضِ بُلْدَانِ شَمَالِ إِفْرِيقِيَا وَالْأَنْدَلُسِ وَأَخِيرًا زُرْنَا تُرْكِيَا وَلُبْنَانَ.
- ٢١ - سَعِيد: هَذَا سَفَرٌ طَوِيلٌ.
- ٢٢ - عِصَام: نَعَمْ. وَلَكِنْ مَا زِلْنَا فِي مُنْتَصَفِ طَرِيقِنَا.
- ٢٣ - سَعِيد: كَمْ يَوْمًا سَتَظَلَّانِ هُنَا فِي دِمَشْقَ؟
- ٢٤ - عِصَام: أُسْبُوعًا تَقْرِيْبًا.
- ٢٥ - سَعِيد: إِذَنْ عِنْدَنَا الْوَقْتُ الْكَافِي لِجَمْعِ كَثِيرٍ مِنَ الْمَعْلُومَاتِ.
- ٢٦ - عِصَام: طَيِّبٌ.
- ٢٧ - سَعِيد: هَلْ تَرَعْبَانِ فِي زِيَارَةِ الْمَدِينَةِ الْعَتِيقَةِ؟
- ٢٨ - أَمِين: مَتَى؟
- ٢٩ - سَعِيد: بَعْدَ صَلَاةِ الْعَصْرِ مَثَلًا. وَتَدَكَّرَا أَنَّ كُلَّ خُطْوَةٍ عَلَى هَذِهِ الْأَرْضِ هِيَ رِحْلَةٌ عَبْرَ التَّارِيخِ.
- ٣٠ - أَمِين: فِعَالًا. هَذِهِ أَرْضُ خَصَارَاتٍ عَرِيقَةٍ.
- ٣١ - أَجَلٌ. بِفَضْلِ عِلْمِ الْأَثَارِ يُمَكِّنُ الْقَوْلَ إِنَّ دِمَشْقَ هِيَ أَوْلُ أَرْضٍ سَكَنَهَا الْإِنْسَانُ فِي الْعَالَمِ.
- ٣٢ - أَمِين: هَلْ أَنْتَ أُسْتَاذٌ فَقَطْ أَمْ بَاحِثٌ أَيْضًا؟
- ٣٣ - سَعِيد: كِلَاهُمَا. فِي سُورِيَّةِ يَشْتَغِلُ ثَمَانُونَ فَرِيقًا فِي حَفْرِيَّاتِ أَثَرِيَّةٍ عَدِيدَةٍ. وَأَنَا أَشْتَغِلُ فِي وَاحِدَةٍ قَرِيبَةٍ مِنْ دِمَشْقَ.
- ٣٤ - أَمِين: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ نَزُورَهَا؟

۳۵ - سعيد: كيفَ لا؟! أنا أدعوكمَ إلى زيارتها.

۳۶ - أمين: متى؟

۳۷ - سعيد: بعدَ غدٍ مثلاً.

۳۸ - أمين: ما رأيك يا عصام؟

۳۹ - عصام: يا له من سؤال! طبعاً. يجب أن نغتيم الفرصة.

۴۰ - سعيد: ستمتّعان بجانب من ستة عشر ألف سنة من تاريخ عريقٍ يفتخرُ به السوريون.

ЎН БЕШИНЧИ ДАРС

1. Исом: Мен жуда чанқадим. Яхна ичимлик олиб келишларини талаб қиламан.
2. Амин: Мен ҳам. Бугун ҳаво иссиқ.
3. Исом: Эшит. Аср азони. Ҳозир соат неча бўлди?
4. Амин: Беш минут кам тўрт.
5. Исом: Бу муаззиннинг овози ажойиб экан. Марҳамат қилиб менга магнитофонни бергин... Эй Амин қарагин! Билагимга қарагин...
6. Амин: Жунжикиш!... Бу иймон аломати.
7. Саид: Ассалому алайкум.
8. (Исом+Амин): Ва алайкум ассалом.
9. Исом: Хуш келибсиз, марҳабо. Белгиланган вақтда етиб келдинг.
10. Саид: Одатда ваъда қилинган вақтдан кеч қолмайман.
11. Исом: Бу Амин. У сафардаги дўстим.
12. Саид: Хуш келибсизлар
13. Исом: Бу киши устоз Саид.
14. Амин: Жуда хурсанд бўлдик, марҳамат, ўтиринг.
15. Саид: Раҳмат.
16. Амин: Исом менга айтишича, сиз Археология, арабчада айтилганидек «Илмул осор» бўйича устоз экансиз.

17. Саид: Ҳа. Мендан ёрдам талаб қилган эди, хизматингизга тайёрман.
18. Исом: Эй Саид, саховатингиз учун катта раҳмат.
19. Саид: Арзимаиди. Ҳозиргача нималарни зиёрат қилдинглар.
20. Исом: Саудияни зиёрат қилишдан бошладик. Сўнгра Қуддус томон жўнадик. Кейин шимолий Африканинг баъзи шаҳарлари ҳамда Андалусда бўлдик. Охири Туркия ва Ливанни зиёрат қилдик.
21. Саид: Бу узоқ сафар.
22. Исом: Ҳа. Лекин биз ҳалигача ярим йўлдамиз.
23. Саид: Дамашқда қанча кун бўласизлар.
24. Исом: Тахминан бир ҳафта.
25. Саид: Ундай бўлса кўплаб маълумотларни тўплашга бизда вақт бўлар экан.
26. Исом: Раҳмат.
27. Саид: Эски шаҳарни зиёрат қилишни хоҳлайсизларми?
28. Амин: Қачон?
29. Саид: Аср намозидан кейин. Эсда тутинглар ер юзида босган ҳар бир қадамингиз тарих бўйлаб қилинган сафардир.
30. Амин: Ҳақиқатда бу ер қадимий маданият маконидир.
31. Саид: Ҳа, археология илми фазилати билан айтиш мумкинки, Дамашқ оламда биринчи инсон яшаган жойдир.
32. Амин: Сен фақат устозмисан ёки тадқиқотчи ҳаммисан?
33. Саид: Икковиман. Сурияда саксонга яқин гуруҳ бир неча осор-атиқаларни қазииш билан шуғулланади. Мен Дамашқ яқинидаги ўша гуруҳнинг бирида ишлайман.
34. Амин: Уни зиёрат қилиш мумкинми?
35. Саид: Нега бўлмас экан?! Мен сизларни уни зиёратига таклиф қиламан.
36. Амин: Қачон?
37. Саид: Эртадан кейин.

38. Амин: Эй Исом фикринг қандай?
 39. Исом: Савол берганинг нимаси! Албатта борамиз. Фурсатни ғанимат билишимиз керак.
 40. Саид: Сурияликларни фахри бўлган 16 минг йиллик қадимий тарихдан манфаат оласизлар.

۱۶

الدرس السادس عشر

- ۱ - هَلْ نَزَكْتُ الحَافِلَةَ يَا عِصَامُ؟
 ۲ - عصام: لا، مِنْ الأَحْسَنِ أَنْ نَزَكْتُ تَاكْسِي.
 ۳ - أمين: عَلَى خَاطِرِكَ.
 ۴ - عصام: أَمْتَعْتُنَا ثَقِيلَةً. وَالتَّاكْسِي أَفْضَلُ فِي هَذِهِ الحَالَةِ.
 ۵ - أمين: أَنْتَ عَلَى صَوَابٍ، ثُمَّ إِنَّنَا لَا نَعْرِفُ المَدِينَةَ.
 ۶ - عصام: أَرْجُوكَ أَنْ تَعَنِّي بِهَذِهِ الأَمْتَعَةِ، هِيَ سَهْلَةٌ الكَسْرِ.
 ۷ - السَّائِقُ: لَا عَلَيْكَ يَا سَيِّدِي. إِطْمَئِنَّ... إِلَى أَيْنَ نَذْهَبُ؟
 ۸ - إِلَى وَسَطِ المَدِينَةِ مِنْ فَضْلِكَ.
 ۹ - السَّائِقُ: إِلَى عُنْوَانِ مُعَيَّنٍ... شَارِعٍ، سَاحَةِ، فُنْدُقٍ...؟
 ۱۰ - عصام: عَفْوًا!... إِلَى فُنْدُقِ الصَّحْرَاءِ.
 ۱۱ - السَّائِقُ: هَذَا فُنْدُقٌ مِنْ أَحْسَنِ فُنَادِقِ المَدِينَةِ، دَوْقُكُمَا سَلِيمٌ.
 ۱۲ - أمين: هَلْ هُوَ غَالٍ؟
 ۱۳ - عصام: اِنْتَبِهْ! اِنْتَبِهْ إِلَى السِّيَّارَةِ...
 ۱۴ - السَّائِقُ: أَيْنَ عَقْلُكَ؟ أَلَا تَرَى أَنَّ هُنَاكَ عَلامَةٌ؟
 ۱۵ - ياسين: كَيْفَ؟ أَنْتَ الَّذِي لَا تَسُوقُ بِحَذَرٍ.
 ۱۶ - عصام: لَا تَتَشَاجَرًا... لَا دَاعِيَ لِلعَضَبِ، هَذَا تَصَادُمٌ بَسِيطٌ، وَنَحْنُ...

- ١٧ - ياسين: عصام! ... يا لها من مفاجأة طيبة!
- ١٨ - أمين: ياسين! ...
- ١٩ - ياسين: أمين! أنت أيضًا هنا. ما زلنا مسافرين على ما يظهر لي.
- ٢٠ - أمين: فعلاً. وماذا تفعل في الكويت؟
- ٢١ - السائق: بإذنكم...
- ٢٢ - ياسين: اطمئن. سنبادل أوراق التأمين في الحين. أنقل الأمتعة إلى سيارتي...
- [.....]
- ٢٣ - عصام: إلى أين نحن ذاهبون الآن يا ياسين؟
- ٢٤ - ياسين: أنا هنا لإعداد زفاف ابني علي وأريدكما بجانبني.
- ٢٥ - أمين: ولكننا حجزنا غرفة في فندق.
- ٢٦ - ياسين: فندق؟ أي فندق؟
- ٢٧ - أمين: فندق "الصحراء".
- ٢٨ - ياسين: لا، لا، لن تذهبنا إلى الفندق، سألغي حجز الغرفة شخصياً.
- [.....]
- ٢٩ - ياسين: هذان صديقاى عصام وأمين. تعرّفوا إليهما في جدّة.
- ٣٠ - حسين: مرحباً بكما. البيت بيتكما.
- ٣١ - عصام: شكراً على ضيافتكما. يا ياسين هل يمكن أن أصور الحفلة؟
- ٣٢ - ياسين: أنت في دارك. افعل ما تشاء. لا تنس أن تترك لي نسخة.
- ٣٣ - عصام: دون شك.
- ٣٤ - حسين: وإلى أين ستوجهان بعد الكويت؟
- ٣٥ - أمين: ننوي زيارة البحرين.
- ٣٦ - حسين: البحرين؟! هذه صدفة سعيدة.
- ٣٧ - أمين: لماذا؟

۳۸ - حُسَيْن: لَأَنْنِي رَبَّانُ سَفِينَةٍ وَبَعْدَ زُفَافِ ابْنَتِي سَاسَافِرُ إِلَى الْبَحْرَيْنِ بِسَفِينَتِي. هَلْ تُرِيدَانِ أَنْ

تُرَافِقَانِي؟

۳۹ - آمين: لَا أَرَى مَانِعًا، سَأَسْأَلُ عَصَامًا.

ЎН ОЛТИНЧИ ДАРС

1. Амин: Эй Исом, автобусга минамизми?
2. Исом: Йўқ. Яхшиси таксига минамиз.
3. Амин: Сени хоҳишингга қараймиз.
4. Исом: Юкларимиз оғир, бу ҳолатда таксига чиққанимиз афзал.
5. Амин: Сени айтганинг тўғри. Қолаверса шаҳарни ҳам билмаймиз.
6. Исом: Илтимос, мана бу буюмга эътибор беринг. Синиши осон экан.
7. Ҳайдовчи: Эй жаноб, безовта бўлманг, хотиржам бўлаверинг...Қаерга кетяпмиз?
8. Исом: Марҳамат қилиб шаҳар марказига
9. Ҳайдовчи: Аниқ жойгами? кўча, майдон, меҳмонхона...?
10. Исом: Кечирасиз!... «Сахро» меҳмонхонасига.
11. Ҳайдовчи: Бу меҳмонхона шаҳардаги энг яхши меҳмонхона. Дидингиз яхши экан.
12. Амин: Қимматми?
13. Исом: Эҳтиёт бўл! Машинага эҳтиёт бўл...
14. Ҳайдовчи: Ақлинг қаерда? Бу ердаги белгини кўрмадингми?
15. Ёсин: Қандай қилиб? Ўзинг эҳтиёткорлик билан ҳайдамас экансан.
16. Исом: Жанжаллашманглар... Ғазаб қилишга ўрин йўқ, бу енгилгина тўқнашув, биз...

17. Ёсин: Исом!... ажойиб учрашув.
18. Амин: Ёсин!...
19. Ёсин: Амин! Сен ҳам шу ердამисан. Ҳали ҳам мусофирмисизлар.
20. Амин: Албатта. Қувайтда нима қиляпсан?
21. Ҳайдовчи: Изнингиз билан...
22. Ёсин: Хотиржам бўл. Суғурта қоғозини ўз вақтида алиштириб оламиз. Буюмларни машинамга олгин.
[.....]
23. Исом: Эй Ёсин ҳозир биз қаерга кетмоқдамиз?
24. Ёсин: Мен бу ерда ўғлимнинг тўйига тайёргарлик қилмоқдаман. Ёнимда туришларингни хоҳлайман.
25. Амин: Меҳмонхонада хона банд қилиб қўйганмиз.
26. Ёсин: Меҳмонхона? Қайси меҳмонхона?
27. Амин: «Сахро» меҳмонхонаси
28. Ёсин: Йўқ, йўқ, меҳмонхонага бормайсизлар, шахсан ўзим хона бандлигини бекор қиламан.
[.....]
29. Ёсин: Булар менинг дўстларим Исом ва Аминлар. Улар билан Жиддада танишганман.
30. Ҳусайн: Хуш келибсизлар, ўз уйингиздек ўтираверинглар.
31. Исом: Меҳмондорлигингиз учун раҳмат. Эй Ёсин, зиёфатни суратга туширсам майлими?
32. Ёсин: Сен ўз ҳовлингдасан. Хоҳлаганингни қилавер. Аммо бир нусха ташлаб кетишни унутма.
33. Исом: Шубҳасиз.
34. Ҳусайн: Қувайтдан кейин қаёққа жўнаб кетмоқчисизлар?
35. Амин: Баҳраинни зиёрат қилишни ният қилиб турибмиз.
36. Ҳусайн: Баҳраин!? Бу бахтли тасодиф.
37. Амин: Нима учун?

38. Ҳусайн: Чунки мен кема эгасиман. Қизимни тўйидан кейин Баҳраинга шахсий кемамда сафар қилдирмоқчиман. Менга ҳамроҳ бўлишни хоҳлайсизларми?
39. Амин: Қарши эмасман, Исомдан сўраб кўрай.

۱۷

الدرس السابع عشر

- ۱ - أمين: قَرَأْتُ بَعْضَ الْمَقَالَاتِ وَشَاهَدْتُ تَحْقِيقًا عَنْ صَيْدِ اللُّؤْلُؤِ فِي سَوَاحِلِ الْبَحْرَيْنِ. وَلَكِنْ لَمْ أَرَ ذَلِكَ عَنْ قُرْبٍ أَبَدًا.
- ۲ - حسين: هَذِهِ فُرْصَةٌ سَاحِحَةٌ إِذَنْ.
- ۳ - أمين: مَاذَا تَعْنِي؟
- ۴ - أنا أَعْرِفُ صَيَادًا. سَأَقْدِمُهُ لَكَ إِذَا أَرَدْتَ.
- ۵ - أمين: طَبَعًا. أُرِيدُ أَنْ أَتَعَرَّفَ عَلَيْهِ. هَذَا مَوْضُوعٌ يَهْمُنِي كَثِيرًا.
- ۶ - حسين: إِذَنْ، عَلَيْنَا أَنْ نَنْتَظِرَ اللَّيْلَ لِتَتَّصِلَ بِهِ هَاتِفِيًّا.
- ۷ - أمين: لِمَاذَا؟
- ۸ - حسين: لِأَنَّهُ يَشْتَغَلُ كُلَّ النَّهَارِ عَادَةً.
- ۹ - أمين: حَسَنًا.
- ۱۰ - حسين: سَتَعِيشُ بَحْرِيَّةً فَرِيدَةً مِنْ نَوْعِهَا.
- ۱۱ - أمين: هَلْ تَسْمَعُ يَا عِصَامَ؟
- ۱۲ - عِصَامُ: مَاذَا؟
- ۱۳ - أمين: قَالَ حُسَيْنٌ إِنَّهُ سَيُحَدِّدُ لَنَا مَوْعِدًا مَعَ صَيَّادٍ.
- ۱۴ - عِصَامُ: مَتَى؟
- ۱۵ - أمين: لَا أَدْرِي بَعْدُ. وَلَكِنِّي أُرْغَبُ فِي التَّعَرُّفِ عَلَيْهِ لِأَسْتَجِوبَهُ.
- ۱۶ - عِصَامُ: وَأَنَا سَأَصَوِّرُ الْإِسْتِجْوَابَ إِذَا سَمَحْتَ.

- ١٧ - أمين: كيف لا؟!
 ١٨ - عصام: سوف يكون تحقيقاً ممتعاً.
 ١٩ - أمين: أتمنى أن يكون كذلك.
 ٢٠ - حسين: يا أمين، قد كلمت الصياد هاتيفياً.
 ٢١ - وماذا قال لك؟
 ٢٢ - حسين: سينتظركم غداً في مَفهى الميناء.
 ٢٣ - أمين: في أي ساعة؟
 ٢٤ - حسين: باكراً. في الساعة السابعة والنصف.
 ٢٥ - أمين: وكيف ستتعرف عليه؟
 ٢٦ - حسين: سأصفه لك: هو رجلٌ أسمر، طويل القامة، له لحيةٌ ووشمٌ مرساةٍ على ذراعه.
 ٢٧ - أمين: ما اسمه؟
 ٢٨ - حسين: أنور.
 [.....]
 ٢٩ - أمين: احك لي، هل صيد اللؤلؤ هواية أم حرفةٌ بالنسبة لك؟
 ٣٠ - أنور: هي حرفةٌ ومنها أعيش.
 ٣١ - أمين: ومتى بدأت هذا العمل؟
 ٣٢ - أنور: لا أتذكر بالضبط... عندما كنتُ طفلاً صغيراً. والدي - رحمه الله - هو الذي علّمني.
 ٣٣ - أمين: وكم من الوقت يمكنُ لك أن تبقى تحت الماء دون أن تتنفس؟
 ٣٤ - أنور: بين ثلاثٍ وأربع دقائق، حسب حالة البحر.
 ٣٥ - أمين: عجيب! كيف يمكنُ أن تبقى كلَّ هذا الوقت بلا أكسجين؟
 ٣٦ - أنور: تمرّنت على ذلك منذُ صغيري.
 ٣٧ - هل تشتغل كلَّ يوم؟
 ٣٨ - أنور: نعم. خصوصاً في فصل الصيف.
 ٣٩ - عصام: لم يبقَ عندي شريطٌ في الكاميرا.

٤٠ - أمين: لا بأس، خمس دقائق للإستراحة.

٤١ - أنور: سأعوض لأبحث عن لؤلؤة.

٤٢ - أمين: وأنا سأعوم قليلاً.

ЎН ЕТТИНЧИ ДАРС

1. Амин: Баъзи мақолалар ўқиб, Баҳрайн соҳилида гавҳар овини амалга оширилишини гувоҳи бўлдим. Ҳеч қачон уни яқиндан кўрмаган эдим.
2. Ҳусайн: Бу унақада қулай фурсат экан.
3. Амин: Нимани англатади.
4. Ҳусайн: Мен овчини танийман, агар хоҳласанг таништириб кўяман.
5. Амин: Албатта у билан танишишни хоҳлайман. Бу мавзу мен учун жуда муҳим.
6. Ҳусайн: Ундай бўлса телефонда боғланиш учун кечкурунни кутишимиз лозим.
7. Амин: Нима учун?
8. Ҳусайн: Чунки одатда, ҳар куни кундузи ишлайди.
9. Амин: Яхши.
10. Ҳусайн: Ажойиб тажрибада яшайсан.
11. Амин: Эй Исом эшитяпсанми?
12. Исом: Нима?
13. Амин: Ҳусайн айтдики, у бизни овчи билан учраштиришга вақт таъйин қилар экан.
14. Исом: Қачон?
15. Амин: Ҳали билмайман. Лекин у билан танишишни хоҳлайман.
16. Исом: Агар рухсат берсанг савол-жавобни суратга туширар эдим.

17. Амин: Нега йўқ экан?!
18. Исом: Қизиқарли тадқиқот бўларди.
19. Амин: Ана шундай бўлишини тилайман.
20. Ҳусайн: Эй Амин, телефон орқали овчи билан гаплашдим.
21. Амин: Сенга нима деди.
22. Ҳусайн: Эртага порт кафесида сизларни кутар экан.
23. Амин: Соат нечада?
24. Ҳусайн: Эрта тонгда, соат етти яримда.
25. Амин: Уни қандай таниб оламиз?
26. Ҳусайн: Сенга уни тасвирлаб бераман. У бугдой ранг, узун коматли, соқолли, билагида лангар татуировкаси бор киши.
27. Амин: Исми нима?
28. Ҳусайн: Анвар.
[.....]
29. Амин: Менга ҳикоя қилиб берчи, бу гавҳар овлаш сен севган ишми ёки касбингми?
30. Анвар: У менинг касбим, мен шу орқали ҳаёт кечираман.
31. Амин: Бу ишни қачон бошладинг?
32. Анвар: Аниғини эслай олмайман...Ёшлик пайтимда, отам раҳматли ўргатган эдилар.
33. Амин: Қанча вақт сув остида нафас олмасдан қолишинг мумкин?
34. Анвар: Денгиз ҳолатига қараб уч ва тўрт дақиқа орасида тура оламан.
35. Амин: Ажабо! Бу вақт оралиғида кислородсиз қолиш қандай бўлади?
36. Анвар: Мен бунга ёшлигимдан шуғулланганман.
37. Амин: Ҳар куни шуғулланасанми?
38. Анвар: Ҳа. Хусусан ёз фаслида.
39. Исом: Фотоаппаратимда лента қолмади.
40. Амин: Зарари йўқ, дам олишга беш минут (ажратамиз).
41. Анвар: Дур қидириш учун сувга шўнғийман.

42. أمين: Мен эса сув устида бироз тураман.

١٨

الدرس الثامن عشر

- ١ - نور: ألو! ...
- ٢ - عصام: مساءً الحَير، اِسمعي جَيِّداً، أنا مُستَعَجِلٌ...
- ٣ - ما الأمر؟
- ٤ - عصام: في السَّاعَةِ العَاشِرَةِ إِلَّا رُبْعًا، شاهِدِي بَرْنَامَجَ "ضَيْفٌ وَحَدَثٌ" فِي تَلْفَزَةِ قَطْر. أنا وَأَمِين ضَيْفَا البَرْنَامَجِ.
- ٥ - نور: رَائِع. أَحْيِرًا سَأْرَاكَ وَلَوْ عَبَّرَ الشَّاشَةَ. يَا عِصَامُ أَبُوكَ مَعْنَا، هَلْ تُرِيدُ أَنْ تُسَلِّمَ عَلَيْهِ؟
- ٦ - عصام: لَيْسَ عِنْدِي الْوَقْتُ الْكَافِي لِأَتَكَلَّمَ مَعَهُ الْآنَ، سَأُكَلِّمُكَ مِنْ جَدِيدٍ بَعْدَ البَرْنَامَجِ.
- ٧ - نور: سَأُكُونُ فِي انْتِظَارِكَ...
- ٨ - عصام: إِلَى اللِّقَاءِ.
- ٩ - نور: إِلَى اللِّقَاءِ.
- ١٠ - الْمُذْبِعَةُ: سَيِّدَاتِي، أَنِسَاتِي وَسَادَاتِي، مَرْحَبًا بِكُمْ فِي بَرْنَامَجِكُمْ هَذَا "ضَيْفٌ وَحَدَثٌ" ضَيْفَانَا الْيَوْمَ هُمَا الْأَخْوَانِ عِصَامُ شُكْرِي وَأَمِينُ الطَّرَابُلِسِيِّ، أَهْلًا وَسَهْلًا بِكُمْ.
- ١١ - عِصَامُ: أَهْلًا.
- ١٢ - أَهْلًا.
- ١٣ - الْمُذْبِعَةُ: أَنْتُمَا رَحَّالَتَانِ بَصَدَدِ إِجْحَازِ اسْتِطْلَاعِ عَنِ الْعَالَمِ الْإِسْلَامِيِّ، أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟
- ١٤ - عِصَامُ: فِعْلًا هَذَا قَصْدُنَا.
- ١٥ - الْمُذْبِعَةُ: مَتَى وَمِنْ أَيْنَ بَدَأْتُمَا رِحْلَتِكُمَا؟
- ١٦ - أمين: انْطَلَقْنَا مِنْ مَدِينَةِ عَمَّانَ حَيْثُ نَسْكُنُ عَادَةً، وَاسْتَعْرَقَ سَفَرُنَا حَتَّى قَطَرَ حَوَالِي ثَمَانِيَةَ أَشْهُرٍ.

- ۱۷ - الْمُدْبِيعَةُ: يَا سَلَام! هَذِهِ مُدَّةٌ طَوِيلَةٌ.
- ۱۸ - عِصَام: أَكِيدُ. وَلَكِنَّ مِهْمَةَ الصَّحْفِيِّ لَيْسَتْ سَهْلَةً. هِيَ مِهْمَةٌ تَحْتَاجُ إِلَى وَقْتٍ وَصَبْرٍ.
- ۱۹ - الْمُدْبِيعَةُ: طَبَعًا. وَكَمْ بَلَدًا زُرْتُمَا حَتَّى الْآنَ؟
- ۲۰ - عِصَام: أَحَدَ عَشَرَ بَلَدًا وَسِتَّ عَشْرَةَ مَدِينَةً. وَلَكِنَّ هَذَا لَا يَعْنِي أَنَّنَا زُرْنَا كُلَّ الْبُلْدَانِ الْإِسْلَامِيَّةِ.
- ۲۱ - الْمُدْبِيعَةُ: لِمَاذَا؟
- ۲۲
- عِصَام: لِأَنَّ مِيزَانِيَّتَنَا مَحْدُودَةٌ. لَوْ اسْتَطَعْنَا لَدَهَبْنَا إِلَى كُلِّ بَلَدٍ إِسْلَامِيٍّ وَلَكِنَّ...
- ۲۳ - الْمُدْبِيعَةُ: هَلْ حَصَلْتُمْ عَلَى الْمَعْلُومَاتِ الْكَافِيَةِ لِتَحْقِيقِ مَشْرُوعِكُمَا؟
- ۲۴ - عِصَام: مَا زِلْنَا نَجْمَعُهَا وَلَكِنْ تَكُونُ جَاهِزَةً حَتَّى نَرْجِعَ إِلَى عَمَّانَ.
- ۲۵ - الْمُدْبِيعَةُ: تَكَلَّمْنَا عَنِ الْمَاضِي، وَمَاذَا عَنِ الْمُسْتَقْبَلِ؟
- ۲۶ - أَمِين: سَتَتَوَجَّهَ إِلَى أَبُو ظَبِي وَبَاكِسْتَانِ وَبَانْغَلَا دِيشِ وَمَالِيْزِيَا، إِنْ شَاءَ اللَّهُ.
- ۲۷ - الْمُدْبِيعَةُ: إِنْ شَاءَ اللَّهُ. أُنَمِّي لَكُمْ سَفَرًا مُفِيدًا، وَشُكْرًا لَكُمْ عَلَى هَذِهِ الْمُقَابَلَةِ.
- ۲۸ - عِصَام: الشُّكْرُ لَكَ، وَنَحْيَةٌ لِتَلْفِزَةِ قَطْرَ.
- ۲۹ - الْمُدْبِيعَةُ: إِلَى هُنَا...
- ۳۰ - نُور: اِنْتَهَى، هَيَّا! حَانَ وَقْتُ النَّوْمِ.
- ۳۱ - طَارِق: رِيْمَ نَائِمَةٌ.
- ۳۲ - نُور: لَا بَأْسَ. سَأَحْمِلُهَا إِلَى سَرِيرِهَا.
- ۳۳ - طَارِق: تُصْبِحُ عَلَى خَيْرٍ يَا جَدِّي.
- ۳۴ - الْجَدُّ: لَيْلَةٌ سَعِيدَةٌ يَا طَارِقُ.

ЎН САККИЗИНЧИ ДАРС

1. Нур: Алло!...
2. Исом: Хайрли тун, яхшилаб эшитгин мен шошиб турибман...

3. Нур: Иш нима бўляпти?
4. Исом: Соат ўн беш минут кам ўнда, Қатар телеканалдаги «Кутилмаган меҳмон» дастурини тамоша қилгин. Мен ва Амин ана шу дастур меҳмонимиз.
5. Нур: Ажойиб, охири экран орқали бўлса ҳам кўрар эканманда. Эй Исом! Отанг биз билан биргалар, унга салом айтасанми?
6. Исом: Ҳозир отам билан гаплашишга етарли вақтим йўқ. Дастурдан кейин янгидан гаплашамиз.
7. Нур: Сени кутаман....
8. Исом: Хайр.
9. Нур: Хайр.
10. Сухандон: Хонимлар ва жаноблар, бизнинг «Кутилмаган меҳмон» дастуримизга хуш келибсизлар. Бугунги меҳмонимиз икки биродар Исом Шукрий ва Амин Таробулисийлардир. Икковингиз хуш келибсиз.
11. Исом: Хуш келибсиз.
12. Амин: Хуш келибсиз.
13. Сухандон: Икковингиз Ислом олами ҳақида изланиш муносабати билан саёҳат уюштиргансизлар, шундай эмасми?
14. Исом: Ҳақиқатда мақсадимиз шудир.
15. Сухандон: Саёҳатни қачон ва қаердан бошладинглар?
16. Амин: Одатда яшайдиган жойимиз Уммондан сафаримиз бошланиб, ўша сафаримиз Қатаргача саккиз ой давом этди.
17. Сухандон: Ажабо! Бу узоқ муддат.
18. Исом: Муқаррар. Лекин журналист вазифаси осон эмас. У шундай вазифаки, вақт ва сабрга муҳтождир.
19. Сухандон: Албатта, ҳозиргача нечта шаҳар зиёрат қилдинглар.
20. Исом: Ўн бир ўлка ва ўн олтита шаҳар. Лекин бу дегани барча Исломий ўлкаларни зиёрат қилдик, дегани эмас.
21. Сухандон: Нима учун?

22. Исом: Чунки бюджетимиз чегараланган. Агар имконини қилсак барча Исломий ўлкаларга борамиз. Бироқ...
23. Сухандон: Режаларни амалга ошириш учун кифоя қилгудек маълумотни қўлга киритдингларми?
24. Исом: Ҳалигача тўпламоқдамиз. Уммонга қайтиб боргунимизча тайёр бўлмайди.
25. Сухандон: Биз ҳозиргача ўтган тарих хусусида сўзлашдик, келажак ҳақида ҳам бирор нарса борми?
26. Амин: Иншоаллоҳ Абу Даби, Покистон ва Бангладешга жўнаймиз.
27. Мухбир: Иншааллоҳ, сизларга фойдали сафар бўлишини сўраб қоламан. Бу учрашувингиз учун раҳмат.
28. Исом: Сизга ҳам раҳмат. Қатар телевидениясига ҳам салом.
29. Сухандон: Бу ерга....
30. Нур: Тугади, қани кетдик! Ухлаш вақти бўлди.
31. Ториқ: Рим ухляпти.
32. Нур: Зарари йўқ, ўзим уни каравотга олиб бораман.
33. Ториқ: Эй бобожон яхши қолинг.
34. Бобо: Хайрли тонг эй Ториқ.

۱۹

الدرس التاسع عشر

۱ - أمين: لِمَاذَا أَلْقَيْنَا الْمِرْسَاةَ هُنَا وَسَطَ الْبَحْرِ؟

۲ - حَسَنٌ: لِأَنَّ الدُّخُولَ إِلَى الْمَرْسَى مُنْتَوِعٌ لِيَاثًا.

۳ - أمين: إِذَنْ سَتَبْقَى هُنَا.

۴ - حَسَنٌ: نَعَمْ.

- ٥ - أمين: وَمَتَى سَتُنَابِعُ سَفَرَنَا؟
- ٦ - حسن: عَدَا بَاكِرًا إِنْ شَاءَ اللَّهُ.
- ٧ - أمين: طَيِّب. سَأُبْحَثُ عَنْ عِصَامٍ لِأَخِيرِهِ.
- ٨ - حسن: لِحُظَّةٍ مِنْ فَضْلِكَ.
- ٩ - أمين: مَا الْأَمْرُ؟
- ١٠ - حسن: سَمِعْتُ أَنَّكُمْ سَتُرُورَانِ دَاكَا، وَبِمَا أَنِّي مِنْ هُنَاكَ، أَوَدُّ أَنْ أَدْعُوَكُمْ إِلَى بَيْتِي.
- ١١ - أمين: وَمَتَى سَتَكُونُ فِي دَاكَا؟
- ١٢ - حسن: عِنْدِي إِجَارَةٌ لِلشَّهْرِ الْمُقْبِلِ.
- ١٣ - أمين: كَثَّرَ اللَّهُ خَيْرَكَ. أَعْطِنِي عُنْوَانَكَ.
- ١٤ - أمين: أمين: يَا عِصَامُ! هَلْ تَعْلَمُ أَنَّنا سَنَقْضِي اللَّيْلَ هُنَا؟
- ١٥ - عصام: طَبَّعًا.
- ١٦ - أمين: إِذَنْ، أَنْتَ تَعْرِفُ أَنَّ الدُّخُولَ إِلَى الْمَرْسَى مَمْنُوعٌ لَيْلًا.
- ١٧ - عصام: نَعَمْ. لَا تَنْسَ أَيُّ ابْنِ بَحَّارٍ... تَعَالَ! خُذْ كُرْسِيًّا وَاجْلِسْ بِجَانِبِي. أَنْظُرْ إِلَى السَّمَاءِ وَتَمَتَّعْ بِهَذَا الْهُدُوءِ وَهَذَا النَّسِيمِ.
- ١٨ - أمين: سَأَحْضِرُ الْحَاسُوبَ لِأَسْتَعْلِفَ قَلِيلًا.
- ١٩ - عصام: نَحْنُ اسْتَعْلَمْنَا كُلَّ النَّهَارِ. اسْتَرْحِ الْآنَ.
- ٢٠ - حسين: يَا آمِينَ، يَا عِصَامُ! هُنَاكَ عَاصِفَةٌ تَقْتَرِبُ مِنَّا بِسُرْعَةٍ، يَجِبُ أَنْ نَرْفَعَ الْمِرْسَاةَ حَالًا.
- ٢١ - عصام: عَاصِفَةٌ؟! الْبَحْرُ هَادِيٌّ وَالسَّمَاءُ صَافِيَةٌ.
- ٢٢ - حسين: أَنْتَ عَلَى حَقِّ. وَلَكِنْ أَنْظُرْ إِلَى الْعَرَبِ. هُنَاكَ سَحَابَةٌ ضَخْمَةٌ تَتَوَجَّهُ نَحُونًا.
- ٢٣ - أمين: هُنَاكَ بَرْقٌ أَيْضًا. مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ نَفْعَلَ إِذَنْ؟
- ٢٤ - حسين: مِنَ الْأَحْسَنِ أَنْ تَذْهَبَا إِلَى قَمَرَتِكُمَا قَبْلَ وُصُولِ الْعَاصِفَةِ وَالْأَخْرُجَا مِنْهَا.
- ٢٥ - أمين: هَيَّا بِنَا يَا عِصَامُ. النَّسِيمُ أَصْبَحَ رِيحًا. وَالْمَطَرُ لَنْ يَتَأَخَّرَ.
- ٢٦ - أمين: السَّفِينَةُ تَتَحَرَّكُ بِشِدَّةٍ. أَنَا لَا أَتَحَمَّلُ هَذَا. هَلْ عِنْدَكَ حَبَّةٌ دَوَاءٍ ضِدَّ الدُّوَارِ؟
- ٢٧ - عصام: نَعَمْ. هِيَ فِي الْحَقِييبَةِ.

- ۲۸ - أمين: آه! أنا لا أقدر أن أتحرك. أرجوك، ناولني الحبة.
- ۲۹ - عصام: خذ. سأحضرك لك كأس ماء.
- ۳۰ - أمين: شكرًا. أحسُّ باللم في كلِّ جسمي.
- ۳۱ - عصام: صبرًا يا أمين. أنا أيضًا سأتمدد على السرير.
- ۳۲ - حسين: كيف حالكمَا؟ هذه أكبر عاصفةٍ عشتها في البحر... وأشدُّها.
- ۳۳ - أمين: بالنسبة إليّ، هي أسوأ تجرّبة.
- ۳۴ - حسين: ولكنك الآن بخير.
- ۳۵ - أمين: أنا أحسنُ والحمد لله.

ЎН ТЎҚҚИЗИНЧИ ДАРС

1. Амин: Нима учун лангарни бу ерда денгиз ўртасига ташладик?
2. Ҳасан: Чунки (лангар ташлаб) тўхташ жойга кечаси кириш ман этилади.
3. Амин: Ундоқ бўлса шу ерда қоламиз.
4. Ҳасан: Хўп.
5. Амин: Қачон сафаримизни давом эттирамыз.
6. Ҳасан: Эртага барвақт иншоаллоҳ.
7. Амин: Яхши. Хабар бериш учун Исомни қидираман.
8. Ҳасан: Марҳамат қилиб бир лаҳза кутинг.
9. Амин: Нима гап?
10. Ҳасан: Эшитишимча, сизлар Даккани зиёрат қилар экансизлар, мен эса ўша ерликман. Сизларни ўз уйимга чақиришни истайман.
11. Амин: Қачон Даккада бўласиз.
12. Ҳасан: Келгуси ойгача дам оламан.

13. Амин: Аллоҳ яхшиликларингни кўпайтирсин. Менга адресингни бер.
14. Амин: Эй Исом! Биз кечани шу ерда ўтказишимизни биласанми?
15. Исом: Албатта.
16. Амин: Ундай бўлса, сен лангар ташлаб кема тўхтатиладиган жойни билар экансанда.
17. Исом: Ҳа, унутмагинки, мен денгизчини ўғлиман....
Келгин! Мана бу курсини олиб ёнимга ўтир бу сокинлик ва шабададан баҳра ол.
18. Амин: Ҳисоб-китоб қилувчининг олдига бориб, озгина ишлай.
19. Исом: Биз кун бўйи ишладик, озгина дам олгин.
20. Ҳусайн: Эй Амин, эй Исом! Ана бу ерда бўрон, биз томон тезлик билан яқинлашмоқда. Ҳозироқ лангарни кўтармоқ шарт.
21. Исом: Бўрон!? Денгиз осойишта, осмон эса мусаффо.
22. Ҳусайн: Сен ҳақсан, лекин ғарб томонга қарагин, ана бу томондан биз томонга улкан булут юриб келмоқда.
23. Амин: Ана бу ерда момоқалди роқ ҳам бўлмоқда. Унда нима қилмоғимиз лозим.
24. Ҳусайн: Яхшиси бўрон келишидан олдин хоначага бориб, у ердан чиқмаслигингиз яхши.
25. Амин: Қани кетдик эй Исом. Майин эсан шабада шамолга айланди. Ёмғир эса кечикмайди.
26. Амин: Кема қаттиқ ҳаракатланмайди. Мен эса буни кўтара олмайман. Сенда бош айланишига қарши дори таблеткаси борми?
27. Исом: Ҳа, у чамадонда.
28. Амин: Оҳ! Мен ҳаракатланишга қодир эмасман. Илтимос дорини менга узатиб юбор.
29. Исом: Олгин, сенга стаканда сув келтираман.

30. Амин: Раҳмат. Жисмимни ҳар бир жойида оғриқ ҳис қилмоқдаман.
31. Исом: Сабр қил эй Амин. Мен ҳам каравотда чўзилиб оламан.
32. Ҳусайн: Аҳволларингиз қандай? Бу денгизда яшаганимдаги энг катта ва шиддатли бўрон.
33. Амин: Бу менга нисбатан энг ёмон тажриба.
34. Ҳусайн: Лекин сен ҳозир яхшисан.
35. Амин: Аллоҳга ҳамд бўлсин мен яхшиман.

۲۰

الدَّرْسُ الْعِشْرُونَ

- ۱ - يُونس: هَلْ تُرِيدُ أَنْ تَشْتَرِيَ شَيْئًا يَا سَيِّدِي؟ عِنْدِي سَجَادَةٌ صَغِيرَةٌ، مَذْيَاعٌ جَنِيْبٌ، فَلَمْ ذَهَبِي، قَمِيصٌ مِنْ حَرِيرٍ...
- ۲ - عِصَام: يَا هَذَا مِنْ مُفَاجَأَةٍ. أَنْتَ تَتَكَلَّمُ الْعَرَبِيَّةَ!
- ۳ - يُونس: لَا غَرَابَةَ. أَنَا أَتَعَلَّمُهَا مِنْذُ صِغَرِي. بَدَأْتُ فِي السَّنَةِ السَّابِعَةِ مِنْ عُمْرِي وَمَا زِلْتُ أَدْرُسُهَا حَتَّى الْآنَ.
- ۴ - عِصَام: فِي الْجَامِعَةِ؟
- ۵ - يُونس: لَا. فِي الْمَدْرَسَةِ الْقُرْآنِيَّةِ.
- ۶ - أَمِين: هُنَا فِي مَدِينَةِ كِرَاتَشِي؟
- ۷ - يُونس: طَبَعًا.
- ۸ - عِصَام: مَا اسْمُكَ؟
- ۹ - يُونس: اسْمِي يُونس، يُونس أَسْلَم، يُونس لَقْبِي.
- ۱۰ - عِصَام: وَأَنَا عِصَام. هَذَا صَدِيقِي أَمِين.
- ۱۱ - يُونس: تَشَرَّفْنَا.

- ١٢ - أمين: عِنْدَكَ دَرَجَةٌ نَارِيَّةٌ غَرِيبَةٌ.
- ١٣ - يونس: هِيَ قَدِيمَةٌ جِدًّا وَلَكِنِّي أَعْتَنِي بِهَا. أَهْدَاهَا لِي أَبِي لِأَسْتَعِجَلَ بِهَا.
- ١٤ - أمين: إِذْنُ أَنْتِ تَعْمَلُ وَتَدْرُسُ.
- ١٥ - يونس: أَعْمَلُ لِأَدْرُسَ وَأَكُلُ وَأَدْفَعُ ثَمَنَ الْكِرَاءِ وَأَشْتَرِي الْبِضَاعَةَ لِلتِّجَارَةِ.
- ١٦ - عِصَام: لَا شَكَّ أَنَّ أُسْرَتَكَ فَخُورَةٌ بِكَ.
- ١٧ - يونس: أَكِيدُ. وَأَنَا فَخُورٌ بِهَا أَيْضًا... هَلْ تُرِيدَانِ أَنْ تَشْتَرِيَا شَيْئًا؟
- ١٨ - عِصَام: عِنْدِي فِكْرَةٌ أَحْسَنُ. مَتَى تَنْتَهِي مِنْ عَمَلِكَ؟
- ١٩ - يونس: حَوَالِي السَّاعَةِ الْعَاشِرَةِ. لِمَادًا؟
- ٢٠ - عِصَام: لِأَنَّنا لَا نَعْرِفُ الْمَدِينَةَ، وَأَقْتَرِحُ أَنْ تُرْشِدَنَا عَبْرَ شَوَارِعِنَا وَأَثَارِهَا.
- ٢١ - يونس: لَيْسَ عِنْدِي وَقْتُ كَثِيرٌ وَلَكِنْ...
- ٢٢ - عِصَام: اِسْمَعْ! سَتَحْصُلُ عَلَى نُفُودٍ إِضَافِيَّةٍ، وَمِنْ جِهَةٍ أُخْرَى هَذِهِ فُرْصَةٌ لِتُمَارِسَ اللُّغَةَ الْعَرَبِيَّةَ

مَعَنَا.

- ٢٣ - يونس: حَتَّى مَتَى سَتَبْقِيَانِ هُنَا؟
- ٢٤ - أمين: حَتَّى يَوْمِ الْجُمُعَةِ الْمُقْبِلِ.
- ٢٥ - يونس: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ تُحَدِّدَ مَوْعِدًا لِيَعْدَ عَدِي؟
- ٢٦ - عِصَام: يَوْمَ الْأَرْبَعَاءِ؟
- ٢٧ - أمين: يَوْمَ الْأَرْبَعَاءِ هُوَ فَاتِحُ شَهْرِ رَمَضَانَ.
- ٢٨ - عِصَام: مَا رَأَيْكَ يَا أَمِينُ؟
- ٢٩ - أمين: لَا أَرَى مَا نَبَعًا.
- ٣٠ - أَيْنَ تُقِيمَانِ؟
- ٣١ - أمين: فِي فُنْدُقٍ. خُذْ هَذِهِ الْبِطَاقَةَ. عَلَيْهَا عُنْوَانُ وَهَاتِفُ الْفُنْدُقِ.
- ٣٢ - يونس: سَأَتَّصِلُ بِكُمْ هُنَاكَ يَوْمَ الْأَرْبَعَاءِ بَاطِلًا، إِنْ شَاءَ اللَّهُ.
- ٣٣ - عِصَام: طَيِّبٌ. إِلَى الْمُلتَقَى.

[.....]

۳۴ - یونس: هَذِهِ هِيَ الْمَدْرَسَةُ الْقُرْآنِيَّةُ الَّتِي أَدْرُسُ فِيهَا. هَيَّا نَدْخُلْ.

۳۵ - أمين: لَا أَدْخُلُ هُنَا؟

۳۶ - یونس: الْإِمَامُ فَقَطْ، وَلَكِنَّهُ مَشْغُولٌ فِي مَكْتَبِهِ. هُنَا يَدْرُسُ الْأَطْفَالُ الصِّغَارُ.

۳۷ - أمين: وَأَيْنَ تَدْرُسُ أَنْتَ؟

۳۸ - یونس: فِي الطَّابِقِ الْأَوَّلِ. هَيَّا نَرَاهُ.

۳۹ - أمين: أَلَيْسَ هُنَا مَقَاعِدُ؟

۴۰ - یونس: الْمَقَاعِدُ فِي الْمَكْتَبَةِ فَقَطْ.

ЙИГИРМАНЧИ ДАРС

1. Юнус: Эй ҳожам бирор нарса сотиб олишни хоҳлайсизми? Менда кичкина жойнамоз, чўнтак радиоси, тилла қалам ва ипакли кўйлак бор.

2. Исом: Оҳ тасодифни қаранг. Сиз араб тилида гапирасизми!

3. Юнус: Ажабланишни кераги йўқ. Мен кичиклигимдан бери уни ўрганаман. Етти ёшимда бошлаганман. Ҳозиргача ўқийман.

4. Исом: Университетдами?

5. Юнус: Йўқ Қуръон мадрасасида.

6. Амин: Бу ерда Карочи шаҳридами?

7. Юнус: Албатта.

8. Исом: Исминг нима?

9. Юнус: Исмин Юнус. Юнус Аслам. Аслам бу менинг лақабим.

10. Исом: Мен Исомман. Бу дўстим Амин.

11. Юнус: Биз сиздан жуда хурсандмиз.

12. Амин: Сенда ажойиб мотоцикл бор экан.

13. Юнус: У жуда эски лекин мен унга қараб тураман. Ишлашим учун отам ҳадя қилган.

14. Амин: Унда сен ҳам ишлаб, ҳам ўқир экансанда.

15. Юнус: Ўқиш, ейиш, ижара пулини тўлаш ҳамда тижорат учун мол сотиб олиш мақсадида ишлайман.
16. Исом: Шубҳасиз оиланг сен билан фахрланишга арзийди.
17. Юнус: Ҳақиқатда мен ҳам фахрланаман. Сизлар бирор нарса сотиб олишни хоҳлайсизларми?
18. Исом: Менда яхши фикр бор. Қачон ишингни тўхтатасан.
19. Юнус: Соат ўн атрофида. Нима учун?
20. Исом: Чунки биз шаҳарни билмаймиз, кўчаларни ва ёдгорликларни таништирсанг илтимос.
21. Юнус: Менинг вақтим йўқ, лекин....
22. Исом: Эшит! Қўшимча пул ҳам қўлга киритасан, яна биз билан бирга араб тилини машқ қилиб оласан.
23. Юнус: Қачонгача бу ерда қоласизлар?
24. Амин: Келгуси жумагача.
25. Юнус: Эртадан кейинга бирор вақтни белгилашимиз мумкинми?
26. Исом: Чоршанба куни.
27. Амин: Чоршанба куни Рамазон ойини бошланиши.
28. Исом: Эй Амин фикринг қандай?
29. Амин: Монеълик йўқ.
30. Юнус: Қаерда яшаяпсизлар?
31. Амин: Меҳмонхонада. Мана бу зиёрат гувоҳномасини ол, унда меҳмонхона телефони ва адреси бор.
32. Юнус: Чоршанба куни эрта тонгда иншааллоҳ сизлар билан телефон орқали боғланаман.
33. Исом: Яхши, кўришгунча.
[.....]
34. Юнус: Мана бу мен ўқийдиган Қуръон мадрасаси. Қани кирамиз.
35. Амин: Бу ерда бирор киши йўқ.
36. Юнус. Фақат имом экан, лекин у ўз хонасида машғул экан. Мана бу ерда ёш болалар дарс ўқишмоқда.

37. Амин: Сен қаерда ўқийсан?
 38. Юнус: Биринчи қаватда. Қани кетдик кўрамиз.
 39. Амин: Бу ерда ўтирадиган жой йўқми?
 40. Юнус: Ўтирадиган жой фақат кутубхонада.

۲۱

الدرس الواحد والعشرون

- ۱ - عَصَامُ: مَا بِكَ يَا أَمِينُ؟ وَجْهَكَ شَاحِبٌ. هَلْ أَنْتَ مَرِيضٌ؟
 ۲ - أَمِينُ: هَلْ تَمْرُحُ؟ أَنْتَ تَعْلَمُ أَنَّي لَا أَحْمَلُ الْإِضْطِرَابَاتِ الْجَوِّيَّةِ.
 ۳ - عَصَامُ: وَلَكِنَّكَ قُلْتَ دَائِمًا إِنَّكَ تُحِبُّ الطَّيْرَانَ؟
 ۴ - أَمِينُ: نَعَمْ. هَذَا صَحِيحٌ إِلَّا فِي حَالَةِ الْإِضْطِرَابَاتِ الْجَوِّيَّةِ.
 ۵ - عَصَامُ: هَلْ تَنَاوَلْتَ الْحَبَّةَ، ضِدَّ الدَّوْحَةِ.
 ۶ - أَمِينُ: لَا، لَمْ أَتَنَاوَلْهَا؛ كَيْفَ تُرِيدُ أَنْ أَتَنَاوَلَهَا وَأَنَا صَائِمٌ...
 ۷ - عَصَامُ: طَيِّبٌ يَا أَمِينُ. لَا تَغْضَبْ.
 ۸ - أَمِينُ: مَا أَسْوَأَ حَظِّي! ... آه...
 ۹ - عَصَامُ: لَا، يَا أَمِينُ، لَا، اِنْتَظِرْ...
 ۱۰ - أَمِينُ: أَكْرَهُ الْمَرَضَ.
 ۱۱ - عَصَامُ: اِطْمَئِنَّ. أَنْتَ فِي حَاجَةٍ إِلَى الرَّاحَةِ وَالْهُدُوءِ.
 ۱۲ - أَمِينُ: نَعَمْ. وَلَكِنْ عِنْدَنَا عَمَلٌ كَثِيرٌ.
 ۱۳ - عَصَامُ: لَا بَأْسَ. سَأَخْرِجُ وَحْدِي.
 ۱۴ - أَمِينُ: سَأَخْرِجُ مَعَكَ.
 ۱۵ - عَصَامُ: لَا، يَا أَمِينُ. اِبْقِ هُنَا. فَضْلًا عَنِ ذَلِكَ الْمَطَرِ يَنْزِلُ. اِسْمَعْ...
 ۱۶ - أَمِينُ: رَغَمَ هَذَا أَوْدُ أَنْ أُرَافِقَكَ.

١٧ - عِصَام: كَمْ أَنْتَ عَيْنِيدِ! لَنْ تُرَافِقَنِي، مَفْهُومٌ! تَمَّ قَلِيلًا لِتَسْتَرِيحَ. سَأَلْتَقَطُ بَعْضَ الصُّورِ، وَأَرْجِعُ قَبْلَ سَاعَةِ الْإِفْطَارِ.

١٨ - آمِين: طَيِّب. كَمَا تُرِيدُ.

[.....]

١٩ - نور: إِشْرَبْ يَا حَبِيبِي هَذَا الدَّوَاءَ لِتَخْفِيفِ الحَمَى.

٢٠ - طَارِق: مَاذَا قَالَ الطَّيِّبُ يَا مَامَا؟

٢١ - نور: قَالَ إِنَّكَ فِي حَاجَةٍ إِلَى مُلَازِمَةِ الْفِرَاشِ، وَعَلَيْكَ أَنْ تَتَنَاوَلَ الدَّوَاءَ وَتَشْرَبَ كَثِيرًا مِنَ الْمَاءِ وَالْعَصِيرِ.

٢٢ - طَارِق: هَلْ وَصَفَ لِي حُقْنَةً؟

٢٣ - نور: لا، لا تَخَفْ، لَمْ يَصِفْ لَكَ إِلَّا حُبُوبًا وَشَرَابًا وَقَطْرَاتٍ.

٢٤ - طارق: الْحَمْدُ لِلَّهِ. أَنَا أَكْرَهُ الحُقْنَ.

٢٥ - نور: وَلَكِنْ، خِلَالَ أَرْبَعَةِ أَيَّامٍ عَلَيْكَ أَلَّا تَتَنَاوَلَ الحُلُويَّاتِ وَالْمُتَلَّجَاتِ.

٢٦ - طارق: لَا بَأْسَ... يَا مَامَا! أُرِيدُ أَنْ أَرَى صُورَ مَالِيْزِيَا.

٢٧ - نور: حَاضِرًا! هُنَاكَ بِطَاقَةٌ بَرِيدِيَّةٌ أَيْضًا.

٢٨ - طارق: هَلْ هِيَ مِنْ عِنْدِ بَابَا؟

٢٩ - نور: نَعَمْ. خُذْ. هَذِهِ هِيَ الصُّورُ، هَلْ أَقْرَأُ البِطَاقَةَ البَرِيدِيَّةَ؟

٣٠ - طارق: نَعَمْ. مِنْ فَضْلِكَ.

٣١ - نور: إِلَى أَسْرِي العَزِيْزَةِ: أَمَتِّي أَنْ تَكُونُوا بِحَيِّرٍ. الْكُلُّ هُنَا عَلَى مَا يُرَامُ، مَا عَدَا الإِضْطِرَابَاتِ

الجُؤَيَّةَ خِلَالَ السَّفَرِ بِالطَّائِرَةِ.

رَمَضَانَ كَرِيمٍ.

عِصَام.

[.....]

٣٢ - نور: إِسْتَيْقِظْ يَا طَارِقَ، إِسْتَيْقِظْ.

٣٣ - طارق: أَيْنَ أَنَا؟

۳۴ - نور: بِجَانِبِ مَآمَا. اِطْمَئِنَّ، كَانَ حُلْمًا مُرْعَجًا فَقَطَّ، جَبِينِكَ سَاخِنٌ جِدًّا، سَأَضَعُ لَكَ مِيزَانَ

الْحَرَارَةَ.

ЙИГИРМА БИРИНЧИ ДАРС

1. Исом: Эй Амин сенга нима бўлди? Юзинг оқарган, касалмисан?
2. Амин: Мазаҳ қиялпсанми? Биласан-ку? Мен оғир ҳавони кўтара олмайман.
3. Исом: Лекин сен, доим, ўзинг учишни яхши кўришингни айтасанку?
4. Амин: Ҳа, бу тўғри лекин оғир ҳаво ундай эмас.
5. Исом: Бош айланишига қарши дори тановул қилдингми?
6. Амин: Йўқ, уни тановул қилмадим. Қандай қилиб тановул қиламан, ахир мен рўзадорманку...
7. Исом: Яхши эй Амин. Ғазабланма.
8. Амин: Оҳ...Насибанг ёмон экан.
9. Исом: Йўқ, эй Амин. Йўқ кут...
10. Амин: Касалликни ёмон кўраман.
11. Исом: Тинчлан. Сенга дам олиш ва тинчлик керак.
12. Амин: Ҳа, лекин бизнинг ишимиз кўп.
13. Исом: Ҳечқиси йўқ, бир ўзим чиқаман.
14. Амин: Сен билан бирга чиқаман.
15. Исом: Йўқ эй Амин. Бу ерда қол. Бундан ташқари ёмғир ёғмоқда. Эшит....
16. Амин: Шунга қарамасдан ҳам сенга ҳамроҳ бўлишни истайман.
17. Исом: Мунча қайсарсан! Менга ҳамроҳ бўлма, тушундингми! Дам олиш учун озгина ухлагин. Айрим суратларни расмга оламан. Ифторликдан олдин қайтаман.

18. Амин: Яхши, сен хоҳлаганингча бўлсин.
[.....]
19. Эй севиклигим, бу дорини иситмани тушириш учун ич.
20. Торик: Эй онажон дўхтир нима деди?
21. Нур: Сен ётишинг керак. Дори тановул қилишинг ҳамда кўп сув ва шарбат ичишинг лозим.
22. Торик: Менга уколни ҳам тавсия қилдими?
23. Нур: Йўқ, кўркма, сенга фақат таблетка, шароб ва томчиларни тавсия қилди.
24. Торик: Алҳамдулиллаҳ, мен уколни ёмон кўраман.
25. Нур: Лекин, тўрт кун мобайнида ширинлик ҳамда муздек нарсаларни тановул қилмаслигинг керак.
26. Торик: Ҳечқиси йўқ...эй онажон! Малайзия суратини кўришни хоҳлайман.
27. Нур: Ҳозир! Ана бу ерда аткритка ҳам бор.
28. Торик: У отамникими?
29. Нур: Ҳа, мана бу суратни олгин. Откриткани ўқийми?
30. Торик: Ҳа марҳамат қилиб ўқинг.
31. Нур: Азиз оиламга яхшилик тилайман. Бу ерда барча нарса жойида. Фақат самалёт билан қилинган сафардаги изтиробни ҳисобга олмаганда.
Рамазони шариф. Исом.
[.....]
32. Нур: Эй Торик уйғон, уйғон.
33. Торик: Мен қаердаман?
34. Нур: Онанг ёнидасан. Тинчлан. Фақат босинқираяпсан холос. Пешонанг жуда иссиқ. Сенга иситма ўлчагични кўяман.

الدرس الثاني والعشرون

- ١ - زُبَيْر. عَفْوًا. أَنْتُمَا أَجَنَّبِيَّانِ، أَلَيْسَ كَذَلِكَ؟
- ٢ - أَمِين: نَعَمْ، مَنْ أَنْتَ؟
- ٣ - زُبَيْر: إِسْمِي زُبَيْر. أَنَا فَنَانٌ وَمُدِيرُ مَسْرَحٍ لِلعَرَائِسِ. عِيدٌ مُبَارَكٌ.
- ٤ - (أَمِين+عَصَام): عِيدٌ مُبَارَكٌ سَعِيدٌ.
- ٥ - زُبَيْر: رَأَيْتُكُمْ تَصَوِّرَانِ أَمْسٍ فِي وَسْطِ الْمَدِينَةِ، وَصُدْفَةً صَلَّىنا صَلَاةَ الْعِيدِ فِي نَفْسِ الْمَسْجِدِ.
- ٦ - عَصَام: أَنْتَ تَتَكَلَّمُ الْعَرَبِيَّةَ الْفُصْحَى بِطَلَاقَةٍ.
- ٧ - زُبَيْر: شُكْرًا، أَتَكَلَّمُ عِدَّةَ لُغَاتٍ. أَنَا أَسَافِرُ كَثِيرًا وَأَحْتَاجُ إِلَى الْكَلَامِ بَعْدَةَ لُغَاتٍ لِيَفْهَمَنِي الْمُشَاهِدُونَ.
- ٨ - أَمِين: الْمُشَاهِدُونَ؟! أَيُّ مُشَاهِدِينَ؟
- ٩ - زُبَيْر: كَمَا قُلْتُ لَكُمْ، عِنْدِي مَسْرَحٌ لِلعَرَائِسِ. أَكْتُبُ الْحَوَازَاتِ وَأُتَرِّجُهَا. وَأَعْطِي صَوْتِي لِكُلِّ دُمِيَّةٍ بَعْدَةَ لُغَاتٍ.
- ١٠ - أَمِين: هَلْ هَذِهِ مِهْنَةٌ أَمْ هَوَايَةٌ؟
- ١١ - زُبَيْر: هِيَ مِهْنَةٌ وَهَوَايَةٌ، أَنَا أَدْعُوكُمْ إِلَى زِيَارَةِ مَسْرَحِي إِذَا أَرَدْتُمَا.
- ١٢ - أَمِين: مَتَى؟ الْيَوْمَ يَوْمَ عِيدِ الْفِطْرِ.
- ١٣ - زُبَيْر: إِذَنْ عَدًّا مَثَلًا.
- ١٤ - عَصَام: لَمْ لَأ؟ عَدًّا.
- ١٥ - زُبَيْر: مَا اسْمُكُمْ؟
- ١٦ - أَمِين: عَفْوًا نَسِينَا أَنْ نُقَدِّمَ أَنْفُسَنَا. أَنَا أَمِينٌ وَهُوَ عَصَامٌ.
- ١٧ - زُبَيْر: خُذَا. هَذِهِ بِطَاقَتِي عَلَيْهَا عُنْوَانِي.
- ١٨ - عَصَام: وَهَذِهِ بِطَاقَتُنَا.
- ١٩ - زُبَيْر: آه أَنْتُمَا صُحْفِيَّانِ؟ هَلْ أَنْتُمَا فِي مُهِمَّةٍ هُنَا؟
- ٢٠ - عَصَام: أَجَلٌ، نَحْنُ نَعُدُّ اسْتِطْلَاعًا، وَيَهُمُّنَا كَثِيرًا أَنْ نَزُورَ مَسْرَحَكَ.

- ٢١ - زُبَيْر: إِلَى الْغَدِ إِذْنٌ. سَأَتَّصِلُ بِكُمْ هَاتِفِيًّا.
- ٢٢ - أمين: مَعَ السَّلَامَةِ.
- ٢٣ - زُبَيْر: مَرْحَبًا بِكُمْ. سَاعِدُ الدُّمِيِّ. إِنَّ مَسْرَحَ الْعَرَائِسِ فَنٌّ عَرِيقٌ فِي بِلَادِنَا.
- ٢٤ - عِصَام: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ نُصَوِّرَ الْمَشْهَدَ.
- ٢٥ - زُبَيْر: نَعَمْ. وَأَتَمَّتْ أَنْ تَتَكَلَّمَا عَنْ مَسْرَحِي فِي اسْتِطْلَاعِكُمَا.
- ٢٦ - أمين: إِذْنٌ، أَنَا أَيْضًا سَأَسَجِّلُ الْحِوَارَاتِ.
- ٢٧ - عِصَام: لَا دَاعِي لِدَلِيكَ يَا أَمِين. يَهْدِيهِ الْكَامِيرَا يُمَكِّنُ التَّصْوِيرَ وَالتَّسْجِيلَ مَعًا. سَاعِدْنِي مِنْ فَضْلِكَ.

[.....]

- ٢٨ - الأمير: يَا غَوْلُ! أَنْظِرْ إِلَى هُنَا.
- ٢٩ - الغول: مَنْ أَنْتَ؟
- ٣٠ - الأمير: أَنَا أَمِيرٌ وَأُرِيدُ أَنْ تَدَعَ الْأَمِيرَةَ.
- ٣١ - الغول: هَلْ تَمْرُحُ؟
- ٣٢ - الأمير: لَا. لَا أَمْرُحُ، أَنْتَ لَسْتَ غَوْلًا حَقِيقِيًّا، أَنْتَ كَذَّابٌ وَنَصَابٌ.
- ٣٣ - الغول: كَيْفَ؟
- ٣٤ - الأمير: إِذَا كُنْتَ غَوْلًا حَقِيقِيًّا فَتَحَوَّلْ إِلَى نَمْرِ.

[.....]

- ٣٥ - الأمير (طارق): وَالْآنَ نَحْوَلْ إِلَى فَرَاشَةٍ.
- ٣٦ - الأمير (طارق): أَنْتِ حُرَّةٌ. إِرْجِعِي إِلَى قَصْرِ أَبِيكَ.
- ٣٧ - طارق: شُكْرًا، شُكْرًا.
- ٣٨ - الجُدُّ: مَرْحَبًا.
- ٣٩ - نور: أَحْسَنْتَ يَا طَارِقُ.
- ٤٠ - ريم: أَنْتَ فَنَانٌ كَبِيرٌ.

ЙИГИРМА ИККИНЧИ ДАРС

1. Зубайр: Кечирасизлар сизлар чет элликмисиз, шундай эмасми?
2. Амин: Ҳа, сен кимсан?
3. Зубайр: Исминим Зубайр. Мен кўғирчоқ театрида санъаткор ва мудирман. Ҳайитингиз муборак бўлсин.
4. (Амин+Исом): Ҳайитингиз муборак ва бахтли бўлсин.
5. Зубайр: Мен кеча сизларни, шаҳар ўртасида суратга олаётганингизни кўрдим. Тасодифни қаранг, бир масжидда ҳайит намозини ўқидик.
6. Исом: Сен адабий (фасоҳатли) тилда эркин гапирар экансан.
7. Зубайр: Раҳмат, бир неча тилларда гапира оламан. Мен кўп сафарда бўламан. Томошабинлар англаши учун бир неча луғатда сўзлашишга тўғри келади.
8. Амин: Томошабинлар!? Қанақа томошабинлар?
9. Зубайр: Сизларга айтганимдек, менинг кўғирчоқ театрим бор. Драматик асар ёзиб, таржима қиламан. Ҳар бир кўғирчоққа бир неча луғатда овоз бераман.
10. Амин: Бу сенинг касбингми ёки яхши кўрган ишингми?
11. Зубайр: У касбим ва яхши кўрган ишим. Мен сизларни хоҳласанглар театрни зиёрат қилишга таклиф этаман.
12. Амин: Қачон? Бугун фитр ҳайити куни.
13. Зубайр: Ундай бўлса эртага.
14. Исом: Нима учун? Эртага.
15. Зубайр: Исмингиз нима?
16. Амин: Кечирасиз ўзимизни таништиришни унутибмиз. Мен Аминман ва у Исом.
17. Зубайр: Олинглар. Мана бу маълумотномада адресим бор
18. Исом: Бу бизни маълумотнома.
19. Зубайр: Оҳ, сизлар журналистмисиз, сизлар бу ерда муҳим иш билан юрибсизларми?

20. Исом: Ҳа, бизлар изланиш олиб боришга тайёрланмоқдамиз. Сени театрингни зиёрат қилиш муҳимроқ.
21. Зубайр: Ундай бўлса эртага сизлар билан телефон орқали боғланаман.
22. Амин: Кўришгунча.
23. Зубайр: Хуш келибсизлар. Мен кўғирчоқларни тайёрлаб кўяман. Кўғирчоқ театри юртимизда қадимий санъатлардан.
24. Исом: Парда кўринишини суратга туширишимиз мумкинми?
25. Зубайр: Ҳа, театрим ҳақида ўз фикрларингизни гапиришингизни хоҳлайман.
26. Амин: Ундай бўлса мен ҳам суҳбатни ёзиб оламан.
27. Исом: Эй Амин бунга эҳтиёж йўқ. Бу камера билан суратга тушириш ҳам овоз ёзиш ҳам мумкин. Марҳамат қилиб ёрдам бергин.
- [.....]
28. Амир: Эй Гул! Бу ерга қарагин.
29. Гул: Сен кимсан?
30. Амир: Мен Амирман. Амирани тарк қилишингни хоҳлайман.
31. Гул: Масхара қилмоқдасанми?
32. Амир: Йўқ, масхара қилмаяпман. Сен ҳақиқий Гулмассан. Сен ёлғончи, фирибгарсан.
33. Гул: Қандай қилиб?
34. Амир: Агар ҳақиқий Гул бўлсанг йўлбарсга айланиб қол.
- [.....]
35. Амир (Ториқ): Ҳозир сен капалакка айлан.
36. Амир (Ториқ): Сен озодсан, отангни қасрига қайтавер.
37. Торик: Раҳмат, раҳмат.
38. Бобо: Марҳабо хуш келибсан!
39. Нур: Яхши қилдинг эй Торик.
40. Рим: Сен катта санъаткорсан.

٢٣

الدرس الثالث والعشرون

- ١ - أمين: أهلاً وسهلاً يا حسن.
- ٢ - حسن: مَرَحَبًا بِكُمَا فِي بِلَادِي. كَيْفَ كَانَتْ إِقَامَتُكُمَا هُنَا حَتَّى الْآنَ؟
- ٣ - أمين: مُمْتَازَةٌ، إِشْتَعَلْنَا كَثِيرًا. عِنْدَنَا كَثِيرٌ مِنَ الصُّورِ وَالْأَشْرَطَةِ.
- ٤ - عصام: يُمَكِّنُ أَنْ تَرَاهَا إِذَا أَرَدْتَ.
- ٥ - حسن: بِكُلِّ سُرُورٍ.
- ٦ - عصام: فِي الْحَقِيقَةِ، هَدَفْنَا الْآنَ هُوَ إِعْدَادُ تَحْقِيقِ عَن حَفْلَةٍ مَحَلِّيَّةٍ وَأَصِيلَةٍ.
- ٧ - حسن: مِثْلُ مَاذَا مَثَلًا؟
- ٨ - عصام: حَفْلَةُ خِتَانٍ أَوْ حَفْلَةُ خُطُوبَةٍ أَوْ...
- ٩ - حسن: أَفَهُمْ قَصْدُكُمَا. عِنْدِي صَدِيقٌ. هُوَ كَأَبٍ بِالنِّسْبَةِ لِي. سَيَحْجُجُ إِلَى مَكَّةَ الْمُكْرَمَةِ.
- ١٠ - عصام: أَنَا لَا أَفَهُمُ جَيِّدًا نَيْتَكَ.
- ١١ - حسن: يُمَكِّنُ أَنْ نَحْضُرَ حَفْلَةَ الْوَدَاعِ.
- ١٢ - أمين: حَفْلَةُ الْوَدَاعِ!؟
- ١٣ - حسن: نَعَمْ، الْأُسْرَةُ وَالْأَصْدِقَاءُ سَيُعِدُّونَ حَفْلَةً لَوَدَاعِهِ.
- ١٤ - عصام: وَ... أَلَيْسَ مِنْ سُوءِ الْأَدَبِ أَنْ نُصَوِّرَ حَفْلَةً مِثْلَ هَذِهِ.
- ١٥ - حسن: كَلَّا، لَا أَظُنُّ. مِنْ عَادَةِ النَّاسِ أَنْ يُصَوِّرُوا هَذِهِ الْحَفَلَاتِ.
- ١٦ - أمين: مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ نَفْعَلَ إِذَنْ؟
- ١٧ - حسن: رَافِقَانِي. سَأَقْدِمُ لَكُمَا الشَّيْخَ مُحَمَّدًا. هُوَ رَجُلٌ مُسْنٌ. وَهُوَ عَالِمٌ وَمُحْتَرَمٌ بَيْنَ النَّاسِ.
- ١٨ - حسن: السَّلَامُ عَلَيْكُمْ.
- ١٩ - مُحَمَّدٌ: وَعَلَيْكُمْ السَّلَامُ. تَفَضَّلُوا. مَرَحَبًا بِكُمْ.
- ٢٠ - حسن: أَقْدِمُ لَكَ عِصَامًا وَأَمِينًا، هُمَا صَحْفِيَّانِ أُرْدُنِيَّانِ.

- ۲۱ - مُحَمَّد: أَهْلًا وَسَهْلًا، الْبَيْتُ بَيْتُكُمْ، خُذَا رَاحَتَكُمْ.
- ۲۲ - حَسَن: أَمِين وَعِصَام يُرِيدَانِ تَصْوِيرَ الْحُقْلَةِ.
- ۲۳ - مُحَمَّد: طَبَعًا. طَبَعًا. لَا مَانِعَ.
- ۲۴ - عِصَام: سَتَرْتُكُمْ لَكُمْ نُسخَةً مِنْ كُلِّ صُورَةٍ لِيَكِي تَكُونُ تَذَكَارًا لِلْجَمِيعِ.
- ۲۵ - مُحَمَّد: كَثَّرَ اللَّهُ خَيْرَكُمْ. مَاذَا تَفْعَلَانِ بَعِيدًا عَنِ بَلَدِكُمْ؟
- ۲۶ - عِصَام: نَحْنُ نَعْمَلُ فِي صَحِيفَةٍ فِي عَمَّانَ وَمُهَمَّتْنَا هِيَ إِنْجَازُ اسْتِطْلَاعِ عَنِ الْعَالَمِ الْإِسْلَامِيِّ.
- ۲۷ - مُحَمَّدٌ بِالتَّوْفِيقِ إِنْ شَاءَ اللَّهُ. وَإِلَى أَيْنَ سَتَذْهَبَانِ بَعْدَ ذَآكَ؟
- ۲۸ - عِصَام: نَنْوِي أَنْ نَذْهَبَ إِلَى مَكَّةَ الْمُكْرَمَةِ.
- ۲۹ - مُحَمَّد: وَلِمَ لَا نَعْتَمِدُ الْفُرْصَةَ وَنُسَافِرُ جَمِيعًا؟
- ۳۰ - عِصَام: نَعَمْ، هَذِهِ فِكْرَةٌ حَسَنَةٌ.
- ۳۱ - الْمُضَيَّفَةُ: سَيِّدَاتِي وَسَادَاتِي، بَعْدَ قَلِيلٍ سَتَهْبِطُ الطَّائِرَةُ فِي مَطَارِ جَدَّةَ الدُّوَلِي، ازْبَطُوا الْأَخْزِمَةَ مِنْ فَضْلِكُمْ.
- ۳۲ - مُحَمَّد: أَنَا مُتَأَثِّرٌ، عَزَمْتُ عَلَى الْحَجِّ مُنْذُ سَنَوَاتٍ وَهِيَ أَنَا أَحَبُّهَا هُنَا لِأَحَقِّقَ أُمْنِيَّتِي، الْحَمْدُ لِلَّهِ.

ЙИГИРМА УЧИНЧИ ДАРС

1. Амин: Хуш келибсан эй Ҳасан.
2. Ҳасан: Шаҳримизга хуш келибсизлар. Ҳозиргача шаҳримиздаги истиқомат қай даражада бўлди?
3. Амин: Жуда яхши, кўп ишладик. Бизда кўплаб сурат ва овоз тасмалари бор.
4. Исом: Агар хоҳласанг кўришинг мумкин.
5. Ҳасан: Мамнуният билан.
6. Исом: Ҳақиқатда ҳозирги мақсадимиз маҳаллий ва аслий байрамларни шрганишга тайёргарлик кўриш.
7. Ҳасан: Масалан нима?
8. Исом: Хатна тўйи ёки унаштириш маросими ёки....

9. Ҳасан: Мақсадларингни тушундим, менинг бир дўстим бор. У менга худди ота каби бўлиб қолган. Ўша киши Маккаи мукаррамага ҳаж қилмоқчи.
10. Исом: Мен ниятингни яхши англамадим.
11. Ҳасан: Видолашув маросимига қатнашишимиз мумкин.
12. Амин: Видолашув маросими?
13. Ҳасан: Ҳа, оила, дўстлар видолашув маросимига тайёргарлик қилишади.
14. Исом: Бу каби маросимни суратга тушириш одобсизлик эмасми?
15. Ҳасан: Асло ундоқ деб гумон қилмайман. Бу каби маросимларни қилиш одамлар одатидир.
16. Амин: Ундоқ бўлса нима қилиш лозим.
17. Ҳасан: Менга ҳамроҳ бўлинглар. Сизларни шайх Муҳаммад билан таништириб қўяман. У кекса ёшли, олим ва одамлар орасида ҳурматли кишидир.
18. Ҳасан: Ассалому алайкум.
19. Муҳаммад: Ва алайкум ассалом. Марҳамат қилинглари, хуш келибсизлар.
20. Ҳасан: Сизларга Исом ва Аминларни таништириб қўяман. Булар Иорданиялик журналистлар.
21. Муҳаммад: Хуш келибсизлар, ўз уйингиздек бемалол ўтираверинглари.
22. Ҳасан: Амин ва Исом маросимни суратга туширишни хоҳлашяпти.
23. Муҳаммад: Албатта, албатта, монъелик йўқ.
24. Исом: Сизларни ҳаммангизга эсдалик учун барча суратдан бир нусхадан берамиз.
25. Муҳаммад: Аллоҳ яхшиликларингизни кўпайтирсин. Шаҳарларингиздан йироқда нима қилмоқдасизлар?

26. Исом: Биз Уммонда журналист бўлиб ишлаймиз. Муҳим ишларимиздан бири, Ислом олами ҳақида изланишларни олиб бориш.

27. Муҳаммад: Аллоҳ муваффақ қилсин. Дакка шаҳридан кейин қаерга борасизлар?

28. Исом: Маккаи муқаррамага боришни ният қилиб турибмиз.

29. Муҳаммад: Нима учун фурсатни ғанимат билмаймиз. Барчамиз сафар қилайлик.

30. Исом: Ҳа, бу яхши фикр.

31. Стюардесса: Хонимлар ва жаноблар, бироздан кейин тайёра халқаро Жидда тайёрагоҳига кўнади. Марҳамат қилиб тасмаларни боғланг.

32. Муҳаммад: Мен жуда таъсирландим. Бир неча йилдан бери ўйлаб юрар эдим. Мана охири алҳамдулиллоҳ орзуларимни рўёбга чиқармоқдаман.

٢٤

الدرس الرابع والعشرون

١ - مُحَمَّدٌ: مَا أَجْمَلَ كُلِّ هَذَا! هُنَا كُلُّ النَّاسِ سَوَاسِيَةٌ. نَفْسُ الْعَايَةِ، نَفْسُ اللَّيَّاسِ وَنَفْسُ اللَّوْنِ.

٢ - عِصَامٌ: فِعْلًا، لَوْنٌ أَبْيَضٌ لِلْجَمِيعِ. لَوْنُ السَّلَامِ، لَوْنُ الْحَجِّ. هُنَا، لَا فَرْقَ بَيْنَ الْعَنِيِّ وَالْفَقِيرِ، بَيْنَ الْأَبْيَضِ وَالْأَسْوَدِ، بَيْنَ الْقَوِيِّ وَالضَّعِيفِ...

٣ - مُحَمَّدٌ: أَنْتَ عَلَى حَقِّي يَا أَخِي، وَكُلُّهُمْ جَاءُوا مِنْ جَمِيعِ أُنْحَاءِ الْعَالَمِ بَحْثًا عَنِ الْمَغْفِرَةِ.

٤ - أَمِينٌ: لَسْتُ مُلْهَمًا مِثْلَكُمْ وَلَكِنْ، رَعِمَ أَنِّي شَاهَدْتُ الطَّوْفَ وَالْكَعْبَةَ وَالْحَجَرَ الْأَسْوَدَ مَرَّاتٍ عَدِيدَةً، كُلُّ مَا أَرَاهُ وَأَحْسُ بِهِ الْآنَ جَدِيدٌ بِالنِّسْبَةِ لِي.

٥ - عِصَامٌ: لِحُسْنِ الْحِطِّ سُنُورٌ كُلُّ شَيْءٍ عَنِ قُرْبِ.

- ٦ - أمين: انظُرْ يَا عِصَامَ، هُنَاكَ وَرَاءَكَ، إِلَى الْيَمِينِ...
- ٧ - عِصَام: هُوَ يَاسِينَ... يَاسِينَ، يَا يَاسِينَ!
- ٨ - يَاسِينَ: كَمْ أَنَا سَعِيدٌ بِلِقَائِكُمَا مِنْ جَدِيدٍ!
- ٩ - أمين: هَا نَحْنُ جَمِيعًا مَرَّةً أُخْرَى.
- ١٠ - يَاسِينَ: نَعَمْ. وَهَذِهِ الْمَرَّةُ فِي مَكَّةَ الْمُكْرَمَةِ.
- ١١ - أمين: أَقْدِمْ لَكَ الشَّيْخَ مُحَمَّدًا، هُوَ مِنْ دَاكَا، تَعَرَّفْنَا إِلَيْهِ هُنَاكَ وَجِئْنَا لِلْحَجِّ جَمِيعًا.
- ١٢ - يَاسِينَ: تَشَرَّفْنَا، أَنَا مِنْ هُنَا. إِذَا كُنْتَ فِي حَاجَةٍ إِلَى شَيْءٍ مَا فَاطَلْبُهُ مِنِّي دُونَ حَرْجٍ.
- ١٣ - مُحَمَّد: شُكْرًا عَلَى بُحَامَلَتِكَ يَا يَاسِينَ.
- ١٤ - يَاسِينَ: الْعَمُو يَا عِصَامَ، أَنْتَ وَآمِينَ مَحْظُوظَانِ. كُلَّمَا سَافَرْتُمَا إِلَى مَكَانٍ مَا تَعَرَّفْتُمَا إِلَى أَنَاسٍ طَيِّبِينَ وَمُنْتَفِعِينَ.
- ١٥ - عِصَام: أَنْتَ عَلَى حَقٍّ، وَلِلَّهِ الْحَمْدُ وَالشُّكْرُ عَلَى هَذَا الْحِظِّ.
- ١٦ - يَاسِينَ: وَهَلْ سَتَسْتَعْلَانِ أَيْضًا؟
- ١٧ - عِصَام: طَبَعًا. نَحْنُ هُنَا لِإِنهَاءِ عَمَلِنَا.
- ١٨ - يَاسِينَ: إِذَنْ، بَعْدَ الْحَجِّ سَتَعُودَانِ إِلَى عَمَانَ؟
- ١٩ - عِصَام: نَعَمْ، إِنْ شَاءَ اللَّهُ.
- ٢٠ - يَاسِينَ: لَا شَكَّ أَنْتُمَا مُشْتَقَانِ إِلَى أَهْلِكُمَا.
- ٢١ - عِصَام: أَكِيدُ، أَنَا مُشْتَقٌّ إِلَى أَهْلِي وَبَيْتِي وَأَصْدِقَائِي فِي عَمَانَ.
- ٢٢ - أمين: وَأَنَا أَيْضًا، كُلَّمَا اقْتَرَبْنَا مِنْ عَمَانَ أَحْسَسْتُ بِشَوْقٍ أَكْبَرَ.
- [.....]
- ٢٣ - الْجَدُّ: هَلْ أَنْتَ مُسْتَعِدٌّ يَا طَارِقُ؟
- ٢٤ - طَارِق: نَعَمْ.
- ٢٥ - الْجَدُّ: هَيَّا بِنَا إِلَى الْمَسْجِدِ إِذَنْ.
- ٢٦ - طَارِق: طَارِق: أَنْظُرْ إِلَى هَذِهِ الصُّورَةِ.
- ٢٧ - الْجَدُّ: الْبَيْتُ الْحَرَامُ، أَنَا أَذْكُرُهُ جَيِّدًا.

- ۲۸ - طارق: وَكَيْفَ سَافَرْتَ إِلَى هُنَاكَ؟
 ۲۹ - الْجَدُّ: سَافَرْتُ رَاجِعًا.
 ۳۰ طارق: رَاجِعًا؟!
 ۳۱ - الْجَدُّ: نَعَمْ، وَوَصَلْتُ تَعِبًا جِدًّا، وَلَكِنَّ التَّعَبَ مَا كَانَ مُشْكِلًا، كُنْتُ شَابًّا قَوِيًّا.
 ۳۲ - طارق: هَلْ هُنَاكَ مَنْ يُسَافِرُ رَاجِعًا حَالِيًّا؟
 ۳۳ - الْجَدُّ: لَا أَظُنُّ، الْآنَ هُنَاكَ كَثِيرٌ مِنْ وَسَائِلِ السَّفَرِ.
 ۳۴ - طارق: وَمَتَى سَنَذِيحُ الْحُرُوفَ؟
 ۳۵ - الْجَدُّ: كَالْعَادَةِ، بَعْدَ صَلَاةِ الْعِيدِ.
 ۳۶ - الْجَدُّ: بِسْمِ اللَّهِ وَاللَّهُ أَكْبَرُ.
 ۳۷ - طارق: عِيدُكُمْ مُبَارَكٌ سَعِيدٌ.
 ۳۸ - نور: اللَّهُمَّ اغْفِرْ لَنَا!

ЙИГИРМА ТҶҮРТИНЧИ ДАРС

1. Муҳаммад: Бунинг барчаси жуда гўзал! Бу ерда ҳамма баробар тенгдир, кийимлар ва ранглар ҳам бир.
2. Исом: Ҳақиқатда, оқ ранг барча учун, тинчлик ранги, ҳаж ранги. Бу ерда бой-камбағал, оқ-қора ҳамда кучли-кучсиз орасида фарқ йўқ.
3. Муҳаммад: Сен ҳақсан эй биродар, барчалари бутун дунёдан мағфират талабида келишган.
4. Амин: Сизлар каби эмасман. Лекин тавоф, каъба, қора тошни бир неча марта шоҳиди бўлганимга қарамасдан ҳозир кўраётган нарсаларни менга янгидек туюляпти.
5. Исом: Яхши ҳамки, барча нарсани яқиндан суратга туширамиз.
6. Амин: Эй Исом қарагин, мана бу ерга, орқангга, ўнгга...

7. Исом: У Ёсин...Ёсин, эй Ёсин!
8. Ёсин: Янгидан сизлар билан кўришганимга қанчалик бахтлилигимни билсангиз эди!
9. Амин: Барчамиз иккинчи марта кўришмоқдамиз.
10. Ёсин: Ҳа, бу гал Маккаи муқаррамада кўришмоқдамиз.
11. Амин: Сенга шайх Муҳаммадни таништириб қўяман. У Дакка шаҳридан. Биз у билан ўша ерда танишдик ва ҳажга барчамиз келдик.
12. Ёсин: Бизни жуда хурсанд қилдингиз. Мен шу ерликман. Агар бирор нарсага муҳтож бўлиб қолсангиз бемалол мендан талаб қилаверинг.
13. Муҳаммад: Эй Ёсин, мулозаматинг учун раҳмат.
14. Ёсин: Кечирасизлар, эй Исом, сен ва Амин насибали экансизлар. Ҳар гал бирор жойга сафар қилсаларингиз яхши ва маданиятли одамлар билан танишасизлар.
15. Исом: Сен ҳақсан, бундай нарсага насибадор қилган Аллоҳга ҳамд ва шукрлар бўлсин.
16. Ёсин: Яна ишлайсизларми?
17. Исом: Албатта, биз ишимизни тугатиш арафасида турибмиз.
18. Ёсин: Ундоқ бўлса ҳаж тугагандан кейин Уммонга қайтасизларми?
19. Исом: Ҳа иншааллоҳ.
20. Ёсин: Шубҳасиз сизлар ўз аҳли-аёлингизга муштоқсиз.
21. Исом: Албатта мен Уммондаги аҳлим, уйим ва дўстларимга муштоқман.
22. Амин: Мен ҳам, ҳар гал Уммонга яқинлашсам улкан шавқни ҳис этаман.
[.....]
23. Эй Торик сен тайёрмисан?
24. Торик: Ҳа.
25. Бобо: Ундай бўлса қани масжидга кетдик.

26. Торик: Бу сураатга қарагин.
27. Бобо: Байтул ҳаром (Каъба), мен уни яхши эслайман.
28. У ерга қандай сафар қилдингиз?
29. Бобо: Пиёда сафар қилдим.
30. Торик: Пиёда.
31. Бобо: Ҳа жуда чарчаган ҳолда етиб келдим. Лекин чарчаш муаммо эмас. Чунки мен кучли йигит эдим.
32. Торик: Ҳозир ҳам пиёда борадиганлар борми?
33. Бобо: Ундай деб ўйламайман. Ҳозир сафар воситалари кўпайиб кетган.
34. Торик: Қўйни қачон сўямиз?
35. Бобо: Одатдагидек, ҳайит намозидан кейин.
36. Бобо: Бисмиллаҳи валлоҳу акбар.
37. Бобо: Ҳайитларингиз муборак, бахтли кечсин.
38. Нур: Аллоҳим, гуноҳларимизни кечир.

۲۵

الدرس الخامس والعشرون

- ۱ - عصام: هل أعددت هذا الإستقبال من أجلنا؟
- ۲ - نور: طبعًا، مَرَحَبًا يَا عِصَام، مَرَحَبًا.
- ۳ - عِصَام: أهلاً بك يا نور... كَمْ كُنْتُ مُشْتَاقًا إِلَيْكُمْ!
- ۴ - ريم: بابا... بابا...
- ۵ - عِصَام: أهلاً يا حَبِيبَتِي... دَعِينِي أَنْظُرُ إِلَيْكَ. أَنْتِ كَبُرْتَ، أَصْبَحْتَ فَتَاهُ جَمِيلَةً... طارق!
- ۶ - طارق: بابا... أخيرًا وَصَلْتُ.
- ۷ - عصام: أَنْتِ أَيْضًا كَبُرْتَ وَصِرْتَ شَابًّا. كَمْ أَنْتِ طَوِيلٌ!
- ۸ - الجُدُّ: الْحَمْدُ لِلَّهِ عَلَى السَّلَامَةِ يَا بُنَيَّ.

- ٩ - عَصَام: وَالِدِي الْعَزِيزُ... كَيْفَ حَالِكَ؟
- ١٠ - الْجَدُّ: الْآنَ عَلَى أَحْسَنِ مَا يُرَامُ.
- ١١ - عَصَام: كَمْ أَنَا سَعِيدٌ بِالْعَوْدَةِ إِلَى الْبَيْتِ!
- ١٢ - الْجَدُّ: كَيْفَ كَانَ هَذَا السَّفَرُ يَا بُنَيَّ؟ لَا شَكَّ أَنَّكَ تَعِبَ.
- ١٣ - عَصَام: لَا، لَسْتُ تَعِيبًا، مَعَ أَنَّ السَّفَرَ كَانَ طَوِيلًا، فِعْلًا نَحْنُ رَجُلَانِ شَجَاعَانِ، أَلَيْسَ كَذَلِكَ يَا أَمِينُ؟ أَمِينُ! أَيْنَ هُوَ؟
- ١٤ - عَصَام: هَا هُوَ، يَا وَالِدِي، هَذَا أَمِينُ، صَدِيقِي وَرَفِيقِي طَوَالَ هَذَا السَّفَرِ.
- ١٥ - الْجَدُّ: مَرَحَبًا بِكَ يَا أَمِينُ.
- ١٦ - أَمِينُ: أَهْلًا وَسَهْلًا. عَصَام حَدَّثَنِي عَنْكَ مِرَارًا خِلَالَ السَّفَرِ. أَهْلًا يَا سَيِّدَهُ نُورُ.
- ١٧ - نُورُ: الْحَمْدُ لِلَّهِ عَلَى سَلَامَتِكَ يَا سَيِّدَ أَمِينُ.
- ١٨ - طَارِقُ: مَرَحَبًا يَا عَمُّ أَمِينُ.
- ١٩ - أَمِينُ: أَهْلًا يَا طَارِقُ... أَهْلًا يَا رِيَمُ.
- ٢٠ - طَارِقُ: هَلْ هَذَا طَبْلُكَ؟
- ٢١ - أَمِينُ: نَعَمْ. يَعْني... كَانَ طَبْلِي. هُوَ الْآنَ لَكَ.
- ٢٢ - طَارِقُ: لِي؟! شُكْرًا يَا عَمُّ أَمِينُ.
- ٢٣ - أَمِينُ: عَفْوًا، وَهَذِهِ الْكَامِيرَا الصَّغِيرَةُ لَكَ يَا رِيَمُ.
- ٢٤ - رِيَمُ: شُكْرًا يَا عَمُّ أَمِينُ.
- ٢٥ - طَارِقُ: هَلْ يُمَكِّنُ أَنْ تَقْرَعَ الطَّبْلَ؟
- ٢٦ - أَمِينُ: أَنْ أَقْرَعَهُ! أَنَا!؟
- ٢٧ - عَصَام: هَيَّا يَا أَمِينُ، اقْرَعِ الطَّبْلَ.
- ٢٨ - طَارِقُ: مَا رَأَيْتُكَ فِي حَائِطِي؟
- ٢٩ - عَصَام: رَائِعٌ! هَلْ هُنَاكَ كُلُّ الصُّوَرِ؟
- ٣٠ - طَارِقُ: لَا، كُلُّهَا لَا. هُنَاكَ صُورٌ أُخْرَى فِي الْأَلْبُومِ. هُنَا نَصُّ عَنْ مَدِينَةِ فَاسٍ، وَهَذِهِ قُصَاصُهُ الصَّحَافَةِ التُّرْكِيَّةِ، وَهَذِهِ الصُّورَةُ مِنْ...

۳۱ - عِصَام: كَوَالَامِبُور، هَذِهِ الصُّورَةُ صُوِّرَتْ تَحْتَ الْمَطَرِ.

۳۲ - طَارِق: وَهَذِهِ صُوْرَةُ صَيَّادِ اللُّؤْلُؤِ.

۳۳ - عِصَام: نَعَمْ، لَمْ تَكُنْ سَهْلَةً، هَذِهِ الصُّورَةُ.

۳۴ - نُوْر: حَانَ وَقْتُ النَّوْمِ يَا طَارِقُ...

۳۵ - طَارِق: تُصْبِحِينَ عَلَيَّ خَيْرٍ يَا أُمِّي. تُصْبِحُ عَلَيَّ خَيْرٍ يَا أَبَا.

۳۶ - عِصَام: تُصْبِحُ عَلَيَّ خَيْرٍ.

[.....]

۳۷ - الْجَنِّيُّ: لَكَ الْحَقُّ فِي ثَلَاثِ رَعَبَاتٍ، لَا أَكْثَرَ. فَكَّرَ حَيِّدًا.

۳۸ - طَارِق: أَوْلَا؛ أَرِيدُ أَنْ أَكُونَ مُصَوِّرًا مِثْلَ أَبِي. ثَانِيًا؛ أَمَتِّي أَنْ أُسَافِرَ كَثِيرًا كَمَا يُسَافِرُ أَبِي.

وَنَالِيًا؛ أَوْدُ أَنْ أَكُونَ مُسَلِّمًا صَالِحًا (...).

ЙИГИРМА БЕШИНЧИ ДАРС

1. Исом: Бу учрашувни биз учун уюштирдингми?
2. Нур: Албатта, хуш келибсан эй Исом. Хуш келибсан, хуш келибсан.
3. Исом: Хуш келибсан эй Нур... мен сизларга қанча муштоқ бўлганимни билсангизлар эди!
4. Рим: Ота...ота....
5. Исом: Хуш келибсан суюклигим... Сенга қарайин. Сен улғайиб қолибсан. Чиройли қиз бўлибсан...Ториқ.
6. Торик: Ота...охирини етиб келдингиз-а?!
7. Исом: Сен ҳам улғайиб, йигит бўлиб қолибсан.
8. Бобо: Саломат бўлингани учун Аллоҳга ҳамд бўлсин, эй ўғилчам.
9. Исом: Азиз отажон...аҳволингиз қандай?
10. Бобо: Ҳозир жуда яхши.
11. Исом: Уйга қайтганимдан қандай хурсандлигимни билсангиз эди.

12. Бобо: Эй ўғилчам, бу сафар қандай бўлди. Шубҳасиз чарчагандирсан.
13. Исом: Йўқ, сафар узоқ давом этишига қарамасдан чарчамаганман. Бизлар шижоатлимиз шундайми, эй Амин? Амин! Қаерда у.
14. Исом: Мана у эй отажон. Бу Амин. Узоқ давом этган сафардаги дўстим ва ҳамроҳим.
15. Бобо: Хуш келибсан эй Амин.
16. Амин: Хуш келибсиз. Исом сиз ҳақингизда кўп гапирди. Хуш келибсиз Нур хоним.
17. Нур: Эй жаноб Амин, соғ бўлганингиз учун Аллоҳга ҳамд бўлсин.
18. Торик: Эй Амин амаки, хуш келибсиз.
19. Амин: Хуш келибсан эй Торик... Хуш келибсан эй Рим.
20. Торик: Бу сенинг доирангми?
21. Амин: Ҳа, ...менинг доирам. У ҳозир сеники.
22. Торик: Мен учун?!
23. Амин: Кечирасиз, бу кичик фотоаппарат сизникими эй Рим.
24. Рим: Эй Амин амаки раҳмат.
25. Торик: Доирани чалишим мумкинми?
26. Амин: Мен чаламан.
27. Исом: Кел эй Амин, доирани чал.
28. Торик: Девордагиларга фикринг қандай?
29. Исом: Ажойиб! Бу ерда барча суратлар борми?
30. Торик: Йўқ, барчаси йўқ. Албомда бошқа суратлар бор. Бу ерда Фас шаҳри ҳақида текстлар бор. Мана бу туркча газеталардаги қиссалар.
31. Исом: Куалалампур. Бу сурат ёмғир остида олинган.
32. Торик: Мана бу, гавҳар овчиси суратидир.
33. Исом: Ҳа, бу суратни олиш осон бўлмади.
34. Нур: Эй Торик, уйку вақти бўлди.

35. Торик: Хайрли тун эй она. Хайрли тун эй ота.

36. Исом: Хайрли тун.

[.....]

37. Жин: Қизиққан нарсаларингни фақат учтасини сўрашга ҳаққинг бор. Ундан кўпига ҳаққинг йўқ. Яхшилаб ўйла.

38. Торик: Аввало, отам каби тасвирчи бўлишни хоҳлайман.

Иккинчи, отам каби кўп сафарда бўлишни орзу қиламан.

Учинчидан, солиҳ мусулмон бўлишни истайман (...).